नई दिल्ली। सोमवार, 31 अगस्त, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष तृतीया सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 236/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल विमेंस डीपीएल : सेंट्रल दिल्ली क्वींस को 6 विकेट....
@ विचार अध्यात्म-जगत में एक नवीन युग-संभावना...
@ व्यापार शीर्ष 10 में से 7 कंपनियों का मार्केटकैप 1.13 लाख...

विश्व केसरी खबर झरोखा

नेपाल-चीन सीमा पर हिमालयी आपदा : 750 की मौत, 3,000 से अधिक लापता

हिमालय में ग्लेशियर टूटने के बाद आई भीषण बाढ़ और मलबे के सैलाब ने नेपाल और चीन के तिब्बत क्षेत्र में भारी तबाही मचा दी है। रविवार सुबह तक इस आपदा में 750 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि दोनों देशों की सीमा के आसपास 3,000 से अधिक लोग अब भी लापता हैं।

बुधवार को ग्लेशियर का एक हिस्सा टूटने के बाद बर्फ, चट्टान, कीचड़ और मलबे का तेज बहाव पहाड़ी घाटियों और नदियों में उतर गया। इसके कारण बड़े पैमाने पर तबाही हुई और कई इलाके प्रभावित हुए। नेपाल और चीन के राहत एवं बचाव दल खराब मौसम, दुर्गम पहाड़ी इलाकों और बढ़ते जलस्तर के बीच लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, बचाव अभियान के सामने मौसम और लगातार बढ़ते पानी का स्तर बड़ी चुनौती बना हुआ है।

खामेनेई का मुस्लिम देशों से एकजुट होने का आह्वान

ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने मुस्लिम देशों, खासकर खाड़ी क्षेत्र के देशों से एकजुट होने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि मुस्लिमों के बीच विभाजन उनके विरोधियों के हित में है और सभी देशों को अपने 'वास्तविक दुश्मन' के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। इस्लामिक यूनिटी वीक के अवसर पर जारी संदेश में खामेनेई ने मुस्लिम देशों के बीच एकता और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने आपसी रक्षा की आवश्यकता भी बताई। उन्होंने कहा कि जो कोई भी मुस्लिमों के बीच विभाजन पैदा करता है, वह जाने-अनजाने इस्लाम के दुश्मनों के हितों की सेवा करता है। खामेनेई ने विशेष रूप से खाड़ी देशों से एकजुट होकर सहयोग करने की अपील की।

भारत ने नेपाल में राहत अभियान तेज किया

नेपाल में भीषण बाढ़ और मलबे से हुई तबाही के बाद भारत ने अपने राहत अभियान को तेज कर दिया है। भारत अब तक चार सैन्य उड़ानों के जरिए नेपाल को 68.5 टन से अधिक आपातकालीन राहत सामग्री भेज

चुका है। राहत सामग्री में अस्थायी आश्रय, कंबल, स्वच्छता किट, सौर लैंप, दवाएं, भोजन, पानी शुद्ध करने वाली गोलियां, जनरेटर और जल निकासी पंप शामिल हैं। भारत ने राहत एवं बचाव कार्यों में मदद के लिए विशेषज्ञ दल भी नेपाल भेजे हैं। जलविद्युत परियोजनाओं की सुरंगों में फंसे लोगों को निकालने के प्रयासों में सहायता के लिए सुरंग बचाव विशेषज्ञों के साथ फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीमें भी भेजी गई हैं। नेपाल में आई इस भीषण आपदा के बाद भारत की त्वरित सहायता को उसकी 'पड़ोसी प्रथम' नीति के अनुरूप महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

खनिजों की नीलामी के लिए नवा रायपुर में आज होगा रोड शो

छत्तीसगढ़ में खनिज क्षेत्र के विकास, निवेश और महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों के प्रभावी दोहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत भारत सरकार के खान मंत्रालय द्वारा क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक मिनरल ब्लॉक्स की नीलामी की 8वीं किश्त पर रोड शो का आयोजन कल 31 अगस्त को नवा रायपुर स्थित मेफेयर लेक रिजॉर्ट में किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। रोड शो में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू, कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे, सीएमडीसी के अध्यक्ष सौरभ सिंह, छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव, खान मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी सहित केंद्र एवं राज्य सरकार के अधिकारी, खनन क्षेत्र के विशेषज्ञ तथा उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

पीएम मोदी को उज्बेकिस्तान ने दिया सर्वोच्च सम्मान

एजेंसी ■ ताशकंद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उज्बेकिस्तान ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा है। उन्हें 'ओली दाराजली दोस्तलिक' ऑर्डर से देश के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने सम्मानित किया। प्रधानमंत्री ने मंच से इसे दोनों देशों के बीच के अटूट रिश्ते को समर्पित किया।

राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के विकास मॉडल का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 'मेरे मित्र और उज्बेकिस्तान के आर्थिक विकास के जनक ने इस पूरे क्षेत्र में एक रोल मॉडल के तौर पर काम करके दिखाया है। ये दो दिन की मेरी यात्रा हमेशा याद रहेगी। मेरा और डेलिगेशन का स्वागत जिस गर्मजोशी के साथ किया गया है, उससे अपनापन महसूस हो रहा था। इसके लिए मैं राष्ट्रपति का आभार व्यक्त करता हूं।' फिर सर्वोच्च सम्मान के लिए आभार जताते हुए कहा, 'ओली दराजली दोस्तलिक ऑर्डर पाकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं इसे भारत और उज्बेकिस्तान के बीच के अटूट रिश्ते को समर्पित करता हूं। मेरे लिए गर्व का पल है और जिस शब्द का प्रयोग राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में हमारे लिए किया 'दोस्तलिक', शायद ही हमारे देश में कोई परिवार होगा जो दोस्तलिक ना बोलता हो। इसका अर्थ मित्रता है।

इस शब्द में ही दोनों देशों के केंद्र में मित्रता की भावना है और यहां उसका प्रकटीकरण हो रहा। ये सम्मान एक व्यक्ति का नहीं, 140 करोड़ लोगों का सम्मान है। मैं उज्बेकिस्तान, सरकार और मित्र राष्ट्रपति जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं और विनम्रता से इसे स्वीकार करता हूं। ये साझा विरासत को समर्पित है।'

इससे पहले प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के बीच भारत-उज्बेकिस्तान के बीच एक उच्चस्तरीय बैठक हुई, जिसमें यूरेनियम सप्लाई पर चर्चा हुई। यहां पीएम मोदी ने कहा, 'हम यूरेनियम की आपूर्ति के लिए भी एक रणनीति के साथ आगे बढ़ेंगे और एक व्यवस्था बनाएंगे।'

वहीं, उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने कहा, 'आपके नेतृत्व में भारत सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। आपके करीबी मित्र के तौर पर हम निश्चित रूप से इन सभी उपलब्धियों को देखकर बहुत खुश हैं।'

पीएम मोदी दो दिन के उज्बेकिस्तान दौरे पर हैं। उन्होंने रविवार सुबह ताशकंद में एक योग सत्र में भी हिस्सा लिया।

प्रधानमंत्री मोदी शंघाई सहयोग संगठन समिट में शामिल होने किर्गिस्तान पहुंचे

एजेंसी ■ बिश्केक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को बिश्केक में 26वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) समिट में शामिल होने के लिए किर्गिस्तान पहुंचे। बिश्केक के मानस इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कैबिनेट ऑफ मिनिस्टर्स के चेयरमैन आदिलबेक कासिमालिएव ने पीएम मोदी का स्वागत किया। मध्य एशियाई देश की इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री कई द्विपक्षीय बैठकों में भी हिस्सा लेंगे। शनिवार को उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान की दो देशों की यात्रा पर निकलने से पहले अपने बयान में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत 2017 से एससीओ का एक सक्रिय और रचनात्मक सदस्य रहा है। मैं सुरक्षा, कनेक्टिविटी और अवसर पर आधारित इस क्षेत्र के लिए भारत के विजन को आगे बढ़ाने और आतंकवाद, अलगाववाद और चरमपंथ जैसी बुराइयों से मुक्त क्षेत्र के लिए साथी सदस्यों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं, जो हमारे पड़ोस और उससे आगे शांति और स्थिरता के लिए खतरा बने हुए हैं।

नेपाल में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में 898 कर्मचारी फंसे

एजेंसी ■ काठमांडू

नेपाल में बाढ़ के बाद हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में फंसे कर्मचारियों को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन तेज कर दिया गया है। CNN की रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 898 कर्मचारी अब भी फंसे हैं, जबकि 361 कर्मचारियों को अब तक बचाया जा चुका है।

त्रिशूली-3 'ए' हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन में कुछ कामयाबी मिली है। बचावकर्मी मशीनों की मदद से मिट्टी और गाद हटा रहे हैं। सुरंग में 6 इंच का छेद कर पाइप के जरिए हवा पहुंचाई जा रही है।

अब इसे बड़ा कर मैनहोल बनाने की तैयारी है, ताकि बचाव दल सुरंग के अंदर जाकर लोगों की तलाश कर सके। 26 अगस्त को नेपाल की भोटेकोशी और त्रिशुली नदी में अचानक बाढ़ आ गई थी। इस आपदा में नेपाल में अब तक 788 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, तिब्बत में मरने वालों का आंकड़ा 16 पहुंच गया है। इसकी कोई तय समय-सीमा नहीं होती। यह सुरंग के आकार, अंदर मौजूद हवा, लोगों की संख्या, ऑक्सीजन-CO_2 के स्तर, पानी, तापमान और लोगों की शारीरिक स्थिति पर निर्भर करता है।

अंदर फंसे लोगों को क्या खतरा हो सकता है

सामान्य हवा में करीब 20.9% ऑक्सीजन होती है। 19.5% से कम ऑक्सीजन को खतरनाक माना जाता है। बंद सुरंग में लोग सांस लेते हैं तो ऑक्सीजन घटती और CO_2 बढ़ती है। बाढ़ का पानी और कीचड़ सुरंग में भरने से सुरक्षित जगह कम हो सकती है। वहीं मलबा रास्ता बंद कर सकता है और सुरंग की सुरक्षा को भी प्रभावित कर सकता है। अगर सुरंग में बाढ़ का पानी भर रहा है और कर्मचारी लंबे समय तक गीले और ठंडे माहौल में फंसे हैं, तो हाइपोथर्मिया यानी शरीर का तापमान खतरनाक रूप से गिरने का जोखिम बढ़ सकता है।

भारत वित्त वर्ष 2027 में 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करेगा: वित्त मंत्री सीतारमण

एजेंसी ■ शिकागो

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद से बनी ग्रोथ की रफ्तार को जारी रखते हुए भारत के 2026-27 वित्त वर्ष में 7 प्रतिशत या उससे ज्यादा की इकोनॉमिक ग्रोथ रेट बनाए रखने की उम्मीद है।

अपनी अमेरिकी यात्रा के दौरान शिकागो में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिका-ईरान संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के कारण पैदा हुई जियोपॉलिटिकल अनिश्चितताओं और सप्लाई-चेन में रुकावटों के बावजूद भारत अपनी ग्रोथ की रफ्तार बनाए रखेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि ग्लोबल अनिश्चितताओं पर लगातार नजर रखने और साथ ही भारत की अपनी जरूरतों को समझने की वजह से हम मुश्किल हालात में भी डटे रहे। जबकि कई देश पूरी तरह से परेशान हैं और उनके हिसाब-किताब गड़बड़ा गए हैं। उन्होंने कहा कि मिडिल ईस्ट में संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य में रुकावट से शुरू में भारत को कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पादों और फर्टिलाइजर जैसी जरूरी चीजों की सप्लाई पर असर पड़ा, लेकिन देश ने सप्लाई का रास्ता बदलकर स्थिति संभाल ली।

वित्त मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि इंटरनेशनल मार्केट में कीमतें तेजी से बढ़ने के बावजूद सरकार ने किसानों के लिए फर्टिलाइजर की कीमतें नहीं बढ़ाई हैं और सब्सिडी जारी रखी है।

नेपाल में बाढ़ के बाद 149 भारतीय नागरिकों को बचाया गया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने रविवार को बताया कि नेपाल में आई भयानक बाढ़ के बाद अब तक कुल 149 भारतीय नागरिकों को बचाया गया है। विदेश मंत्रालय ने रविवार शाम 5.30 बजे तक बचाए गए सभी 149 भारतीय नागरिकों की सूची सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट की। इस बीच, 11 टन राहत सामग्री लेकर चौथी उड़ान नेपाल पहुंची और राहत सामग्री सौंप दी गई।

विदेश मंत्रालय ने अपनी पोस्ट में लिखा कि नेपाल के साथ खड़े हैं। 11 टन राहत सामग्री लेकर चौथी उड़ान नेपाल पहुंची और राहत सामग्री सौंप दी गई। इसमें सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए उपकरणों के साथ एक टनल टेक्निकल टीम, डीएनए एनालिसिस के लिए फोरेंसिक विशेषज्ञों की एक टीम और कंबल, स्लीपिंग बैग, तिरपाल, प्लास्टिक शीट और हाइजीन किट जैसी राहत सामग्री शामिल है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि 230 फीट लंबे सिंगल लेन मॉड्यूलर स्टील ब्रिज के लिए उपकरण लेकर 16 ट्रक नेपाल पहुंच चुके हैं।

उन्होंने एक्स पर कहा कि सात और बेली ब्रिज लगाने के लिए जल्द ही उपकरण भेजे जाएंगे। इनके इंस्टॉलेशन के लिए टेक्निकल टीमों के जल्द पहुंचने की उम्मीद है।

'पर्यावरण बचाना इंसानों की जिम्मेदारी' : मोहन भागवत

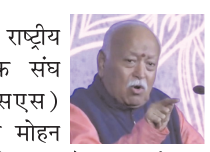

न्यूयॉर्क। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि पर्यावरण और दुनिया को बचाए रखना इंसानों की जिम्मेदारी है। उन्होंने न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित सार्वभौमिक एकता समारोह में विकास के ऐसे मॉडल की वकालत की है, जो प्रकृति को नष्ट किए बिना लोगों को समृद्ध होने की अनुमति दे।समारोह को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि विकास और पर्यावरण संरक्षण को अक्सर एक-दूसरे के विरोधी लक्ष्यों के तौर पर पेश किया जाता है। उन्होंने कहा, 'दुनिया कई समस्याओं का सामना कर रही है। विकास से पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है। पर्यावरण बचाने का मतलब विकास रोकना माना जाता है। तो इसका क्या रास्ता है?'

नीट-पीजी 2026 का देश भर में मजबूत निगरानी के साथ आयोजन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) ने निष्पक्ष, सुरक्षित और निर्बाध परीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए व्यापक लॉजिस्टिक, तकनीकी, सुरक्षा और श्रमशक्ति व्यवस्था के साथ आज, 30 अगस्त, 2026 को देश भर में नीट-पीजी 2026 परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की।

परीक्षा सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 339 शहरों के 1,111 परीक्षा केंद्रों पर 2,73,096 उम्मीदवारों के लिए निर्धारित की गई थी। परीक्षा के लिए कुल 2,65,980 उम्मीदवार उपस्थित हुए, जिसमें लगभग 2,63,535 उम्मीदवारों के लिए परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

राष्ट्रव्यापी परीक्षा के दौरान व्यापक तौर पर तत्क्षण निगरानी और कड़े सुरक्षा उपाय किए गए थे। परीक्षा के संचालन की निगरानी के लिए कुल 2,527 संकाय सदस्यों को स्वतंत्र एप्रेजर के रूप में नियुक्त किया गया था। इसके अलावा, डीन, निदेशकों, चिकित्सा अधीक्षकों और वरिष्ठ प्रोफेसरों सहित 700 से अधिक वरिष्ठ संकाय सदस्यों को फ्लाइंग स्क्वाड के सदस्यों के रूप में तैनात किया गया था। समन्वय और निगरानी को मजबूत करने के लिए, देश भर में 16 एनबीईएमएस क्षेत्रीय कमांड केंद्रों को चालू किया गया।

परीक्षा केंद्रों को भी सीसीटीवी की लाइव निगरानी में रखा गया था। एनबीईएमएस कमांड सेंटर के द्वारका स्थित मुख्यालय से इसकी लगातार इस पर नजर रखी जा रही थी। एनबीईएमएस और टीसीएस के 190 कर्मियों की एक समर्पित टीम को तत्क्षण निगरानी और देखरेख के लिए तैनात किया गया था।

एनबीईएमएस मुख्यालय में समर्पित कमांड सेंटर में, एनबीईएमएस, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, बीईएल, ईसीआईएल और टीसीएस के अधिकारियों ने पूरे दिन परीक्षा प्रक्रिया की निकटतापूर्वक निरंतर निगरानी बनाए रखी।

परीक्षा की सुरक्षा को और मजबूत करने और फर्जीवाड़ा को रोकने के उपायों के हिस्से के रूप में, परीक्षा केंद्रों पर उम्मीदवारों का आधार-संचालित प्रमाणीकरण सफलतापूर्वक किया गया। सरकारी एजेंसियों ने परीक्षा के सुरक्षित और व्यवस्थित संचालन के लिए अपना पूरा सहयोग दिया।

देश भर में अधिकांश उम्मीदवारों के लिए परीक्षा सफलतापूर्वक पूरी की गई थी। किंतु आईओएन डिजिटल जोन आईडीजेड सीतापुरा केंद्र, जयपुर, राजस्थान (टीसी नंबर 41682 और 41683) में एक अप्रत्याशित तकनीकी व्यवधान हुआ, जहां परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी मेसर्स टीसीएस लिमिटेड के कारण परीक्षा केंद्रों पर आंतरिक बिजली आपूर्ति के मुद्दों के कारण 2,445 उम्मीदवारों के लिए परीक्षा पूरी नहीं की जा सकी।

प्रभावित उम्मीदवारों को हुई असुविधा को लेकर एनबीईएमएस को गहरा खेद है और यह सुनिश्चित करने के लिए त्वरित कदम उठाए गए हैं कि उन्हें नीट-पीजी 2026 में उपस्थित होने का समुचित और न्यायसंगत अवसर प्रदान किया जाए।

तदनुसार, सभी प्रभावित उम्मीदवारों की पुन: परीक्षा शनिवार, 5 सितंबर, 2026 को दोपहर 3:00 बजे जयपुर, राजस्थान में आयोजित की जाएगी। स्थान विवरण और परीक्षा से संबंधित अन्य निर्देश संबंधित उम्मीदवारों को अलग से सूचित किए जाएंगे।

339 शहरों में 1,111 केंद्रों पर परीक्षा का सफल आयोजन परीक्षा अधिकारियों, चिकित्सा संस्थानों, संकाय, सुरक्षा एजेंसियों, प्रौद्योगिकी टीमों और राष्ट्रव्यापी क्रियाकलाप में शामिल अन्य हितधारकों के बीच व्यापक समन्वय को दर्शाता है।

एनबीईएमएस उम्मीदवारों के सहयोग, धैर्य और विश्वास की सराहना करता है और नीट-पीजी 2026 के आयोजन से जुड़े सभी कर्मियों और संस्थानों के समर्पित प्रयासों को स्वीकार करता है।

जिज्ञासा ज्ञान का पहला दीपक है, छात्रों को विज्ञान के साथ संस्कार भी मिलें : मनोज सिन्हा

विश्व केसरी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के स्थापना दिवस समारोह और श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल के वार्षिक उत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि जिज्ञासा ज्ञान का पहला दीपक है।

उपराज्यपाल ने श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और बेहतर व्यवस्थाओं के लिए श्राइन बोर्ड द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ये उपलब्धियां समर्पण, अनुशासन और सेवा भावना को दर्शाती हैं, जो सनातन संस्कृति की मूल विशेषताएं हैं। गुरुकुल के छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने शिक्षा में जिज्ञासा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'जिज्ञासा ज्ञान का पहला दीपक है। हमारी परंपरा में प्रश्न पूछना कभी कमजोरी नहीं माना गया। उपनिषदों की परंपरा संवाद, चिंतन और अनुभव की परंपरा है। शिक्षकों को छात्रों को केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि मूल्य और संस्कार भी देने चाहिए।

मूल्यों और विज्ञान के बीच संतुलन की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि विज्ञान हमें गति देता है, जबकि मूल्य हमें दिशा देते हैं। गति और दिशा के बीच संतुलन ही वास्तविक प्रगति है।

उन्होंने कहा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अध्यात्म की यात्रा साथ-साथ आगे बढ़नी चाहिए। हमारा उद्देश्य मूल्यों के माध्यम से अपनी जड़ों को मजबूत करना और विज्ञान के माध्यम से छात्रों को नए पंख देना होना चाहिए। मुझे खुशी है कि गुरुकुल ने अपनी शिक्षा प्रणाली में विज्ञान और कंप्यूटर तकनीक जैसे आधुनिक विषयों को शामिल किया है।

उपराज्यपाल ने गुरुकुल और श्राइन बोर्ड से पर्यावरण संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने जल संरक्षण, ऊर्जा बचत, वृक्षारोपण और स्वच्छता से जुड़े कार्यक्रम चलाने की अपील की, ताकि ये संस्थाएं सतत विकास (सस्टेनेबल डेवलपमेंट) का उदाहरण बन सकें।

उन्होंने कहा, हमारे प्राचीन ग्रंथों में प्रकृति के प्रति गहरा सम्मान दिखाई देता है। अथर्ववेद का 'पृथ्वी सूक्त' धरती के प्रति कृतज्ञता और उसकी रक्षा के संकल्प को दर्शाता है। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के इस दौर में हमें आधुनिक विज्ञान के साथ-साथ अपनी ज्ञान परंपराओं को भी समझना और पढ़ना चाहिए।

मनोज सिन्हा ने गुरुकुल के लिए तीन नई पहलों का भी प्रस्ताव रखा। इनमें भारतीय ज्ञान परंपराओं और आधुनिक विज्ञान के बीच संवाद स्थापित करने के लिए 'वैल्यूज एंड साइंस इनोवेशन सेंटर', छात्रों को स्वच्छता, डिजिटल साक्षरता और पर्यावरण संरक्षण जैसी सेवाओं के माध्यम से समाज से जोड़ने के लिए 'सेवा एवं समाज अभियान', तथा उभरती तकनीकों के प्रति जिम्मेदारी और नैतिकता विकसित करने के लिए 'फ्यूचर स्किल्स एंड एथिकल टेक्नोलॉजी' कार्यक्रम शामिल हैं।

उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल आने वाले वर्षों में ऐसा शिक्षा केंद्र बनेगा, जहां परंपरा और आधुनिकता एक-दूसरे को समृद्ध करेंगी और जहां से जागरूक, संवेदनशील और संस्कारी नागरिक निकलेंगे। ज्ञान तभी पूर्ण होता है जब उसके साथ करुणा, विनम्रता और मानवता के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी जुड़ी हो।

चित्रकूट पहुंचे मुख्यमंत्री मोहन यादव, बाढ़ प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद का दिया भरोसा

विश्व केसरी

चित्रकूट। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को चित्रकूट में मंदाकिनी और सिंहावल नदियों के किनारे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर हालात का जायजा लिया। उन्होंने राहत शिविरों और बस्तियों में रह रहे लोगों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की।

दौरे के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। उन्होंने अधिकारियों को अगले दो-तीन दिनों तक मौके पर मौजूद रहने और बाढ़ प्रभावित परिवारों तक आवश्यक सामग्री, भोजन और चिकित्सा सुविधाएं बिना किसी बाधा के पहुंचाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी अपने दौरे की जानकारी साझा करते हुए लिखा कि राज्य सरकार प्राकृतिक आपदा की इस घड़ी में हर बाढ़ प्रभावित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा, 'ईश्वर की कृपा, मौसम विभाग के सटीक पूर्वानुमान और प्रशासन की त्वरित कार्रवाई की वजह से इस आपदा में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।' हालांकि कई परिवारों को आर्थिक नुकसान हुआ है, जिसकी विस्तृत सर्वेक्षण के माध्यम से भरपाई की जाएगी और सभी प्रभावितों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

गौरतलब है कि लगातार हुई मूसलाधार बारिश के कारण मंदाकिनी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया था। इससे रामघाट और आसपास के इलाके जलमग्न हो गए, जबकि हनुमान धारा मार्ग पर स्थित पुराने पुल को भी नुकसान पहुंचा।

स्थिति से निपटने के लिए एसडीआरएफ की टीमें तैनात की गईं और जरूरत पड़ने पर भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टरों की भी मदद ली गई। प्रशासन ने छह राहत शिविर स्थापित किए हैं, जहां प्रभावित लोगों के लिए भोजन और चिकित्सा की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री के दौरे और निर्देशों के बाद अब प्रशासन का फोकस राहत कार्यों को लगातार जारी रखने, नुकसान का विस्तृत आकलन करने और यह सुनिश्चित करने पर है कि कोई भी प्रभावित परिवार सरकारी सहायता से वंचित न रहे।

संक्षिप्त खबरें

आफताब अंसारी की जेल बैरक से मिले मोबाइल और इंटरनेट उपकरण, फोरेंसिक जांच शुरू

विश्व केसरी

कोलकाता। कोलकाता के अमेरिकी केंद्र (अमेरिकन सेंटर) पर जनवरी 2002 में हुए हमले के मास्टरमाइंड आफताब अंसारी की प्रेसिडेंसी सेंट्रल करेक्शनल होम (जेल) की बैरक से बरामद मोबाइल फोन और अन्य इंटरनेट उपकरणों को फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या आफताब अंसारी पाकिस्तान में किसी से फोन पर संपर्क करता था, न्यायिक हिरासत में रहते हुए कौन-सी साजिश रची जा रही थी और उससे मिलने कौन-कौन लोग आते थे। अधिकारी इस बात की भी जांच कर रहे हैं कि अंसारी फोन पर किन लोगों से बातचीत करता था। जासूसों का दावा है कि कुछ कॉल पाकिस्तान के एक नंबर पर की गई थीं। सूत्रों के अनुसार, अंसारी के पास से बरामद मोबाइल फोन में व्हाट्सऐप और टेलीग्राम समेत कई ऐप मौजूद हैं, जिनका इस्तेमाल बातचीत के लिए किया जाता था। इस बीच, अंसारी की बैरक की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। जानकारी के मुताबिक, जांच अधिकारी जेल के अंदर ही उससे पूछताछ कर रहे हैं।

हरियाणा का लक्ष्य मां और नवजात शिशु की मृत्यु दर को कम करना : नायब सिंह सैनी

विश्व केसरी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार गर्भवती महिलाओं के लिए समय पर और अच्छी क्वालिटी की हेल्थकेयर सर्विस पक्का करने और मां व नवजात शिशु की मृत्यु दर को कम करने के लिए 'समृद्धि' योजना लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य राज्य की हर गर्भवती महिला को पोर्टल पर रजिस्टर करना और गर्भावस्था, डिलीवरी और डिलीवरी के बाद की अवधि के दौरान लगातार उनकी सेहत की निगरानी करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'समृद्धि' पोर्टल, राज्य-स्तरीय कमांड सेंटर और 102 मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कॉल सेंटर को आधुनिक तकनीक के जरिए आपस में जोड़ा जाएगा। यह इंटीग्रेटेड सिस्टम गर्भवती महिलाओं के लिए बेहतर हेल्थकेयर सर्विस पक्का करेगा, हाई-रिस्क वाली गर्भावस्था की समय पर पहचान करने और जरूरत पड़ने पर तुरंत बड़े हेल्थ सेंटर में रेफर करने में मदद करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर गर्भवती महिला का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होगा और उन्हें एक यूनिक पहचान दी जाएगी, जिससे उनकी गर्भावस्था से जुड़ी सभी हेल्थ जानकारी एक ही जगह सुरक्षित रखी जा सकेगी।

पंजाब को नशे से मुक्त कर सकती है भाजपा, पीएम मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम पर बोले केवल सिंह ढिल्लों

विश्व केसरी

मोहाली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष सरदार केवल सिंह ढिल्लों ने 'मन की बात' कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने पंजाब में नशे की समस्या, महिलाओं, किसानों और गरीबों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया है।

मोहाली में मीडिया से बातचीत के दौरान ढिल्लों ने कहा कि पंजाब में नशे की समस्या गंभीर रूप ले चुकी है और इससे राज्य का सामाजिक ढांचा प्रभावित हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि एक महिला ने अपने पांच बच्चों के नशे की गिरफ्त में आने का दर्द साझा किया था। ढिल्लों ने कहा कि पंजाब सरकार नशे की समस्या खत्म करने में विफल रही है। पंजाब में नशे का दरिया बह रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस मुद्दे पर अपनी बात रखी। इसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद कहना चाहता हूं। पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर निशाना साधते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार अपने चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि राज्य पर कर्ज बढ़ा है और नशे की समस्या भी कम नहीं हुई है। ढिल्लों ने अवैध खनन के मुद्दे को उठाते हुए कहा कि सरकार ने खनन से 20,000 करोड़ रुपए का राजस्व हासिल करने का दावा किया था, लेकिन सिर्फ 600 करोड़ रुपएमिले, तो बाकी का पैसा कहां गया? क्या इसे अरविंद केजरीवाल दिल्ली लेकर गए?

विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा और शिरोमणि अकाली दल के संभावित गठबंधन की अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए ढिल्लों ने कहा कि फिलहाल किसी प्रकार की गठबंधन वार्ता नहीं चल रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है।

ढिल्लों ने दावा किया कि पार्टी ने चुनावी तैयारियां पूरी कर ली हैं और जनता बदलाव के मूड में है।

धौलपुर में डूबते भाई को बचाने के लिए तीन बहनों ने तालाब में छलांग लगाई, चारों की मौत

विश्व केसरी

धौलपुर। राजस्थान के धौलपुर जिले में रविवार सुबह एक दुखद घटना हुई। गहरे पानी में गिरे अपने भाई को बचाने की कोशिश में तीन बहनों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। इस घटना में चारों की जान चली गई। एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत से पूरा गांव सदमे में है और उनके रिश्तेदार गहरे गम में हैं।

यह घटना धौलपुर जिले के अंगई पुलिस स्टेशन इलाके के धौंध बिरजा गांव में हुई। परिवार के सदस्य स्थानीय देवता हीरामन बाबा के मंदिर जाने के लिए गांव के पास आए थे। जानकारी के मुताबिक, तीन बहनें पूजा करने मंदिर गई थीं, जबकि उनका भाई नहाने के लिए पास के तालाब की ओर गया था। जब बहनों को अपना भाई दिखाई नहीं दिया और उन्हें एहसास हुआ कि वह पानी में है तो वे तालाब की ओर दौड़ीं और उसे डूबते हुए पाया। उसे बचाने की कोशिश में तीनों बहनें तालाब में उतर गईं।

तालाब में पानी ज्यादा होने और गहराई के कारण भाई और तीनों बहनें डूब गईं। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और पुलिस को इस दुखद घटना की जानकारी दी। मृतक भाई की पहचान नथुआ पुरा निवासी 23 वर्षीय भोलू उर्फ रवि के तौर पर हुई है।

विजया रहाटकर ने महिलाओं को 'जीरो एफआईआर' दर्ज कराने के अधिकार के बारे में बताया

विश्व केसरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने रविवार को महिलाओं से अपील की है कि वे किसी भी पुलिस स्टेशन में संज्ञेय अपराध के मामले में जीरो एफआईआर दर्ज कराने के अपने अधिकार के बारे में जानकारी रखें। विजया रहाटकर ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया।

उन्होंने कहा कि जीरो एफआईआर आपका अधिकार है। घटना कहीं भी हुई हो, आप किसी भी गंभीर अपराध (कॉग्निजेबल ऑफेंस) के लिए अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करा सकती हैं।

उन्होंने कहा कि एक बार जीरो एफआईआर दर्ज हो जाने के बाद मामले को संबंधित पुलिस स्टेशन में ट्रांसफर कर दिया जाता है। अगर पुलिस एफआईआर दर्ज करने से मना करे तो लिखित शिकायत दें और किसी सीनियर पुलिस अधिकारी से संपर्क करें। अपने अधिकारों के बारे में जानकारी रखें और आवाज उठाने में संकोच न करें। अपने सोशल मीडिया पोस्ट के साथ उन्होंने एक पैम्फलेट भी शेयर किया, ताकि महिलाओं को यह बताया जा सके कि गंभीर अपराध का सामना करने पर जीरो एफआईआर कैसे दर्ज कराई जाए।

उन्होंने महिलाओं को याद दिलाया कि अपराध कहीं भी हो, वे अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी पुलिस स्टेशन में उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने की सुविधा का लाभ उठा सकती हैं।

एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि रहाटकर ने महाराष्ट्र में पंचायतों और शहरी स्थानीय निकायों की चुनी हुई ।

नशे की समस्या को लेकर सरकार पर भाजपा का हमला, सीएम विजय से सख्त कार्रवाई की मांग

विश्व केसरी

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय से राज्य में शराब और नशीले पदार्थों के बढ़ते चलन पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह समस्या युवाओं के भविष्य और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है।

उनकी यह प्रतिक्रिया राजपलायम के पुराने बस स्टैंड के पास हिंदू मुन्नानी के पदाधिकारी थानिगासलम की हत्या के बाद आई है। नागेंद्रन के अनुसार, थानिगासलम बस का इंतजार कर रहे थे, तभी कथित रूप से नशे में धुत कुछ युवकों ने उनका पीछा किया और पुलिस स्टेशन के बाहर उन पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए एक पोस्ट में भाजपा नेता ने इस घटना को बेहद दुखद बताया और मृतक के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस हत्या ने एक बार फिर तमिलनाडु में कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति और अपराधियों के बढ़ते हौसले को उजागर कर दिया है। नागेंद्रन ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री विजय राज्य को 'नशे की ताकत' के चंगुल में जाने से रोकने में विफल रहे हैं।

सभी मेडिकल कॉलेजों में डायग्नोस्टिक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी: सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू

विश्व केसरी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने रविवार को कहा कि सरकार सभी मेडिकल कॉलेजों में अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए काम कर रही है।

इन मेडिकल कॉलेजों में लगभग 500 करोड़ रुपए की लागत से आधुनिक उपकरण लगाए जा रहे हैं। ऐसी एडवांस्ड मशीनें अभी सिर्फ दिल्ली के एम्स में ही उपलब्ध हैं। ऐसी सुविधाएं अभी एम्स बिलासपुर या पंजाब के लुधियाना और जालंधर जैसे शहरों में भी उपलब्ध नहीं हैं।

सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने नदौन विधानसभा क्षेत्र में एक पब्लिक हेल्थ कैंप के उद्घाटन के मौके पर बोलते हुए कहा कि मेडिकल कॉलेजों में आधुनिक तकनीक और उपकरण लगाने से

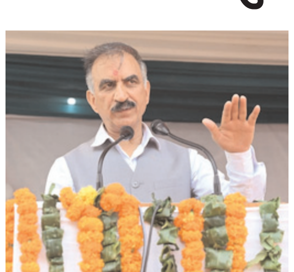

डायग्नोस्टिक सेवाएं मजबूत और ज्यादा सटीक होंगी, जिससे लोगों को बिना देरी के सही इलाज मिल सकेगा।

उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेजों के अलावा सरकार सभी 70 आदर्श मेडिकल संस्थानों में स्पेशलिस्ट डॉक्टर भी नियुक्त कर रही है, ताकि लोगों को उनके घर के पास बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि सरकार 300 मेडिकल ऑफिसर, 200 स्पेशलिस्ट डॉक्टर और 150 सुपर-स्पेशलिस्ट डॉक्टर भर्ती करने जा रही है। इस पहल के तहत नदौन, कांगू, गैलोर और धनेटा के अस्पतालों में भी डॉक्टर नियुक्त किए गए हैं।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि जोलसप्पर में डॉ. राधाकृष्णन गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन जल्द ही किया जाएगा। यहां उत्तर भारत का अपनी तरह का पहला एलाइड हेल्थ साइंसेज संस्थान स्थापित किया जाएगा। वाइस-चांसलर को निर्देश दिया गया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि संस्थान में दाखिले इसी साल शुरू हों, इसलिए एलाइड हेल्थ साइंसेज प्रोफेशनल्स को हमीरपुर में ही ट्रेनिंग दी जाएगी।

स्थानीय निवासियों से पब्लिक हेल्थ कैंप का पूरा फायदा उठाने की अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही नदौन और हमीरपुर के अन्य हिस्सों में भी ऐसे कैंप आयोजित किए जाएंगे।

भारत की डिजिटल उर्वरक वितरण प्रणाली 14 करोड़ से अधिक आधार-लिंक्ड किसानों को करती है कवर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। पारदर्शिता बढ़ाने, उर्वरक की उपलब्धता में सुधार करने और उर्वरक आपूर्ति श्रृंखला की अधिक प्रभावी, डेटा-आधारित निगरानी को सक्षम बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई डिजिटल पहलों की श्रृंखला के साथ भारत की एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) एक नए चरण में प्रवेश कर चुकी है।

राष्ट्रीय स्तर पर संचालित यह प्रणाली 14 करोड़ से अधिक आधार-लिंक्ड किसानों, 25 लाख से अधिक खुदरा विक्रेताओं और लगभग 7 करोड़ मीट्रिक टन उर्वरक बिक्री लेनदेन को कवर करती है, साथ ही लगभग 2 लाख करोड़ रुपए की वार्षिक उर्वरक सब्सिडी के प्रशासन में भी सहयोग करती है।

उर्वरक विभाग के लिए राष्ट्रीय

सूचना केंद्र (एनआईसी) द्वारा विकसित और तकनीकी रूप से समर्थित, आईएफएमएस उर्वरक पारिस्थितिकी तंत्र के प्रमुख चरणों को जोड़ता है। इसमें उत्पादन, आयात, आवागमन, स्टॉक उपलब्धता, खुदरा बिक्री और सब्सिडी प्रसंस्करण शामिल हैं। सब्सिडी प्रसंस्करण अधिकारियों को उर्वरक उत्पादन, आयात, प्रेषण, आवागमन, स्टॉक और खुदरा बिक्री का समेकित अवलोकन प्रदान करने के लिए नए डैशबोर्ड और विश्लेषणात्मक उपकरण विकसित किए गए हैं।

ये उपकरण राष्ट्रीय, राज्य, जिला और खुदरा विक्रेता स्तरों पर निगरानी करने में सक्षम बनाते हैं, जिससे असामान्य रुझानों और उभरती आपूर्ति स्थितियों की प्रारंभिक अवस्था में ही पहचान करने में मदद मिलती है।

डेटा-आधारित उर्वरक प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम राज्यों और अन्य सरकारी प्लेटफार्मों द्वारा बनाए गए किसान, भूमि और फसल डेटाबेस के साथ आईएफएमएस का एकीकरण रहा है। हरियाणा में मेरी फसल मेरा ब्योरा (एमएफएमबी) के साथ एकीकरण और उसके बाद एग्रीस्टैक के साथ एकीकरण की दिशा में किए गए कार्यों ने उर्वरक लेनदेन को किसान और कृषि संबंधी जानकारी से जोड़ने के लिए तंत्र स्थापित किए।

इन पहलों ने उर्वरक खरीदारों को किसान और भूमि अभिलेखों से मिलाने में मूल्यवान अनुभव प्रदान किया और भूमि और फसल संबंधी जानकारी की उपलब्धता, पूर्णता और गुणवत्ता से संबंधित व्यावहारिक मुद्दों को उजागर किया।

उन्होंने उर्वरक आवश्यकताओं और खपत की बेहतर समझ विकसित करने के लिए उर्वरक लेनदेन डेटा को कृषि डेटा के साथ संयोजित करने की क्षमता भी प्रदर्शित की। भंडारण ढांचा (एफएफएस) एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में उभरा है जिसका उद्देश्य मौजूदा आईएफएमएस प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) पारिस्थितिकी तंत्र के साथ मोबाइल ऐप-आधारित उर्वरक बुकिंग प्रणाली को एकीकृत करना है।

इस ढांचे के तहत भूमि और स्वामित्व विवरण के सत्यापन के बाद किसान एग्रीस्टैक में बनाई गई अपनी आईडी के आधार पर आवश्यक उर्वरक बुक कर सकता है।

एक सितंबर को 1.22 लाख छात्रों को लैपटॉप के लिए 25-25 हजार रुपए ट्रांसफर करेंगे सीएम मोहन यादव

विश्व केसरी

भोपाल। मध्य प्रदेश के उन होनहार छात्रों का आधुनिक तकनीक पाने का सपना जल्द ही पूरा होगा, जिन्होंने 12वीं कक्षा की परीक्षा में 75 प्रतिशत या उससे ज्यादा अंक हासिल किए हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव लैपटॉप खरीदने के लिए लगभग 1.22 लाख पात्र छात्रों को 25-25 हजार रुपए ट्रांसफर करेंगे।

यह रकम भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में एक सितंबर को होने वाले लैपटॉप वितरण कार्यक्रम के दौरान दी जाएगी। यह पहल स्कूल शिक्षा विभाग की प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के तहत लागू की जा रही है।

2009-10 में शुरू की गई इस योजना का मकसद होनहार छात्रों को प्रोत्साहित करना और उन्हें उच्च शिक्षा के लिए जरूरी डिजिटल टूल्स उपलब्ध कराना है। जो योग्य छात्र पहली बार में ही मध्य प्रदेश बोर्ड की 12वीं कक्षा की परीक्षा कम से कम 75 प्रतिशत अंकों के साथ पास करते हैं, उन्हें डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए सीधे उनके बैंक खातों में 25,000 रुपए का नकद प्रोत्साहन दिया जाता है। सरकार असल में लैपटॉप नहीं देती, बल्कि इस रकम से छात्र अपनी पसंद का डिवाइस खरीद सकते हैं।

इस साल राज्य भर के लगभग 1.22 लाख छात्रों को इसका फायदा मिलेगा। उनके खातों में कुल मिलाकर 304.98 करोड़ रुपए से ज्यादा की रकम ट्रांसफर की जाएगी। इस योजना से अब तक 4 लाख से ज्यादा छात्रों को मदद मिल चुकी है और राज्य सरकार पिछले कुछ सालों में इस पर 1,000 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च कर चुकी है।

अधिकारियों ने बताया कि इस आर्थिक मदद से छात्रों को पढ़ाई के लिए ऑनलाइन रिसोर्स, डिजिटल कोर्स मटीरियल, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और पढ़ाई-लिखाई में तरक्की के लिए जरूरी दूसरे तकनीकी टूल्स तक पहुंचने में मदद मिलेगी। डिजिटल अंतर को कम करके यह कार्यक्रम होनहार युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें उच्च शिक्षा व आधुनिक अर्थव्यवस्था की जरूरतों के हिसाब से तैयार करने की कोशिश करता है।

कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में एक सितंबर को होने वाले कार्यक्रम में प्रोत्साहन राशि औपचारिक रूप से ट्रांसफर की जाएगी। राज्य सरकार ने इस योजना को होनहार छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों को मान्यता देते हुए उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में एक अहम कदम बताया है।

परंपरा और आधुनिकता साथ-साथ चल सकते हैं : उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन

विश्व केसरी

तिरुवनंतपुरम। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को केरल में पम्बा नदी पर 'अरनमुला उथ्रित्थाथी वल्लमकाली' का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि परंपरा और आधुनिकता साथ-साथ चल सकते हैं।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास और विरासत वाले विजन को याद किया और कहा कि भारत के अलग-अलग तरह के त्योहार देश की सांस्कृतिक एकता को दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी विविधता बंटवारे का कारण नहीं है, यह हमारी ताकत का स्रोत है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने अरनमुला को केरल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, भक्ति और सदियों पुरानी परंपराओं का शानदार प्रतीक बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि ओणम और वल्लासाद्य की पवित्र परंपरा से जुड़ी अरनमुला वल्लमकाली टीम वर्क, अनुशासन और खेल भावना को दिखाती है, जिसमें खूबसूरती से सजाई गई पल्लियोडम नावें और 100 से ज्यादा नाविक एक साथ तालमेल बिठाकर नाव चलाते हैं।

यह देखते हुए कि विदेशों में काम करने वाले लोग भी ऐसी प्यारी परंपराओं में शामिल होने के लिए वापस आते हैं, उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने कहा कि अरनमुला दिखाता है कि कैसे सांस्कृतिक परंपराएं लोगों को उनकी जड़ों से जोड़े रखती हैं।

केरल का नाम बदलने पर राज्य के लोगों को बधाई देते हुए उपराष्ट्रपति ने याद किया कि राज्यसभा के सभापति के तौर पर उन्हें हाल ही में खत्म हुए संसद सत्र के दौरान राज्य का नाम बदलने वाले बिल को पास कराने की अध्यक्षता करने का सौभाग्य मिला था। उन्होंने ओणम के मौके पर भी शुभकामनाएं दीं।

हल्द्वानी शुद्धिकरण की घटना ने राज्य और समाज को शर्मसार किया : हरीश रावत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने रविवार को कई मुद्दों पर प्रतिक्रियाएं दीं। उन्होंने मोहन भागवत के मुसलमानों पर दिए बयान, हल्द्वानी शुद्धिकरण विवाद, एनडीए में आरक्षण को लेकर मतभेद, नेपाल त्रासदी और पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम पर खुलकर बात की।

हरीश रावत ने कहा, न्यूयॉर्क में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने जो कहा, वह उनके अपने संगठन और उनसे जुड़ी पार्टी भाजपा के 95 प्रतिशत से ज्यादा लोगों की सोच के उलट है, इसलिए सबसे पहले उन्हें उन लोगों को समझाना चाहिए और पूछना चाहिए कि वे हिंदू हैं या नहीं। सनातन धर्म हमेशा सबको साथ लेकर चलने वाला रहा है, लेकिन भाजपा जिस दिशा में बढ़ रही है, वह सबको साथ लेकर चलने वाली सोच पर आधारित नहीं है।

हल्द्वानी शुद्धिकरण विवाद पर कांग्रेस नेता ने कहा, 'यह एक ऐसी घटना थी, जिसने राज्य और समाज को शर्मसार किया। एक संदेश बिल्कुल साफ गया कि भाजपा राज्य में उनके लोग जब खड़गे का सम्मान नहीं कर सकते तो फिर सामान्य दलित की स्थिति क्या होगी। जिस तरह से शुद्धिकरण किया गया, उस पर हमें शर्म है। इस मामले में शामिल लोगों को राज्य और दिल्ली का नेतृत्व जिस तरह से बचाने की कोशिश कर रहा है, वह और शर्मनाक है। आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करके उन्हें जेल में डाला जाना चाहिए।'

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और जीतन राम मांझी के बीच आरक्षण को लेकर इस्तीफा मांगने वाले बयान पर हरीश रावत ने कहा, 'एनडीए की सबसे बड़ी पार्टी से लेकर दूसरी पार्टियों तक, आरक्षण को लेकर उनकी नीति साफ नहीं है। उनके बीच कई विरोधाभासी विचार हैं और नतीजतन, उनके मंत्री अब आपस में लड़ रहे हैं और एक-दूसरे से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। एनडीए ही आरक्षण को लेकर भ्रमित है।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल का एक्शन, राजस्थान के कोटा से हिमांशु भाऊ गैंग के चार सदस्य गिरफ्तार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलिजेंस टीम ने राजस्थान के कोटा से कुख्यात गैंगस्टर हिमांशु भाऊ गैंग के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में दो वांछित शूटर और उनके दो सहयोगी शामिल हैं, जो उन्हें पनाह देने और धन के लेन-देन में मदद करने का काम कर रहे थे।

गिरफ्तार किए गए मुख्य आरोपियों की पहचान रमन उर्फ फौजी (19) निवासी जींद, हरियाणा और करण (22) निवासी चरखी दादरी, हरियाणा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी कई संगीन आपराधिक मामलों में वांछित थे और विभिन्न राज्यों की पुलिस उन्हें लंबे समय से तलाश रही थी।

पुलिस के मुताबिक ,रमन और करण संयुक्त रूप से कई सनसनीखेज वारदातों में शामिल रहे हैं। इनमें दिसंबर 2025 में दिल्ली के आया नगर में डेयरी कारोबारी रतन की हत्या का मामला शामिल है, जिसमें 70 से अधिक राउंड फायरिंग की गई थी।

इसके अलावा, अगस्त 2025 में द्वारका मोड़ पर मोहित डागर की हत्या, दिसंबर 2025 में रोहतक के रिठोली गांव में हिमांशु भाऊ के प्रतिद्वंद्वी सन्नी रिठोली पर जानलेवा हमला तथा मई 2026 में उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के ककोड़ क्षेत्र में जितेंद्र उर्फ जीतू पर अंधाधुंध फायरिंग की घटनाओं में भी दोनों की तलाश थी। पुलिस के अनुसार, करण हरियाणा के रेवाड़ी और पलवल में हुई फायरिंग की घटनाओं में भी वांछित था। उस पर मई 2024 में रेवाड़ी के मोहल्ला कुतुबपुर में एक मकान पर अंधाधुंध गोलीबारी करने और दिसंबर 2024 में पलवल के महेशपुर गांव के सरपंच पर ऑटोमैटिक कार्बाइन से हमला करने के आरोप हैं।

रमन के खिलाफ भी दिल्ली क्राइम ब्रांच में आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज एक मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी था। दोनों आरोपियों पर हरियाणा और उत्तर प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों में इनाम भी घोषित था। स्पेशल सेल ने रमन और करण को पनाह देने तथा उनके लिए मनी म्यूल (धन हस्तांतरण में मददगार) के रूप में काम करने वाले दो भाइयों को भी गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान शेखर तिवारी (23) और विनोद तिवारी (30) निवासी गोवर्धन, मथुरा (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है।

दिल्ली पुलिस ने चारों आरोपियों को संबंधित अदालत में पेश किया, जहां से आगे की पूछताछ और जांच के लिए उनका पुलिस रिमांड प्राप्त कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ के दौरान गैंग के नेटवर्क, हथियारों की सप्लाई, फंडिंग और अन्य आपराधिक गतिविधियों से जुड़े अहम खुलासे होने की संभावना है।

'शुद्धिकरण' विवाद पर प्रकाश आंबेडकर का राहुल गांधी पर निशाना, पूछा- 'एक्शन' कब होगा?

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय संविधान के जनक बाबा साहेब आंबेडकर के पोते प्रकाश आंबेडकर ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है।

प्रकाश आंबेडकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को मेरा सुझाव, भाजपा द्वारा हल्द्वानी में किया गया 'शुद्धिकरण' कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ जातिवाद और छुआछूत का एक घिनौना और निंदनीय कृत्य था, और इसने भाजपा की मनुवादी सोच को एक बार फिर बेनकाब किया। उन्होंने कहा कि इससे भी बुरी बात यह है कि खड़गे को अपनी ही कांग्रेस पार्टी के सदस्यों द्वारा इस जातिवादी कृत्य की स्पष्ट रूप से निंदा न किए जाने पर अपना दुख जताना पड़ा। आपने कल 15 दिन बाद इस मुद्दे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करके एक प्रेजेंटेशन दी, जिसमें आपने शुद्धिकरण करने वालों को एक्सपोज किया।

उन्होंने राहुल गांधी से मुखातिब होते हुए कहा कि आप विपक्ष के नेता हैं, आपके कार्यकर्ता आपको अगला प्रधानमंत्री बनाने की तैयारी कर रहे हैं। बहुत अच्छी बात है, पर जो पार्टी के बड़े लोग अपने ही पार्टी अध्यक्ष पर हुए जातिवाद पर चुप्पी साधे रहते हैं, वे भाजपा मनुवादियों से कैसे बेहतर हैं आंबेडकर ने कहा कि ये प्रेजेंटेशन में तस्वीर दिखाने से कुछ नहीं होगा। सबको पता है खड़गे के खिलाफ ये जातिवाद भाजपा ने किया है, इसमें कोई दो राय नहीं है।

आप बोल रहे हैं कि खड़गे को न्याय मिलेगा, पर कैसे आप क्या कर रहे हैं आप विपक्ष के नेता हैं, आपने एफआईआर करवाई क्या जब आप अपने पार्टी अध्यक्ष के लिए नहीं लड़ेंगे तो गरीब दलित और शोषित समाज क्या समझेगा

अंग्रेजी में एक कहावत है— वॉक द टॉक। इसका मतलब यह है कि आप जो कहते हैं उसे करें और एक्शन के साथ अपने शब्दों का समर्थन करें।

बिहार में नदियों के जलस्तर में उतार-चढ़ाव जारी, कोसी-गंडक के बहाव में फिर बढ़ोतरी

विश्व केसरी

पटना। बिहार में गंगा, कोसी, गंडक, बूढ़ी गंडक, घाघरा और बागमती समेत प्रमुख नदियों के जलस्तर में उतार-चढ़ाव जारी है। कई स्थानों पर नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। इस बीच कोसी और गंडक नदियों के बैराजों से नीचे की ओर छोड़े जा रहे पानी में रविवार दोपहर तक बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

इससे नदी किनारे के इलाकों में बाढ़ का दबाव बना हुआ है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, वीरपुर बैराज पर कोसी नदी का डाउनस्ट्रीम डिस्चार्ज रविवार दोपहर 2 बजे 1,57,080 क्यूसेक दर्ज किया गया और पानी का बहाव बढ़ रहा था।

रविवार सुबह 10 बजे यहां 1,48,660 क्यूसेक पानी दर्ज किया गया था। वहीं, शनिवार रात 10 बजे यह 1,64,730 क्यूसेक था। इसी तरह वाल्मीकिनगर बैराज पर गंडक नदी का डाउनस्ट्रीम डिस्चार्ज रविवार दोपहर 2 बजे 1,50,200 क्यूसेक दर्ज किया गया, जो बढ़ रहा है। रविवार सुबह 10 बजे यहां 1,31,500 क्यूसेक पानी था। शनिवार रात 10 बजे डिस्चार्ज 99,800 क्यूसेक दर्ज किया गया था।

केंद्रीय जल आयोग के अनुसार पटना जिले के गांधीघाट में गंगा नदी का जलस्तर रविवार सुबह 6 बजे खतरे के निशान से 36 सेंटीमीटर ऊपर था। हालांकि, सोमवार सुबह 8 बजे तक जलस्तर में 14 सेंटीमीटर कमी का अनुमान है।

पटना के हाथीदह में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से 51 सेंटीमीटर ऊपर रहा और यहां भी अगले 24 घंटे में 15 सेंटीमीटर कमी की संभावना है। पटना के दीघाघाट में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से 40 सेंटीमीटर नीचे रहा। मनेर में सोन नदी का जलस्तर 36 सेंटीमीटर नीचे दर्ज किया गया।

वहीं, पटना के श्रीपालपुर में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से 80 सेंटीमीटर नीचे था, लेकिन सोमवार सुबह तक इसमें 90 सेंटीमीटर की वृद्धि होने का अनुमान जताया गया है।

दो गुटों के बीच झड़प में एक उग्रवादी मारा गया, छह घायल, ऑयल पंप पर फेंका ग्रेनेड

विश्व केसरी

इम्फाल। मणिपुर के नोनी जिले में एक उग्रवादी संगठन के दो गुटों के बीच हुई सशस्त्र झड़प में एक उग्रवादी मारा गया और छह अन्य घायल हो गए, जबकि थौबल जिले में अज्ञात लोगों ने एक ऑयल पंप पर ग्रेनेड फेंका।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि नोनी में जेलियांगरोंग यूनाइटेड फ्रंट- कामसन (जेडयूएफ-के) और जेलियांगरोंग यूनाइटेड फ्रंट-जेनचुई (जेडयूएफ-जे) के कैडरों के बीच जबरदस्त गोलीबारी हुई।

इस झड़प के दौरान जेडयूएफ-जे के एक स्वयंभू सेकंड लेफ्टिनेंट, जिनकी पहचान 29 वर्षीय जंगाइलिंग गोनमेई के तौर पर हुई है, को गोली लगी और बाद में उनकी मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि गोलीबारी में जेएयूएफ-जे गुट के छह अन्य कैडर भी घायल हो गए। घायल उग्रवादियों को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई गई।

अधिकारियों ने बताया कि बाकी उग्रवादियों की हालत और उनके ठिकाने के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। एक अलग घटना में शनिवार की शाम को मणिपुर के थोउबल में अज्ञात लोगों ने एक ऑयल पंप पर ग्रेनेड फेंका। हालांकि, इस धमाके में कोई घायल नहीं हुआ।

पुलिस ने बताया कि हमलावर कार में आए और ग्रेनेड फेंका, जो पेट्रोल पंप परिसर के अंदर खड़े एक ऑयल टैंकर के पास फटा। अधिकारी ने आगे बताया कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है और पुलिस हमलावरों की पहचान करने और उनका पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है।

इस बीच, मणिपुर पुलिस और असम राइफल्स की एक संयुक्त टीम ने काकचिंग जिले से एक कट्टर उग्रवादी और उसके साथी को गिरफ्तार किया। दोनों कांगलेई यावोल कन्ना लुप संगठन से जुड़े थे। गिरफ्तार उग्रवादियों की पहचान 26 वर्षीय युमनाम रोहेनजीत मेइतेई उर्फ अकुई और 26 वर्षीय शाकाचंद युमनाम उर्फ चंद के तौर पर हुई है।

अधिकारियों ने बताया कि दोनों कथित तौर पर जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल थे। सुरक्षाकर्मियों ने उनके पास से राइफल की दो खाली मैगजीन, 27 जिंदा इनसास राउंड, एक हैंडसेट, दो स्लिंग, एक प्लेट वाली बुलेटप्रूफ जैकेट, टैक्टिकल बूट्स की एक जोड़ी और एक मैगजीन पाउच बरामद किया।

रांची में आदिवासी एकता महाजुटान रैली, परिसीमन और माइंस-मिनरल्स बिल के खिलाफ गरजे कांग्रेस नेता

विश्व केसरी

रांची। रांची में कांग्रेस के पूर्व विधायक बंधु तिर्की के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं और आदिवासी संगठनों ने 'आदिवासी एकता महाजुटान' रैली निकाली। रैली में आबादी के आधार पर परिसीमन और माइंस एंड मिनरल्स संशोधन बिल का कड़ा विरोध किया गया। नेताओं ने इसे आदिवासियों की संख्या, भागीदारी और जमीन-संसाधनों पर अधिकार को कमजोर करने की साजिश बताते हुए सरकार को चेतावनी दी।

परिसीमन को लेकर आदिवासी संगठनों में भारी नाराजगी है। नेताओं का कहना है कि अगर जनसंख्या के आधार पर परिसीमन किया गया तो आदिवासी बहुल इलाकों में सीटें घट जाएंगी, जिससे उनकी राजनीतिक भागीदारी और आवाज कमजोर हो जाएगी।

बंधु तिर्की ने कहा, परिसीमन में जनसंख्या के आधार पर अगर हमारी सीट घटी तो ईंट से ईंट बजा देंगे। खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को वापस लेना ही होगा। विपक्ष इसी तरह की बात करता है। छत्तीसगढ़ और झारखंड में आदिवासियों का क्या हाल है। सुखदेव भगत ने कहा, निश्चित रूप से आदिवासी एकता महाजुटान रैली परिसीमन के विरुद्ध है। इसके जरिए सरकार आदिवासी संख्या घटाना चाहती है, आवाज को दबाना चाहती है। इसके विरुद्ध में आज आदिवासी संगठनों ने ये कार्यक्रम किया। निश्चित रूप से सड़कों पर हमारी जनता है, सदन में राहुल गांधी के नेतृत्व में हमलोग संघर्ष करेंगे।

सुबोध कांत सहाय ने कहा कि 2011 में जो स्थिति थी, जिसकी वजह से परिसीमन की प्रक्रिया को असम, झारखंड समेत एक-दो राज्यों में रोक दिया गया था। आज उससे ज्यादा बुरा हाल है। रोका क्यों गया था ।

संपादकीय

छात्रसंघ चुनाव फिर से बहाल हो

डॉ. संजय शुक्ला

भारत में इन दिनों 'जेन- जी ' यानि ऐसी पीढ़ी जो 1997 से 2012 के बीच जन्में हैं और 'जेन - अल्फा' यानि जो 2010 से 2024 के बीच पैदा हुए हैं भारी चर्चा में हैं। नीट - यूजी पेपर लीक के मामले को दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए 'जेन- जी प्रोटेस्ट' ने एक बार फिर से देश में छात्र राजनीति को केंद्र में ला दिया है। दूसरी ओर देश के अलग-अलग हिस्सों से स्कूली बच्चों यानी ' जेन- अल्फा' के स्कूलों में शिक्षकों की कमी, सड़क, शौचालय, पेयजल, पंखे और बेंच की मांग को लेकर सड़कों पर प्रदर्शन करने की खबरें भी सामने आ रही है। बेशक भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में छात्रों और युवाओं का अपनी समस्याओं को लेकर सड़कों पर उतरना देश के भविष्य के लिए शुभ संकेत है बशर्ते उनका आंदोलन और अभिव्यक्ति मर्यादित हो।आखिरकार आंदोलन और प्रतिरोध सत्ता की जड़ता को खत्म करता है जो लोकतंत्र की जीवंतता के लिए आवश्यक है। देश की आजादी से लेकर स्वातंत्र्योत्तर भारत में छात्र आंदोलनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है जिसने देश को नया नेतृत्व दिया है। दरअसल विश्वविद्यालयों से लेकर कॉलेजों में होने वाले छात्रसंघ चुनाव और छात्र राजनीति को 'राजनीति की नर्सरी' कहा जाता है, जहां से देश के लोकतंत्र को नयी पौध मिलती है। विडंबना है कि जिन लोगों के हाथों इस 'नर्सरी' के देखभाल की जवाबदेही थी उन्होंने इसे उजाड़ने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ा है जिसका दुष्परिणाम आज की राजनीति भोग रहा है।

अस्सी के दशक तक जुलाई महीने में युनिवर्सिटी और कॉलेजों के कैंपस में छात्रसंघ चुनावों की सरगर्मी भी कैंपस को सरगर्म किए रहती थी। यह वह दौर था जब कुछ प्रमुख स्कूलों में भी छात्र परिषद का भी चुनाव हुआ करता था। इस दशक के बाद अमूमन सभी राज्य सरकारों ने छात्र राजनीति पर शिकंजा कसने की जुगत में इन चुनावों पर बंदिश लगाना शुरू कर दिया। सबसे पहले मेडिकल और इंजीनियरिंग कोर्सेज से जुड़े कॉलेजों में छात्रसंघ चुनावों को बंद किया गया इसके बाद धीरे-धीरे अन्य विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के छात्रसंघ चुनावों को प्रतिबंधित कर दिया गया। यह वह दौर था जब सियासत से जुड़े दलों के छात्र और युवा इकाई पिछले दरवाजे से युनिवर्सिटी और कॉलेजों के कैंपस में दाखिल हो रहे थे। पहले स्टुडेंट यूनियन के चुनाव ' पैनलों' के नाम पर लड़ा जाता था लेकिन बाद में यह दलीय छात्र संगठनों के बैनर पर होने लगे। कालांतर में इन चुनावों में प्रत्यक्ष मतदान को बंद कर छात्रसंघों का गठन प्रावीण्यता के आधार पर मनोनयन के जरिए होने लगा जिस पर राजनीतिक छात्र संगठन अपना ठप्पा लगाते गए।

बहरहाल दलीय आधार पर चुनाव होने का खामियाजा यह कि ये संगठन अपने पार्टी के गतिविधियों को कैंपस में बढ़ावा देने लगे हैं फलस्वरूप आम छात्रों से जुड़े शिक्षा, रोजगार और अन्य बुनियादी मुद्दों पर न तो कोई सवाल उठा रहा है और न ही बहस को आगे बढ़ाया जा रहा है। हकीकत भी यही है कि शिक्षण संस्थानों के राजनीतिकरण का दरवाजा यहीं से खुला जिसके प्रभाव में कुलपति और कुलसचिव जैसे गरिमामय पदों की नियुक्तियां और बर्खास्तगी आ गयी। आलम यह है कि अब बौना सा नेता भी स्वार्थ सिद्धि नहीं होने पर कुलपति और कुलसचिव को कुर्सी से बेदखल करने की धमकी देता है वहीं इनके साथ दुर्व्यवहार की घटनाएं तो आम हैं। हालांकि इन परिस्थितियों के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन और आंतरिक राजनीति भी जवाबदार है। अलबत्ता युनिवर्सिटी में जारी ऐसी गतिविधियों का असर वहां के अकादमिक और अनुसंधान गतिविधियों पर पड़ रहा है नतीजतन दुनिया के शीर्षस्थ 200 यूनिवर्सिटीज में भारत का कोई भी विश्वविद्यालय जगह नहीं बना पाया है।

छात्रसंघ चुनावों पर बंदिश के पीछे सरकार, विश्वविद्यालय प्रशासन और शिक्षाविदों की दलील यह कि इन चुनावों में हिंसा होती है जिससे कैंपस का अनुशासन बिगड़ता है। तर्क यह भी कि यूनिवर्सिटी और कॉलेज पढ़ाई के लिए हैं न कि राजनीति के लिए।इन दलीलों के पैरोकार विभिन्न राजनीतिक दलों के युवा और छात्र संगठनों द्वारा कैंपस में चलाए जा रहे राजनीतिक गतिविधियों पर चुप्पी साधे हुए हैं। अनेक यूनिवर्सिटीज में इन छात्र संगठनों के बीच खूनी संघर्ष भी हुआ है जिससे कैंपस में अनुशासन बिगड़ा है। बिलाशक छात्रसंघ चुनावों में हिंसा का इतिहास रहा है लेकिन क्या देश के पंचायत से लेकर विधानसभा और लोकसभा के चुनावों में हिंसा नहीं होती क्या इन चुनावों के दौरान कानून और व्यवस्था नहीं बिगड़ती फिर अकेले छात्रसंघ चुनाव पर ही तोहमत क्यों विचारणीय सवाल यह भी कि जब अट्ठारह साल का युवा अपना जनप्रतिनिधि चुन सकता है तो खुद का परिषद जिसके लिए वह हर साल फीस देता है उसके चुनाव से उसे क्यों रोका जा रहा है छात्र राजनीति के पन्ने पलटें तो अतीत में कई निर्वाचित छात्रसंघों ने छात्रहित में निर्णायक आंदोलन किया था मसला छात्रों के फीस से जुड़ा हो अथवा स्थानीय युवाओं के रोजगार का रहा हो। देश में छात्र राजनीति का इतिहास आजादी के पहले का रहा है, साल 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान छात्र राजनीति का योगदान अपने चरम पर था जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया था। आजादी के आंदोलन से तैयार नेताओं की पीढ़ी ने देश के सियासत और सरकार में नैतिक मूल्यों को स्थापित करने में अपना पूरा जीवन खपा दिया।

अध्यात्म-जगत में एक नवीन युग-संभावना का उद्घाटन

ललित गर्ग

कुछ घटनाएं इतिहास में दर्ज होती हैं और कुछ घटनाएं इतिहास की दिशा बदलने की क्षमता रखती हैं। तेरापंथ धर्मसंघ के वर्तमान आचार्य श्री महाश्रमणजी द्वारा मुख्य मुनि महावीर कुमारजी को अपने उत्तराधिकारी के रूप में युवाचार्य मनोनीत किया जाना ऐसी ही घटना है। 27 जुलाई 2026, आषाढ़ शुक्ला त्रयोदशी को लाडनूं स्थित जैन विश्व भारती के सुधर्मा सभा परिसर में हुई यह घोषणा तेरापंथ की लगभग ढाई शताब्दी पुरानी आचार्य-परम्परा में एक नया अध्याय जोड़ने वाली है। लेकिन इस घटना को केवल एक धार्मिक संगठन के भावी नेतृत्व के निर्धारण के रूप में देखना इसके वास्तविक महत्व को सीमित करना होगा। यह मनोनयन साधना की गहराई, ज्ञान की व्यापकता, मानवीय चेतना की ऊष्मा और नेतृत्व की विलक्षण प्रतिभा के एक ऐसे समन्वय की प्रतिष्ठा है, जो आने वाले समय में अध्यात्म को नई भाषा, नई दृष्टि और नया वैश्विक आयाम दे सकता है।

तेरापंथ में युवाचार्य का पद किसी राजनीतिक या प्रशासनिक उत्तराधिकार जैसा पद नहीं है। यहां नेतृत्व अधिकार से नहीं, आत्मानुशासन से अर्जित होता है; प्रतिष्ठा पद से नहीं, साधना से मिलती है; और उत्तराधिकार किसी वंश का नहीं, विचार, मर्यादा, तप और आध्यात्मिक संस्कारों की निरंतरता का होता है। आचार्य श्री महाश्रमण जी ने इसी स्वस्थ परम्परा का निर्वाह करते हुए मुनि महावीर कुमार जी को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है। इसलिए यह प्रश्न अधिक महत्वपूर्ण है कि मुनि महावीर कुमार जी कौन हैं और उनके युवाचार्यत्व में भविष्य के अध्यात्म की कौन-सी संभावनाएं दिखाई देती हैं?

मुनि महावीर कुमार जी का जीवन इस प्रश्न का उत्तर स्वयं देता है। अल्पायु में दीक्षा ग्रहण करने से लेकर मुख्य मुनि जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण दायित्व तक की उनकी यात्रा केवल पदों की यात्रा नहीं है। यह आत्मसंयम, स्वाध्याय, तप, अनुशासन, चिंतन और निरंतर आत्मपरिष्कार की यात्रा है। उनके व्यक्तित्व में आध्यात्मिक साधक की गंभीरता के साथ आधुनिक समय को समझने वाले चिंतक की दृष्टि दिखाई देती है। यही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। उनके जीवन का एक उल्लेखनीय पक्ष यह भी है कि आध्यात्मिक साधना को उन्होंने ज्ञान से अलग नहीं माना। पर्यावरणीय चिंतन पर उनका शोध और जैन आगमों में पर्यावरणीय दृष्टि का अध्ययन यह संकेत देता है कि उनकी दृष्टि केवल परम्परा के संरक्षण तक सीमित नहीं, बल्कि परम्परा में निहित उन जीवन-मूल्यों को समकालीन विश्व की समस्याओं से जोड़ने वाली है। उपलब्ध विवरणों के अनुसार उन्हें जैन आगमों में पर्यावरणीय चिंतन पर शोध के लिए पीएचडी उपाधि भी प्राप्त हुई है। यह तथ्य आज विशेष अर्थ रखता है। दुनिया जलवायु संकट, पर्यावरणीय असंतुलन, हिंसा, मानसिक तनाव और असीमित उपभोग की संस्कृति से जूझ रही है। ऐसे समय में जैन दर्शन का अपरिग्रह, संयम, अहिंसा और सह-अस्तित्व का संदेश केवल धार्मिक सिद्धांत नहीं रह जाता, बल्कि मानवता के अस्तित्व का प्रश्न बन जाता है। यदि अध्यात्म आधुनिक समस्याओं के समाधान से जुड़ता है, तभी वह जीवंत और प्रभावी बनता है।

युवाचार्य महावीर कुमार की संभावित भूमिका इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण हो जाती है। उनका व्यक्तित्व हमें यह विश्वास दिलाता है कि आने वाला अध्यात्म केवल मंदिरों, उपाश्रयों और प्रवचन सभाओं तक सीमित रहने वाला अध्यात्म नहीं होगा। वह मनुष्य के मन, परिवार के संस्कार, समाज के चरित्र, पर्यावरण की रक्षा और वैश्विक सह-अस्तित्व से जुड़े प्रश्नों पर भी अपना प्रभाव डालेगा। आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ा संकट बाहरी संसाधनों का नहीं, आंतरिक संतुलन का है। मनुष्य के पास ज्ञान बहुत है, लेकिन विवेक कम होता जा रहा है। सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन संतोष घटा है। संपर्क के साधन बढ़े हैं, लेकिन आत्मीयता कम हुई है। स्वतंत्रता का विस्तार हुआ है, लेकिन आत्मानुशासन कमजोर पड़ा है। आर्थिक विकास ने जीवन को गति दी है, लेकिन उस गति की दिशा पर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। ऐसे समय में अध्यात्म की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। मगर ऐसा अध्यात्म, जो जीवन से भागना नहीं सिखाए; बल्कि जीवन को अधिक जागरूकता, संयम, करुणा और उत्तरदायित्व के साथ जीना सिखाए।

युवाचार्य महावीर कुमार जी की साधना की दिशा इसी जीवंत अध्यात्म की ओर संकेत करती है। उनके व्यक्तित्व की दूसरी बड़ी विशेषता है मानवीय चेतना की ऊष्मा। अध्यात्म तभी प्रभावी होता है जब उसमें मनुष्य के प्रति करुणा हो। केवल ज्ञान मनुष्य को बड़ा विद्वान बना सकता है, लेकिन करुणा उसे बड़ा मनुष्य बनाती है। केवल अनुशासन व्यवस्था पैदा कर सकता है, लेकिन आत्मीयता समाज को जोड़ती है। युवाचार्य महावीर कुमार के व्यवहार में सरलता, सहजता, विनम्रता और आत्मीयता का समन्वय उनकी आध्यात्मिकता को मानवीय धरातल प्रदान करता है। उनकी दृष्टि में धर्म विभाजन की दीवार नहीं, मनुष्य को मनुष्य से जोड़ने वाला सेतु बन सकता है। यही दृष्टि आज की विभाजित दुनिया के लिए अत्यंत आवश्यक है।

आज जाति, भाषा, क्षेत्र, विचारधारा और आर्थिक विषमता के आधार पर समाजों में दूरी बढ़ रही है। ऐसे समय में जैन दर्शन का अनेकांत और सह-अस्तित्व केवल दार्शनिक अवधारणाएं नहीं, बल्कि सामाजिक शांति के व्यावहारिक सूत्र बन सकते हैं। युवाचार्य महावीर कुमार जी की भूमिका यहां एक आध्यात्मिक सेतु की हो सकती है- परम्परा और आधुनिकता के बीच, धर्म और समाज के बीच, व्यक्ति और विश्व के बीच तथा आत्मकल्याण और लोकमंगल के बीच। उनके नेतृत्व का सबसे महत्वपूर्ण आयाम युवा चेतना हो सकता है। दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश भारत में युवा शक्ति यदि चरित्र, विवेक और नैतिकता से जुड़ती है तो वह राष्ट्र के भविष्य को बदल सकती है। लेकिन यदि वही युवा केवल उपभोग, प्रतिस्पर्धा, नशे, आभासी दुनिया और तात्कालिक सफलता की दौड़ में उलझ जाए तो उसकी ऊर्जा विघटनकारी भी बन सकती है।

तेरापंथ की मूल चेतना-अहिंसा, संयम, अनुशासन, अनेकांत, अपरिग्रह और आत्मजागरण-आज पहले से अधिक प्रासंगिक है। आवश्यकता केवल इतनी है कि इन मूल्यों को आधुनिक मनुष्य की भाषा में, आधुनिक समस्याओं के संदर्भ में और वैश्विक समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रस्तुत किया जाए। यदि ऐसा होता है तो तेरापंथ का प्रभाव केवल धार्मिक अनुयायियों तक सीमित नहीं रहेगा। वह विश्व-चेतना के विमर्श में अपनी विशिष्ट भूमिका निभा सकता है। युवाचार्य का मनोनयन इसलिए एक व्यक्ति का सम्मान नहीं, एक संभावना का उद्घाटन है। यह संभावना उस अध्यात्म की है जो विज्ञान का विरोध नहीं करता, बल्कि विज्ञान को विवेक देता है; जो विकास को रोकता नहीं, बल्कि विकास को मानवीय बनाता है; जो भौतिक समृद्धि का निषेध नहीं करता, बल्कि उसके साथ संतुलन और संयम की चेतना जोड़ता है; जो धर्म को संकीर्ण पहचान नहीं, बल्कि सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों का माध्यम बनाता है।

आज विश्व को किसी नये संघर्ष की नहीं, नई चेतना की आवश्यकता है। उसे ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो सत्ता के बिना प्रभाव पैदा कर सके, संसाधनों के बिना परिवर्तन की प्रेरणा दे सके और किसी पर नियंत्रण किए बिना आत्मानुशासन का मार्ग दिखा सके। संत परम्परा का वास्तविक सामर्थ्य यही है। युवाचार्य महावीर कुमार जी के व्यक्तित्व में यह संभावना दिखाई देती है कि वे तेरापंथ की आध्यात्मिक विरासत को नई पीढ़ी की चेतना से जोड़ते हुए व्यापक मानव समाज तक पहुंचाने वाले प्रभावी संवाहक बनें। उनका युवाचार्यत्व इसलिए केवल तेरापंथ के भविष्य की घोषणा नहीं है। यह अध्यात्म के भविष्य के प्रति एक विश्वास की घोषणा है। यह उस यात्रा का प्रारंभ है जिसमें साधना व्यक्तिगत मुक्ति से आगे बढ़कर लोकमंगल की शक्ति बन सकती है; ज्ञान पुस्तकालयों से निकलकर जीवन का प्रकाश बन सकता है; संयम व्यक्तिगत तपस्या से आगे बढ़कर सामाजिक संतुलन का आधार बन सकता है।

औपनिवेशिक जंजीरों की जकड़न से जन-जन के जनतंत्र तक

काले कानूनों से कब मिलेगी पूरी मुक्ति?

डॉ. शैलेश शुक्ला

अंग्रेज चले गए, भारत स्वतंत्र हो गया, लेकिन औपनिवेशिक दौर के अनेक कानून आज भी किसी न किसी रूप में मौजूद हैं। 15 अगस्त 1947 को भारत ने राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त की, पर स्वतंत्रता के बाद अनेक पुराने कानून जारी रहे और समय-समय पर उनमें संशोधन हुए। समस्या तब पैदा होती है, जब ऐसे कानून, जिनकी मूल भावना औपनिवेशिक शासन की प्रशासनिक और नियंत्रण संबंधी आवश्यकताओं से जुड़ी थी, स्वतंत्र भारत के लोकतांत्रिक और नागरिक-केंद्रित शासन में भी पुरानी मानसिकता की छाप दिखाते हैं। सबसे प्रमुख उदाहरण पुलिस व्यवस्था का है। आज विचार करना आवश्यक है कि हमारी कानून व्यवस्था संविधान, नागरिक अधिकार, गरिमा, स्वतंत्रता और जवाबदेही की लोकतांत्रिक अपेक्षाओं के अनुरूप कितनी बदली है।

पुलिस अधिनियम, 1861 इसका प्रमुख उदाहरण है। 1857 के विद्रोह के बाद ब्रिटिश शासन ने पुलिस प्रशासन को अधिक केंद्रीकृत और नियंत्रित किया और 1861 का अधिनियम उसी औपनिवेशिक ढाँचे का हिस्सा बना। इसमें पुलिस का अधीक्षण राज्य सरकार में निहित किया गया और जिला पुलिस को जिला मजिस्ट्रेट के सामान्य नियंत्रण तथा निर्देशन से जोड़ा गया। स्वतंत्र भारत में पुलिस विदेशी सत्ता की रक्षा करने वाली संस्था नहीं, बल्कि संविधान और कानून के अधीन जनता की सुरक्षा करने वाली संस्था है। पुलिस सुधारों की आवश्यकता को सर्वोच्च न्यायालय ने भी रेखांकित किया। 2006 में प्रकाश सिंह बनाम भारत संघ मामले में न्यायालय ने राज्य सुरक्षा आयोग, पुलिस प्रमुख के चयन और कार्यकाल, जाँच तथा कानून-व्यवस्था के कार्यों को अलग करने, पुलिस स्थापना बोर्ड और पुलिस शिकायत प्राधिकरण जैसी व्यवस्थाओं से संबंधित महत्वपूर्ण निर्देश दिए। फिर भी कई नागरिक थाने जाने में झिझकते और शिकायत दर्ज कराने में कठिनाई अनुभव करते हैं। इससे स्पष्ट है कि कानून के साथ प्रशासनिक संस्कृति बदलना भी जरूरी है।

भारतीय वन अधिनियम, 1927 भी औपनिवेशिक विरासत का प्रमुख उदाहरण है। इससे पहले 1865 और 1878 में वन संबंधी कानून बनाए गए थे और धीरे-धीरे जंगलों पर राज्य का नियंत्रण मजबूत हुआ।

1927 के कानून ने आरक्षित और संरक्षित वनों सहित वन क्षेत्रों पर राज्य का नियंत्रण व्यवस्थित किया। आरक्षित वनों में अनेक पारंपरिक गतिविधियों और अधिकारों पर कठोर प्रतिबंध लगाए गए। स्वतंत्र भारत में प्रश्न उठा कि वन प्रबंधन में सरकारी नियंत्रण के साथ उन समुदायों के अधिकार और भागीदारी को कितना महत्व मिले, जिनका जीवन पीढ़ियों से जंगलों से जुड़ा है।

इसी संदर्भ में वन अधिकार अधिनियम, 2006 महत्वपूर्ण परिवर्तन लाया। इस कानून ने अनुसूचित जनजातियों और अन्य पात्र परंपरागत वन निवासियों के व्यक्तिगत और सामुदायिक वन अधिकारों को कानूनी मान्यता देने का प्रावधान किया। इसमें आजीविका, आवास, लघु वनोपज और सामुदायिक वन संसाधनों से जुड़े अधिकार हैं। आज वन व्यवस्था में राज्य का नियामक अधिकार भी है और पात्र वनवासियों के अधिकारों को वन अधिकार अधिनियम से मान्यता भी। चुनौती पर्यावरण संरक्षण और वनवासियों के वैधानिक अधिकारों के बीच न्यायपूर्ण संतुलन की है।

औपनिवेशिक विरासत का एक अन्य उदाहरण शासकीय गुप्त बात अधिनियम, 1923 है। यह सरकारी गोपनीय सूचनाओं को नियंत्रित करने वाला कानून था और आज भी मौजूद है।

बोध कथा

दुर्भाग्य का मुकाबला

लगभग ढाई सौ साल पहले की घटना है। जापान में हवाना होकीची नामक एक बालक का जन्म हुआ। सात वर्ष की उम्र में चेचक के कारण बालक की आंखों की रोशनी चली गई। अब उसके जीवन में बिल्कुल अंधेरा हो गया था।

कुछ दिनों तक तो होकीची इस दुर्भाग्यपूर्ण परिवर्तन को समझ नहीं पाया। लेकिन जैसे-जैसे दिन बीतते रहे, वैसे-वैसे होकीची ने अपनी परिस्थिति से समझौता कर लिया और मन में ठान लिया कि किसी भी कीमत पर हार नहीं माननी है। बालक ने पढ़ना आरंभ किया। धीरे-धीरे उसे पुस्तकों से गहरा प्रेम हो गया। पुस्तकें ही होकीची की आंखें थीं, जो उसे जीवन की राह दिखाती थीं। वह पुस्तकों को दूसरों से पढ़वा कर ज्ञान अर्जित करता था। आजीवन उसने अपना अध्ययन जारी रखा। दूसरों से पुस्तकें पढ़वा-पढ़वा कर होकीची का ज्ञान भंडार असीमित हो चुका था।

फिर उन्होंने अपने ज्ञान को एक पुस्तक के रूप में समेटना चाहा। जब यह बात एक राष्ट्रीय संस्था को मालूम हुई तो उसने होकीची के ज्ञान को पुस्तक रूप में लिखवाया।

होकीची ने बोलकर संपूर्ण पुस्तक को लिखवा दिया। राष्ट्रीय संस्था को हवाना होकीची द्वारा लिखवाई गई पुस्तक अत्यंत महत्वपूर्ण नजर आई। उसने उसके आधार पर एक विश्वज्ञान कोश प्रकाशित किया। यह विश्वज्ञान कोश दो हजार आठ सौ बीस खंडों में प्रकाशित हुआ। विश्व इतिहास में आज तक इससे अधिक तथ्यपूर्ण पुस्तक संभवतः कोई प्रकाशित नहीं हुई। होकीची ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने अपने जीवन को एक सार्थक मोड़ पर पहुंचाया और आत्मविश्वास के बल पर एक सौ एक वर्ष तक जिंदा रहे। उन्होंने अपनी शारीरिक कमी को अपनी ताकत बनाकर अपने दुर्भाग्यपूर्ण जीवन को महान बना लिया। उनका जीवन दूसरों के लिए एक मिसाल बन गया। उन्होंने साबित किया कि संकल्प से हर तरह की मुश्किलों को आसान बनाया जा सकता है।

कविता

गलत ठहरा दिया तुमने

लता अग्रवाल

कर्तव्य और मर्यादा की
मोटी-मोटी दीवारों में
सदियों घुटती रही
आज जब तोड़कर दीवारों
को
आना चाहा बाहर
मेरा आचरण ग़लत ठहरा
दिया तुमने।

तुम्हारे शब्द भेदी बाणों की
पीड़ा को सहती रही
कतरा-कतरा बिखरती रही
खामोश,
आज जब खोलना चाहा
लब
मेरा व्याकरण ग़लत ठहरा
दिया तुमने।

जीवन के रंगमंच पर बन
कठपुतली
करती रही नर्तन,
तुम्हारी तनी रस्सियों पर
अब जब चाहती हूँ थिरकना, अपनी ताल पर
मेरा अंतकरण मैला बता दिया तुमने।

हर पीड़ा को दफ़न कर
अरमानों की राख तले
मुस्कान लपेटे रही,
दोहरी चादर ओढ़े घुटती रही सदा,
आज जब चाहती हूँ
अपनी सही पहचान ओढ़ना
मेरा आवरण ग़लत ठहरा दिया तुमने।

अपनी भावना-सम्भावना,
वेदना-सम्वेदना की जला होली घुलती रही,
तुम्हारे पौरुष की कैंची ने
कतर दिए पर, मन पंछी के, तड़पती रही
आज जब पाना चाहती हूँ अपना आकाश
तो पर्यावरण ग़लत ठहरा दिया तुमने।

व्यंग्य केसरी

टीवी सीरियलों का अभियान

रविंद्र गिन्नौरे

महिलाओं के उत्थान के सरकारी अभियान चलाया जा रहा है वह महिला सशक्तिकरण। वहीं दूसरी ओर महिलाओं को हिंसात्मक बनाने की ओर अग्रेसित कर रहा है। आजकल ऐसी घटनाएं हो रही हैं जिसके कारण पुरूष वर्ग भयभीत हो चला है। हालात ऐसे हो चले हैं कि घर पर नीला ड्रम देख आदमी बिदकने लगा है। प्री वेडिंग शूटिंग में किसी पहाड़ का लोकेशन हुआ तो लड़का घर भाग खड़ा होता है। आखिर लड़कियों को ऐसे आइडिया कहां से मिल रहे हैं..!

लड़कियां बड़ी तेजस्विनी क्यों हो चली है। अपने मंगेतरों की काल क्यों बनतीं जा रही हैं। यह सोचनीय और परम विचारणीय प्रश्न है।

वैसे टीवी सीरियल ने महिलाओं का हिंसाकरण कर दिया है। सशक्तिकरण से हजार गुना बड़ा काम कर दिखाया।

टीवी सीरियलों में घर परिवार में प्रभुत्व रखने वाली महिलाएं सर्वोपरि भूमिका निभाती हैं। पुरुष महिलाओं के साथ बस हां में हां मिलाते भेंड़ चाल चलते हैं।

सीरियलों की दादी नानी जब तब अपना प्रेमी बदल लेती हैं। मासूमियत ओढ़े खलनायिक इतनी क्रूरतम होती हैं जो बेखौफ हत्याएं कर सम्मानित बनीं रहती हैं। हमारे देश के सरकारी सिस्टम की झलक सीरियलों में दिख पड़तीं हैं। पैसा से सब कुछ आसानी से हासिल किया जा सकता है। सीरियल इसी आदर्श को अपनी अचार संहिता बनाकर महिलाओं को हिंसात्मक बना रहे हैं।

अब तो लगता है कि समाज का आधुनिकीकरण नहीं, बल्कि संदेह-करण हो रहा है। जहाँ पहले लड़का लड़की के रिश्तों में भरोसा था वह तिरोहित हो गया है। अब हर हँसी के पीछे षड्यंत्र, हर उपहार के पीछे साजिश और हर प्रेम-प्रस्ताव के पीछे कोई अदृश्य ड्रम और गहरी खाई दिखने लगी है। टीवी और खबरों ने मिलकर ऐसा माहौल बना दिया है कि लड़के डरने लगे हैं।

विवाह की रस्म भी ऐसी लगने लगी है कि सात फेरे लगाने के पहले सात बार जाँच पड़ताल ज्यादा जरुरी हो गयी है। यही है हमारे समय का द्रुतगामी विकास। ऐसे दौर में रिश्ते कमजोर हो या ना हो शक तो गहराता हुआ जीवन को व्यथित कर रहा है।

ravindragin-nore58@gmail.com

इतिहास

31 अगस्त का दिन देश और दुनिया के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जन्मों और ऐतिहासिक पलों के लिए जाना जाता है।

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ1881: अमेरिका में पहली बार आधिकारिक राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप खेली गई।

1957: मलेशिया (फेडरेशन ऑफ मलाया) को ब्रिटिश शासन से आज़ादी मिली।

1991: उज्बेकिस्तान ने सोवियत संघ से स्वतंत्र होने की घोषणा की। 1997: ब्रिटेन की राजकुमारी और समाजसेविका प्रिंसेस डायना का पेरिस में एक कार दुर्घटना में निधन हो गया।

1998: उत्तर कोरिया ने कथित तौर पर अपने पहले उपग्रह 'क्वांगम्योंगसोंग-1' के लॉन्च की घोषणा की।

प्रसिद्ध व्यक्तियों के जन्म1569: मुगल साम्राज्य के चौथे शासक सम्राट जहांगीर का जन्म हुआ।

सपा सरकार बनते ही खोले जाएंगे मौजूदा सरकार में बंद हुए 26 हजार स्कूल : अखिलेश यादव

विश्व केसरी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में बंद किए गए 26 हजार स्कूलों को सपा की सरकार बनने पर फिर से खोला जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में मुख्य रूप से पीडीए समाज के बच्चे पढ़ते हैं, इसलिए सपा सरकार बनने पर पीडीए समाज को उसकी आबादी के अनुपात में अधिकार और हिस्सेदारी दी जाएगी।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करना और सरकारी स्कूलों को बचाना उनकी प्राथमिकता होगी। अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में बड़ी संख्या में स्कूल बंद कर दिए गए हैं, जिससे गरीब, पिछड़े, दलित और वंचित वर्ग के बच्चों की शिक्षा प्रभावित हुई है।

उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक लाख नौकरियां देने के दावे पर भी सवाल उठाया। अखिलेश ने कहा कि सरकार के पास अब कितना समय बचा है, यह सभी जानते हैं। उन्होंने कहा कि सपा की सरकार बनने पर लोक निर्माण विभाग का ऑडिट कराया जाएगा और यह पता लगाया जाएगा कि विकास कार्यों के नाम पर कितना पैसा खर्च हुआ और कितना भ्रष्टाचार किया गया। उन्होंने प्रदेश की खराब सड़कों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि जगह-जगह सड़कें गड्ढों में तब्दील हैं। सिंचाई विभाग में भी अनियमितताओं और घोटाले के आरोप लगाते हुए उन्होंने इसकी जांच की बात कही।

भाजपा पर हमला बोलते हुए अखिलेश ने कहा कि मंदिर के बाहर भीख मांगने वाला व्यक्ति भी मंदिर में चोरी नहीं करता, लेकिन भाजपा सरकार पर मंदिर में आने वाले दान के धन में भी भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को जनता अब स्वीकार करने वाली नहीं है। जनता बदलाव का इंतजार कर रही है। कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर सपा अध्यक्ष ने सरकार को घेरते हुए कहा कि दूसरे राज्यों के अपराधी उत्तर प्रदेश में आकर वारदात कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दूसरे प्रदेशों के माफिया यहां आकर खुलेआम गोलियां चला रहे हैं और कई मामलों में 18-18 राउंड फायरिंग तक हो रही है।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अपराधियों और सत्ता के बीच कहीं न कहीं मिलीभगत दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री लगातार दावा करते रहे कि माफिया और बदमाश उत्तर प्रदेश छोड़कर चले गए हैं, लेकिन स्थिति इसके उलट दिखाई दे रही है। अब दूसरे राज्यों के गैंग और अपराधी उत्तर प्रदेश में आकर वारदात कर रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि अपराधियों के हौसले इसलिए बढ़े हुए हैं क्योंकि उन्हें सत्ता का संरक्षण मिलने का भरोसा है।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर है। ईमानदार अधिकारी दबाव में काम कर रहे हैं और कई अधिकारी सेवा से अलग होने की इच्छा जता चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों पर भाजपा नेताओं की ओर से लगातार दबाव बनाया जाता है। ईमानदार अधिकारियों से जमीन कब्जाने और चंदा जुटाने जैसे काम कराने का दबाव बनाया जा रहा है।

अखिलेश यादव ने सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हरदोई में अर्कवंशी समाज का कार्यक्रम सपा ने आयोजित किया था, लेकिन उनके कुछ पुराने साथी अब उनके साथ नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सपा सभी समाजों को सम्मान और भागीदारी देने के लिए प्रतिबद्ध है। सत्ता में आने पर संबंधित समाज के लोगों को उचित प्रतिनिधित्व दिया जाएगा।

ओडिशा सरकार का बड़ा फैसला, पत्नी को गुजारा भत्ता न देने वाले सरकारी कर्मचारियों की सैलरी से कटेगा पैसा

विश्व केसरी

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने उन सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने का फैसला किया है जो कोर्ट के आदेश के बाद भी अपनी पत्नी या बच्चों को गुजारा भत्ता नहीं देते। अब ऐसे कर्मचारियों की सैलरी से सीधे पैसे काटकर उनकी पत्नी और बच्चों के खाते में भेजे जाएंगे।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से रविवार को जारी बयान के अनुसार, सीएम मोहन चरण माझी ने इस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाया है। राज्य स्तरीय शिकायत सुनवाई के दौरान हर बार दो से तीन ऐसी शिकायतें आ रही थीं, जिनमें महिलाएं और बच्चे सरकारी कर्मचारियों द्वारा गुजारा भत्ता या एलिमनी न देने से परेशान थे।

सरकार के अनुसार, कई पुरुष कर्मचारियों ने अदालतों के स्पष्ट आदेश के बावजूद अपनी पत्नी या बच्चों को भरण-पोषण की राशि नहीं दी। तलाक से जुड़े मामलों में एलिमनी न देने की भी इसी तरह की शिकायतें मिली हैं।

इस मामले को गंभीरता से देखते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि कोर्ट द्वारा तय की गई राशि को संबंधित कर्मचारी की सैलरी से सीधे काटकर पत्नी या बच्चों के बैंक खाते में ट्रांसफर किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'राज्य का सरकारी कर्मचारी होते हुए कोर्ट के आदेश की अवहेलना करना और अपनी पत्नी और बच्चों के साथ ऐसा अन्याय करना राज्य सरकार के लिए पूरी तरह अस्वीकार्य है।'

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद जारी नई गाइडलाइन के तहत विभागीय ड्राइंग एंड डिस्बर्सिंग ऑफिसर (डीडीओ) को कटौती की जिम्मेदारी दी गई है। जैसे ही भरण-पोषण के भुगतान का कोर्ट का आदेश मिलेगा, डीडीओ संबंधित कर्मचारी का मासिक वेतन बिल बनाते समय कोर्ट द्वारा तय राशि काट लेगा और उसे इलेक्ट्रॉनिक रूप से उसकी पत्नी और बच्चों के बैंक खातों में जमा कर देगा।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कोर्ट द्वारा निर्देशित भरण-पोषण से जुड़े मामलों को ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट सिस्टम (एचआरएमएस) से जोड़ने का भी निर्देश दिया है। इसका मकसद प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित और ऑटोमेटेड बनाना और न्यायिक आदेशों का समय पर पालन सुनिश्चित करना है।

रन फॉर उत्तराखंड : हरियाणा की ज्योति ने मारी बाजी, केन्या के जॉन बोले- पहाड़ पर दौड़ना बहुत कठिन

विश्व केसरी

नैनीताल। उत्तराखंड के नैनीताल में 'रन फॉर उत्तराखंड' थीम के तहत 15वीं नैनीताल मॉनसून माउंट मैराथन का आयोजन किया गया। इस मैराथन में देश-विदेश के सैकड़ों धावकों ने हिस्सा लिया।

हरियाणा से आई ज्योति ने 21 किलोमीटर वर्ग में पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'यह बहुत अच्छा आयोजन था और मैंने यहां पर फर्स्ट पोजीशन प्राप्त की है। थोड़ा टफ लगता है, लेकिन सब कुछ अच्छा था। मैनेजमेंट भी अच्छा है और वॉलंटियर्स वगैरह भी सब कुछ अच्छा था।' ज्योति ने बताया कि वह सीनियर नेशनल मेडलिस्ट हैं और रेलवे विभाग में रायबरेली में ऑन ड्यूटी हैं।

युवा खिलाड़ियों को संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को खुद पर भरोसा रखना चाहिए और लगातार अभ्यास करते रहना चाहिए।

कोटद्वार के रहने वाले धावक प्रभु ने बताया कि उनके लिए नैनीताल की 21 किलोमीटर दौड़ कोई नई बात नहीं थी। वह इस दूरी की दौड़ कई बार पूरी कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि नैनीताल का रास्ता चढ़ाई और उतार-चढ़ाव से भरा था, लेकिन रूट पर रिफ्रेशमेंट की व्यवस्था समेत बाकी इंतजाम अच्छे थे।

प्रभु तीन बार नेशनल मेडलिस्ट रह चुके हैं और खेलो इंडिया मीट में रिकॉर्ड भी बना चुके हैं। उन्होंने अल्मोड़ा, रुड़की और ऊधम सिंह नगर समेत कई जगहों पर मैराथन में हिस्सा लिया है।

संजय राउत का भाजपा पर निशाना, कहा- मंच शुद्धिकरण मामले में होना चाहिए केस

विश्व केसरी

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने भाजपा और आरएसएस को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा के लोग उस मंच का शुद्धिकरण करते हैं जहां से मल्लिकार्जुन खरगे भाषण दिया था, तो ऐसे लोगों के खिलाफ अत्याचार का मामला दर्ज होना चाहिए।

संजय राउत ने कहा, भाजपा कभी ऐसा केस दर्ज नहीं करेगी। आज भी इस देश में दलितों पर अत्याचार हो रहे हैं। जातिगत भेदभाव अभी भी मौजूद है। मल्लिकार्जुन खरगे कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष हैं और एक वरिष्ठ नेता हैं। अगर भाजपा के लोग उस मंच का शुद्धिकरण करते हैं जहां से उन्होंने भाषण दिया था, तो ऐसे लोगों के खिलाफ अत्याचार का मामला दर्ज होना चाहिए।

दरअसल लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की रैली के बाद मंच का हवन-पूजन कर शुद्धिकरण करने को गंभीर अपराध और छुआछूत बताया है। राहुल गांधी ने दोषियों के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के तहत तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

दूसरी ओर संजय राउत ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के न्यूयॉर्क में दिए गए बयान पर भी प्रतिक्रिया दी। संजय राउत ने कहा, 'मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क में जो बयान दिया कि जो मुसलमानों से नफरत करता है या चाहता है कि मुसलमानों को भारत से निकाल दिया जाए, वह हिंदू नहीं हैं, और ऐसे व्यक्ति को हिंदू नहीं कहा जा सकता, यह एक महत्वपूर्ण बयान है।

चंद्रपुर में पति ने दोस्त के साथ मिलकर पत्नी से किया दुष्कर्म

विश्व केसरी

चंद्रपुर। महाराष्ट्र के चंद्रपुर में एक पति ने शादी के सिर्फ 20 दिन बाद अपनी ही पत्नी के साथ दरिंदगी की। आरोप है कि चरित्र पर शक होने के चलते पति ने अपने दोस्त के साथ मिलकर पत्नी के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

यह मामला चंद्रपुर के दुर्गापुर थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक 26 साल के आरोपी हसन उर्फ अल्ताफ सलीम शेख ने 6 अगस्त को अंतर-धर्मीय रजिस्टर मैरिज की थी। शादी के बाद दोनों परिवार सामाजिक रीति-रिवाज से शादी की तैयारी कर रहे थे, लेकिन इस दौरान युवती अपनी मां के साथ ही रह रही थी।

पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका पति उसके चरित्र पर शक करता था। फोन व्यस्त आने और अनजान नंबरों से कॉल आने को लेकर दोनों के बीच अक्सर झगड़ा होता था। 25 अगस्त को भी फोन व्यस्त मिलने पर आरोपी हसन उसकी मां के घर पहुंच गया। वहां पत्नी को फोन पर बात करते देख उसने उसका मोबाइल छीन लिया और बात करने वाले शख्स से पूछताछ की और गुस्से में वहां से चला गया।

पुणे में मां की हत्या करने के आरोप में युवक गिरफ्तार

विश्व केसरी

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे के विश्रांतवाड़ी इलाके में शराब खरीदने के लिए पैसे मांगने को लेकर हुए झगड़े के बाद एक 32 वर्षीय व्यक्ति ने अपनी मां की चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस अधिकारियों ने रविवार को बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

विश्रांतवाड़ी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजेंद्र पन्हाले ने घटना की पुष्टि की। मृतक महिला की पहचान 50 वर्षीय सविता सुरेश हरिभक्त के रूप में हुई है, जबकि आरोपी बेटे का नाम सागर सुरेश हरिभक्त है। पुलिस के अनुसार, यह घटना शनिवार रात 9:30 बजे से 10 बजे के बीच विश्रांतवाड़ी में घटी। पुलिस ने बताया कि सागर ने शराब खरीदने के लिए पैसे मांगे, जिसके बाद सागर और उसकी मां के बीच कहासुनी हो गई।

खबरों के मुताबिक, झगड़ा इतना बढ़ गया कि सागर ने अपनी मां पर चाकू से हमला कर उनकी गर्दन पर वार कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। विश्रांतवाड़ी पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103 (1) के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

नागपुर में तेज रफ्तार कार से जापानी गार्डन रोड पर बुजुर्ग की मौत, कार सवार दो लोग हिरासत में

विश्व केसरी

नागपुर। नागपुर के जापानी गार्डन रोड पर रविवार सुबह तेज रफ्तार इनोवा कार अनियंत्रित होकर गार्डन की दीवार से जा टकराई। हादसे से पहले कार ने सड़क पर मॉर्निंग वॉक कर रहे एक बुजुर्ग को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के मुताबिक, सुबह के समय जापानी गार्डन रोड पर लोग मॉर्निंग वॉक कर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार में आ रही एक कार ने बुजुर्ग को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद कार अनियंत्रित होकर गार्डन की दीवार से जा भिड़ी। बताया जा रहा है कि घटनास्थल से तेज रफ्तार में दो अन्य कारें भी निकल गईं। पुलिस को आशंका है कि तीनों कारों के बीच रेसिंग हो रही थी। इसी दौरान एक कार चालक ने नियंत्रण खो दिया और वह दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हालांकि, रेसिंग की बात की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

हादसे वाली कार में एक व्यक्ति फंस गया था। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर उसे कार से बाहर निकाला। घायल व्यक्ति को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मंत्री पद से बी. नागेंद्र के इस्तीफे को किया स्वीकार

विश्व केसरी

बेंगलुरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने भ्रष्टाचार के मामले में फंसे कर्नाटक कांग्रेस नेता बी. नागेंद्र के मंत्री पद से इस्तीफे को स्वीकार कर लिया है। इस संबंध में 29 अगस्त को जारी आधिकारिक नोटिफिकेशन रविवार को मीडिया के सामने लाया गया।

आधिकारिक नोटिफिकेशन के अनुसार, कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को पत्र के माध्यम से योजना और सांख्यिकी मंत्री बी. नागेंद्र की ओर से मंत्रिपरिषद से दिए गए इस्तीफे को स्वीकार करने की सिफारिश के साथ आगे बढ़ाया।

इसके बाद राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मंत्री बी. नागेंद्र का इस्तीफा मंजूर कर लिया। राज्यपाल ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 164 (1) के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मंत्री बी. नागेंद्र का मंत्रिपरिषद से इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार किया। बता दें कि कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में 89 करोड़ रुपए की कथित अनियमितताओं के मामले में बी. नागेंद्र को मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा।

यह मामला तब सामने आया, जब मई 2024 में निगम के एक अधिकारी ने आत्महत्या कर ली और एक नोट छोड़ा, जिसमें फंड के अनधिकृत ट्रांसफर का आरोप लगाया गया था।

अधिकारियों से बोले सीएम योगी, शीघ्रता और पारदर्शिता से हो जनता की शिकायतों का निस्तारण

विश्व केसरी

गोरखपुर। गोरखपुर दौरे पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लगातार दूसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में जनसेवा के नियमित अनुष्ठान 'जनता दर्शन' का क्रम जारी रखा। रविवार को भी उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का आत्मीय भरोसा दिया।

उन्होंने लोगों से कहा कि परेशान मत हों, हर शिकायत का प्रभावी निस्तारण कराया जाएगा। इस दौरान सीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं का समाधान शीघ्रता और पारदर्शिता से किया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रविवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में आए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, हर व्यक्ति को न्याय दिलाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों से उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा। उन्हें खूब पढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए चॉकलेट दिया।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान रविवार को जनता दर्शन लगाकर जनसेवा करने के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी पारंपरिक दिनचर्या के अनुसार मंदिर की गोशाला में जाकर गोसेवा भी की।

बंगाल में किडनी तस्करी रैकेट में शामिल बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

विश्व केसरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस ने रविवार को बताया कि स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने कोलकाता में सीमा पार किडनी की तस्करी के रैकेट में शामिल एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है।

अधिकारियों ने बताया कि रसेल अहमद नामक बांग्लादेशी नागरिक को शनिवार देर रात बागुइहाटी इलाके से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस अधिकारी ने बताया, 'शनिवार और रविवार की दरमियानी रात को कोलकाता के उत्तरी बाहरी इलाके में स्थित बागुइहाटी क्षेत्र से उसे गिरफ्तार करने के बाद, एसटीएफ के जवानों ने उसे उत्तर 24 परगना जिले के बिधाननगर शहर पुलिस के अंतर्गत बिधाननगर (दक्षिण) पुलिस स्टेशन के पुलिसकर्मियों को सौंप दिया है।

बांग्लादेशी नागरिक को उत्तर 24 परगना की जिला अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस फिलहाल उससे इस रैकेट में शामिल उसके स्थानीय सहयोगियों के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए पूछताछ कर रही है। रिकॉर्ड से पता चलता है कि अहमद को 2024 में किडनी तस्करी रैकेट में शामिल होने के कारण गिरफ्तार किया गया था। उस समय उसे दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

जांच में पता चला कि अहमद अवैध रूप से भारत में दाखिल हुआ था और उसने आधार कार्ड और पैन कार्ड सहित भारतीय पहचान पत्र हासिल कर लिए थे।

शीर्ष 10 में से 7 कंपनियों का मार्केटकैप 1.13 लाख करोड़ रुपए घटा, एयरटेल टॉप लूजर

विश्व केसरी

मुंबई। देश की शीर्ष 10 में से सात कंपनियों का मार्केटकैप बीते हफ्ते 1.13 लाख करोड़ रुपए कम हो गया है। इसकी वजह भारतीय शेयर बाजार के मुख्य सूचकांकों में गिरावट होना था। शीर्ष कंपनियों में भारतीय एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, एलआईसी और एचयूएल लूजर्स में शामिल थे।

वहीं, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई हरे निशान में बंद हुए।

भारती एयरटेल का मार्केटकैप 40,500.85 करोड़ रुपए कम होकर 11,74,462.30 करोड़ रुपए हो गया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 40,056.32 करोड़ रुपए घटकर 17,38,119.27 करोड़ रुपए पहुंच गया है।

एचडीएफसी बैंक का मार्केटकैप 11,558.35 करोड़ रुपए घटकर 11,09,600.70 करोड़ रुपए, बजाज फाइनेंस का मार्केटकैप 10,086.05 करोड़ रुपए कम होकर 6,70,535.57 करोड़ रुपए, एलएंडटी का बाजार मूल्यांकन 6,473.45 करोड़ रुपए कम होकर 5,55,987.49 करोड़ रुपए, एलआईसी का मार्केटकैप 3,162.50 करोड़ रुपए कम होकर 5,32,817.81 करोड़ रुपए और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एलयूएल) का मार्केटकैप 1,550.73 करोड़ रुपए कम होकर 4,72,361.83 करोड़ रुपए हो गया है। दूसरी तरफ टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केटकैप 16,643.20 करोड़ रुपए बढ़कर 8,48,079.71 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केटकैप 4,475.28 करोड़ रुपए बढ़कर 10,22,805.73 करोड़ रुपए और एसबीआई का मार्केटकैप 599.99 करोड़ रुपए बढ़कर 9,65,568.75 करोड़ रुपए हो गया है।

साप्ताहिक गिरावट के बावजूद, रिलायंस इंडस्ट्रीज बाजार पूंजीकरण के हिसाब से भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है।

भारती एयरटेल दूसरे स्थान पर रही, इसके बाद एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया, टीसीएस, बजाज फ़ाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा। पिछले हफ्ते बेंचमार्क सेंसेक्स 276.32 अंक या 0.35 प्रतिशत गिरकर 77,264 जबकि निफ्टी में 76.35 अंक या 0.31 प्रतिशत की गिरावट 24,175 पर बंद हुआ।

वहीं, निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 102.25 अंक या 0.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 20,080 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 333.75 अंक या 0.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ 64,069 पर बंद हुआ।

2047 अब 20 वर्ष दूर, सुधारों के लिए और अधिक समर्थन जरूरी: वित्त मंत्री सीतारमण

विश्व केसरी

शिकागो। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि 2047 'विकसित भारत' का लक्ष्य वर्ष है और अब यह मुश्किल से 20 वर्ष दूर है। ऐसे में जिस गति और स्तर पर सुधार हो रहे हैं, उनके लिए कहीं अधिक समर्थन की जरूरत है।

अमेरिका में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि हमें प्रतिभाशाली और व्यापक अनुभव रखने वाले लोगों से अधिक समर्थन की जरूरत है। साथ ही, ऐसे लोगों का भी अधिक सहयोग चाहिए, जो देश को आगे बढ़ाने के लिए नए विचार दे सकें।

उन्होंने शिकागो स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास के कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कहा, 'हमें सबसे बढ़कर पूंजी के रूप में समर्थन की जरूरत है, जो किसी देश की सभी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बेहद आवश्यक है।'

वित्त मंत्री ने कहा कि हमने अपने लिए एक लक्ष्य तय किया है, जिसके तहत 2030 तक कर्ज को जीडीपी के 50 प्रतिशत के स्तर तक लाना है।

उन्होंने कहा, 'सरकार इसी दिशा में कार्य कर रही है। कई ऐसी विकसित अर्थव्यवस्थाएं हैं, जिनका कर्ज अभी भी उनकी जीडीपी के 200 प्रतिशत से अधिक है। हमने राजकोषीय घाटे को लेकर भी राजकोषीय अनुशासन का एक रास्ता तय किया है। हमने तय लक्ष्य के अनुरूप प्रगति की है। 2025-26 तक जिस अंतिम लक्ष्य को हासिल करना था, हमने उसे हासिल कर लिया है।'

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि दुनिया ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और अब देश के प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की राजकोषीय सूझबूझ देखी है।

उन्होंने कहा, 'हमारी क्रेडिट रेटिंग में सुधार हो रहा है। लेकिन यह नियमों को दरकिनार करके नहीं हो रहा है। ऐसा सामाजिक कल्याण के लिए जरूरी संसाधनों को रोककर भी नहीं किया जा रहा है। यह अर्थव्यवस्था के उचित प्रबंधन के जरिए हो रहा है।'

उनके अनुसार, भारत में उर्वरक की कमी महसूस नहीं हुई क्योंकि 'हमने बाजारों को यह जानकारी देते रहने का प्रबंधन किया कि हमें कितनी मात्रा में उर्वरक की आवश्यकता होगी।' वित्त मंत्री ने कहा, 'वैश्विक आपूर्ति में कमी आई। चुनौतियां और भी बड़ी थीं, चाहे वह कच्चा तेल हो, एलपीजी हो या उर्वरक।

भारत और चिली द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर तेजी से आगे बढ़ा रहे बातचीत : केंद्र

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत और चिली ने अपने द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में प्रयास तेज कर दिए हैं। दोनों देश व्यापार और निवेश के अवसरों को बढ़ाने के उद्देश्य से 'व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते' (सीईपीए) के लिए बातचीत को आगे बढ़ा रहे हैं। यह जानकारी केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ओर से रविवार को दी गई।

प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत आगे बढ़ाने के लिए वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने 26 अगस्त को सैंटियागो में चिली की अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंधों की उपाध्यक्ष पाउला एस्टेवेज वेनस्टीन से मुलाकात की।

बैठक के दौरान, भारत ने बातचीत के लिए खुले, लगातार और संतुलित नजरिए के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इसका मकसद दोनों देशों के लोगों और व्यवसायों के लिए सार्थक और व्यावसायिक रूप से फायदेमंद अवसर पैदा करना है। ग्लोबल साउथ के सदस्य के तौर पर भारत और चिली की साझा स्थिति और उनके समान रणनीतिक नजरिए को भी आर्थिक सहयोग के लिए एक मजबूत आधार के तौर पर रेखांकित किया गया।

दोनों पक्षों ने भारत-चिली संबंधों में आ रही तेजी को और बढ़ाने और यह पक्का करने पर जोर दिया कि सीईपीए से दोनों देशों के कारोबारियों को ठोस फायदे मिलें।

उम्मीद है कि यह समझौता व्यापार और निवेश के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के साथ-साथ बाजार तक बेहतर पहुंच के लिए एक ढांचा तैयार करेगा।

अग्रवाल ने हेल्थकेयर, फार्मास्यूटिकल्स, ऊर्जा, खनिज, कृषि, मशीनरी और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग बढ़ाने की काफी संभावनाओं पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि बातचीत के सफल समापन से बढ़ते द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक साझेदारी को और गति मिल सकती है।

भारत 2026 तक सीईपीए बातचीत पूरी करने का लक्ष्य रखा है और एक ऐसे संतुलित और आपसी फायदे वाले समझौते की कोशिश कर रहा है, जिससे दोनों पक्षों के व्यवसायों को समान और व्यावसायिक रूप से सार्थक नतीजे मिलें। इस प्रस्तावित समझौते से व्यापार और निवेश के नए अवसर पैदा होने की भी उम्मीद है, साथ ही टेक्नोलॉजी, टैलेंट और मजबूत सप्लाई चेन में सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि बातचीत के सफल समापन से बढ़ते द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक साझेदारी को और गति मिल सकती है।

केंद्र सजावटी मछली पालन के विस्तार के लिए 'मिशन रंगीन मछली 2031' करेगी शुरू

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार सजावटी मछली पालन के विस्तार के लिए रणनीतिक कार्ययोजना 'मिशन रंगीन मछली 2031' सोमवार को जारी करेगी। यह सजावटी मत्स्य पालन की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में वैज्ञानिक प्रबंधन, जैव-सुरक्षा, गुणवत्ता आश्वासन और नियामक अनुपालन के लिए एक समान रूपरेखा प्रदान करेगी। यह जानकारी सोमवार को मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय की ओर से रविवार को दी गई।

मंत्रालय ने बताया कि लक्षद्वीप में एक एक आउटरीच कार्यक्रम के तहत उपराष्ट्रपति सी.पी.राधाकृष्णन 31 अगस्त, 2026 को सजावटी मत्स्य पालन के विकास के लिए रणनीतिक कार्ययोजना 'मिशन रंगीन मछली 2031' जारी करेंगे।

मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि सरकार मत्स्य पालन क्षेत्र में एकीकृत और मूल्य श्रृंखला-आधारित विकास को बढ़ावा देने के लिए क्लस्टर-आधारित दृष्टिकोण अपना रही है। इसी रणनीति के अनुरूप, लक्षद्वीप को समुद्री शैवाल की खेती, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और बाजार संपर्क को बढ़ावा देने के लिए एक समर्पित समुद्री शैवाल क्लस्टर के रूप में अधिसूचित किया गया है। लक्षद्वीप के द्वीप समुद्री सजावटी मत्स्य संसाधनों से भी समृद्ध हैं, जो समुद्री इकोसिस्?टम के संरक्षण के साथ-साथ सतत पालन, निर्यात और आजीविका सृजन की महत्वपूर्ण संभावनाएं प्रदान करते हैं।

मंत्रालय ने बताया कि यह कार्ययोजन मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) ब्रूडस्टॉक प्रबंधन, प्रजनन, हैचरी संचालन, उत्पादन प्रणालियों, क्वारंटीन, स्वास्थ्य प्रबंधन, ट्रेसेबिलिटी, एक्वेरियम संचालन, हैंडलिंग, परिवहन और व्यापार से संबंधित प्रक्रियाओं को मानकीकृत करेंगी। इससे पूरे देश में कार्यप्रणालियों में एकरूपता सुनिश्चित होगी और सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों को अपनाने को बढ़ावा मिलेगा। भारत लगभग 11,099 किलोमीटर लंबी तटरेखा और करीब 24 लाख वर्ग किलोमीटर के अनन्य आर्थिक क्षेत्र (ईईजैड) से समृद्ध विशाल एवं विविध समुद्री संसाधन आधार वाला देश है। भारत के ईईजैड में समुद्री मत्स्य संसाधनों की संभावित क्षमता लगभग 58.6 लाख मीट्रिक टन आंकी गई है, जो करीब 50 लाख मछुआरों की आजीविका का आधार है और खाद्य सुरक्षा, पोषण, रोजगार, आय सृजन तथा निर्यात आय में महत्वपूर्ण योगदान देती है। भारत वर्तमान में विश्व के प्रमुख मत्स्य पालन और जलीय कृषि उत्पादक देशों में शामिल है और वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान लगभग 73,890 करोड़ रुपए मूल्य के समुद्री खाद्य पदार्थों का निर्यात किया गया।

8वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 3.61, 3.833 और 4 को लेकर तेज हुई चर्चा, जानिए कितना बढ़ सकता है वेतन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए 8वें वेतन आयोग को लेकर उत्सुकता लगातार बढ़ रही है। 3 सितंबर को आयोग के गठन के 10 महीने पूरे होने जा रहे हैं और देशभर में विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श का दौर जारी है। आयोग की अध्यक्षता न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रंजना प्रकाश देसाई कर रही हैं और इसे अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करने के लिए 18 महीने का समय दिया गया है। वेतन संशोधन, भत्तों, पेंशन और अन्य सेवा संबंधी मामलों के बीच सबसे अधिक चर्चा फिटमेंट फैक्टर को लेकर हो रही है, क्योंकि इसी के आधार पर कर्मचारियों के मूल वेतन और पेंशन में बढ़ोतरी तय होती है।

फिटमेंट फैक्टर वह गुणांक होता है जिसके आधार पर वर्तमान मूल वेतन को संशोधित कर नया वेतन तय किया जाता है। वर्तमान में केंद्रीय कर्मचारियों का न्यूनतम मूल वेतन 18,000 रुपए है, जिसे 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर तय किया गया था। 6वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 1.86 रखा गया था, जबकि 7वें वेतन आयोग में इसे बढ़ाकर 2.57 कर दिया गया था। इसी बदलाव के कारण न्यूनतम मूल वेतन 7,000 रुपए से बढ़कर 18,000 रुपए हो गया था। अब 8वें वेतन आयोग के लिए विभिन्न कर्मचारी और पेंशनभोगी संगठनों ने इससे कहीं अधिक फिटमेंट फैक्टर की मांग की है।

सर्वे ऑफ इंडिया की मिनिस्टीरियल स्टाफ एसोसिएशन (एमएसए) ने 3.61 फिटमेंट फैक्टर का प्रस्ताव रखा है। यदि इस प्रस्ताव को स्वीकार किया जाता है तो वर्तमान 18,000 रुपए के न्यूनतम मूल वेतन को बढ़ाकर लगभग 64,980 रुपए, यानी करीब 65,000 रुपए किया जा सकता है। दूसरी ओर, नेशनल काउंसिल-जेसीएम (एनसीजेसीएम) स्टाफ साइड और भारत पेंशनर्स समाज (बीपीएस) ने 3.833 फिटमेंट फैक्टर की मांग की है। इस स्थिति में न्यूनतम मूल वेतन करीब 69,000 रुपए तक पहुंच सकता है। सबसे अधिक मांग भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ (बीपीएमएस) ने की है, जिसने 4.00 फिटमेंट फैक्टर लागू करने का सुझाव दिया है। यदि सरकार इस प्रस्ताव को स्वीकार करती है, तो न्यूनतम मूल वेतन बढ़कर 72,000 रुपए तक पहुंच सकता है।

इसका मतलब है कि 3.61 और 4.00 फिटमेंट फैक्टर वाले प्रस्तावों के बीच ही लगभग 7,020 रुपए प्रति माह का अंतर बनता है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि 65,000 रुपए, 69,000 रुपए और 72,000 रुपए के ये आंकड़े केवल विभिन्न संगठनों द्वारा दिए गए प्रस्तावों पर आधारित अनुमान हैं। इन्हें 8वें वेतन आयोग के तहत तय होने वाली अंतिम न्यूनतम सैलरी नहीं माना जाना चाहिए। वास्तविक वेतन वृद्धि केवल फिटमेंट फैक्टर पर निर्भर नहीं करेगी, बल्कि नए वेतन मैट्रिक्स, महंगाई भत्ते, अन्य भत्तों और आयोग की अंतिम सिफारिशों पर भी निर्भर करेगी। पेंशनभोगियों के लिए भी फिटमेंट फैक्टर बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि पेंशन और कई सेवानिवृत्ति लाभ मूल वेतन से जुड़े होते हैं। यदि उच्च फिटमेंट फैक्टर को मंजूरी मिलती है तो इसका सीधा फायदा लाखों पेंशनभोगियों को भी मिल सकता है।

टिम कुक के साथ समाप्त होगा एप्पल में एक युग, कंपनी का मार्केटकैप 350 अरब डॉलर से बढ़कर 4 ट्रिलियन डॉलर के पार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। एप्पल के मौजूदा सीईओ टिम कुक का कार्यकाल 31 अगस्त को समाप्त हो रहा है और उनकी जगह अब जॉन टर्नस कार्यभार संभालेंगे। हालांकि, कुक कंपनी के बोर्ड एग्जीक्यूटिव चेयरमैन के रूप में कार्य करते रहेंगे।

कुक का सीईओ के रूप में कार्यकाल काफी हद तक सफल रहा है। उन्होंने यह जिम्मेदारी अगस्त 2011 में स्टीव जॉब की खराब सेहत के बाद दी गई थी।

कुक के 15 वर्षों के कार्यकाल में कंपनी का मार्केटकैप 350 बिलियन डॉलर से बढ़कर 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गया है।

इस दौरान एप्पल के शेयर की कीमत 13 डॉलर से बढ़कर 320 डॉलर के करीब पहुंच गई है, जो कि करीब 25 गुना की बढ़ोतरी को दिखाता है। कुक की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक एप्पल को एक ऐसे बिजनेस में बदलना है जो सिर्फ हार्डवेयर तक सीमित नहीं है। ऐप स्टोर, एप्पल म्यूजिक और एप्पल पे जैसी सर्विसेज ने कंपनी को तेज ग्रोथ हासिल करने में मदद की है।

सर्विसेज सेगमेंट से अब सालाना 100 अरब डॉलर से ज्यादा की कमाई होती है और इसमें एप्पल के हार्डवेयर बिजनेस के मुकाबले ज्यादा मार्जिन मिलता है।

कुक ने एप्पल की चिप स्ट्रैटेजी में भी एक बड़ा बदलाव किया। कंपनी ने इंटेल पर अपनी निर्भरता खत्म की और एप्पल सिलीकॉन प्लेटफॉर्म के तहत मैक कंप्यूटर के लिए अपने प्रोसेसर डिजाइन करना शुरू किया। इस बदलाव से एप्पल को परफॉर्मेंस, प्रोडक्ट डेवलपमेंट और अपने बड़े हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर इकोसिस्टम पर ज्यादा कंट्रोल मिला। उनके कार्यकाल में नए तरह के प्रोडक्ट्स भी आए। एप्पल ने 2015 में एप्पल वॉच लॉन्च की, जिसमें हेल्थ, फिटनेस और रोजमर्रा की कनेक्टिविटी पर फोकस किया गया था। एक साल बाद, कंपनी ने एयरपॉड्स लॉन्च किए, जिससे वायरलेस ईयरबड्स एक आम कंज्यूमर कैटेगरी बन गए और एप्पल के लिए कमाई का एक और बड़ा जरिया तैयार हुआ।

हालांकि, कुक का सफर हमेशा आसान नहीं रहा। 2012 में लॉन्च हुए एप्पल मैप्स को शुरुआती दिनों में गलत और अधूरी जानकारी के कारण काफी आलोचना का सामना करना पड़ा था। हाल ही में, 2023 में लॉन्च किए गए विजन प्रो मिक्स्ड-रियलिटी हेडसेट को बड़े पैमाने पर अपनाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा है, क्योंकि इसकी ज्यादा कीमत ग्राहकों के लिए एक बड़ी रुकावट बन गई है। आखिरकार एप्पल ने अपने महत्वाकांक्षी इलेक्ट्रिक और ऑटोनॉमस व्हीकल प्रोग्राम, जिसे 'प्रोजेक्ट टाइटन' के नाम से जाना जाता था, को भी बंद कर दिया।

तमिलनाडु सरकार राशन की दुकानों से रियायती दरों पर प्याज बेचने की योजना बना रही

विश्व केसरी

चेन्नई। खुदरा कीमतों में वृद्धि के कारण राज्य भर में आम लोगों के बजट पर दबाव पड़ने के बाद, तमिलनाडु का सहकारी क्षेत्र राशन की दुकानों के माध्यम से रियायती कीमतों पर प्याज बेचने की तैयारी कर रहा है।

रसोई में इस्तेमाल होने वाली एक आम सामग्री, प्याज, पिछले कुछ हफ्तों में महंगी हो गई है। बड़ी प्याज, जो पिछले महीने के अंत में लगभग 30 रुपये प्रति किलो मिल रही थी, अब कई खुदरा बाजारों में लगभग 60 रुपये प्रति किलो बिक रही है। छोटी प्याज, या शैलोट, की कीमतों में भी भारी वृद्धि हुई है, जो पिछले महीने लगभग 40-50 रुपये प्रति किलो थी, अब बढ़कर लगभग 70 रुपये प्रति किलो हो गई है।

इस वृद्धि से उन उपभोक्ताओं पर और भी बुरा असर पड़ा है जो पहले से ही कई आवश्यक सब्जियों की ऊंची कीमतों से परेशान हैं। बाजार दरों के स्थिर बने रहने के कारण, सहकारी क्षेत्र ने थोक में प्याज की खरीद करके और प्रचलित खुदरा स्तरों से काफी कम कीमतों पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से उनकी आपूर्ति करके हस्तक्षेप करने का निर्णय लिया है।

इस पहल के तहत, राज्य ने नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया से संपर्क किया है और 70,000 किलोग्राम प्याज के आवंटन की मांग की है।

केंद्रीय एजेंसी से प्याज मिलने के बाद, प्याज को तमिलनाडु भर के राशन दुकानों में वितरित किया जाएगा। इनके 30 से 40 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच बिकने की उम्मीद है, जिससे उपभोक्ताओं को खुले बाजार की कीमतों की तुलना में 30 रुपये प्रति किलोग्राम तक की राहत मिलेगी।

अधिकारियों ने बताया कि पहली खेप से आगे की मात्रा मंगाने से पहले मांग का आकलन करने में मदद मिलेगी। प्रस्तावित हस्तक्षेप का उद्देश्य परिवारों को तत्काल राहत प्रदान करना और अचानक हुई मूल्य वृद्धि के प्रभाव को कम करना है।

पहले भी सरकार द्वारा सहकारी संस्थाओं और राशन की दुकानों का उपयोग आवश्यक वस्तुओं को नियंत्रित कीमतों पर बेचने के लिए किया जाता रहा है, जब भी आपूर्ति की कमी या मौसमी उतार-चढ़ाव के कारण खुदरा कीमतों में तेजी से वृद्धि होती थी।

महंगा विदेश ट्रिप समझकर न छोड़ें उज्बेकिस्तान, भारत से सिर्फ इतनी दूर है ये खूबसूरत देश

उज्बेकिस्तान उन लोगों के लिए शानदार डेस्टिनेशन है, जो इतिहास, संस्कृति और खूबसूरत वास्तुकला को करीब से देखना चाहते हैं. ताशकंद, समरकंद, बुखारा और खीवा जैसे शहर सिल्क रोड की पुरानी कहानी सुनाते हैं. जानें भारत से उज्बेकिस्तान जाने वाले पर्यटकों के लिए जरूरी ट्रैवल टिप्स, घूमने की जगहें और खास बातें.

विदेश घूमने का मन है, लेकिन ऐसी जगह जाना चाहते हैं जहां पहुंचने में पूरा दिन न लग जाए? तो उज्बेकिस्तान आपके लिए एक शानदार विकल्प हो सकता है. मध्य एशिया का यह देश अपनी खूबसूरत इस्लामिक वास्तुकला, ऐतिहासिक शहरों, सिल्क रोड की विरासत और रंग-बिरंगे बाजारों के लिए मशहूर है. खास बात यह है कि भारत से उज्बेकिस्तान की दूरी बहुत ज्यादा नहीं है. दिल्ली से ताशकंद की हवाई दूरी करीब 1,600 किलोमीटर है, और नॉन-स्टॉप फ्लाइट से सफर लगभग 3 घंटे में पूरा हो सकता है.

दिल्ली से ताशकंद की दूरी कितनी है?

नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद तक की सीधी हवाई दूरी करीब 1,580 किलोमीटर के आसपास है. फ्लाइट रूट के हिसाब से इसमें थोड़ा अंतर हो सकता है. सबसे खास बात यह है कि दोनों शहरों के बीच नॉन-स्टॉप उड़ानों का विकल्प मिलता है, इसलिए छोटी छुट्टी में भी इस देश को एक्सप्लोर किया जा सकता है. यात्रा से पहले फ्लाइट का शेड्यूल जरूर चेक करें, क्योंकि एयरलाइन और तारीख के हिसाब से उड़ानों की उपलब्धता बदल सकती है.

ताशकंद से शुरू करें सफर

उज्बेकिस्तान पहुंचने के बाद ताशकंद से ट्रिप शुरू करना आसान रहता है. यह देश की राजधानी होने के साथ आधुनिक इमारतों, बाजारों, म्यूजियम और शानदार मेट्रो स्टेशनों के लिए जानी जाती है. यहां आपको एक तरफ आधुनिक शहर दिखेगा, तो दूसरी तरफ मध्य एशिया की पुरानी संस्कृति की झलक भी मिलेगी. अगर आपके पास समय है, तो सिर्फ ताशकंद तक सीमित न रहें. देश के दूसरे ऐतिहासिक शहर इस यात्रा को और खास बना सकते हैं.

उज्बेकिस्तान की बात हो और समरकंद का जिक्र न हो, ऐसा संभव नहीं. यह सिल्क रोड का प्रमुख ऐतिहासिक शहर रहा है और यहां की वास्तुकला दुनियाभर के पर्यटकों को आकर्षित करती है.

रेगिस्तान स्क्वायर, गुर-ए-अमीर, बीबी-खानम मस्जिद और शाह-ए-जिंदा यहां के प्रमुख आकर्षण हैं. समरकंद का ऐतिहासिक क्षेत्र यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल है.

बुखारा में मिलेगा पुराने जमाने का एहसास

अगर आपको पुरानी गलियों, बाजारों और ऐतिहासिक इमारतों में घूमना पसंद है, तो बुखारा जरूर जाएं. शहर का ऐतिहासिक केंद्र प्राचीन मदरसों, मस्जिदों, किलों और पुराने व्यापारिक केंद्रों के लिए जाना जाता है. यहां घूमते हुए आपको सिल्क रोड के पुराने दौर की झलक मिल सकती है.

खीवा का इचन-कला न छोड़ें

उज्बेकिस्तान की यात्रा में खीवा भी खास जगह रखता है. यहां का इचन-कला प्राचीन दीवारों से घिरा ऐतिहासिक इलाका है, जहां मीनारें, मदरसे, मस्जिदें और पारंपरिक इमारतें देखने को मिलती हैं. पुरानी वास्तुकला और फोटो खींचने के शौकीन लोगों के लिए यह जगह खास है।

ऑफिस बैग के लिए बेस्ट क्या है? टोट से लेकर लैपटॉप और स्लिंग बैग, ये हैं बेस्ट चॉइस

ऑफिस के लिए सही बैग चुनना सिर्फ स्टाइल की बात नहीं है, बल्कि इसमें आपकी रोजमर्रा की जरूरतें भी जुड़ी होती हैं. लैपटॉप से लेकर जरूरी डॉक्यूमेंट्स और पर्सनल सामान तक, जानिए टोट, लैपटॉप, बैकपैक और स्लिंग बैग में से आपके लिए कौन सा विकल्प सबसे बेहतर रहेगा.

ऑफिस जाने के लिए बैग चुनते समय सिर्फ उसका लुक देखना काफी नहीं होता. रोज ऑफिस में लैपटॉप, चार्जर, डायरी, जरूरी डॉक्यूमेंट्स, पानी की बोतल और पर्सनल सामान लेकर जाना पड़ता है. ऐसे में बैग ऐसा होना चाहिए जो देखने में स्टाइलिश होने के साथ सामान रखने के लिए पर्याप्त जगह दे और लंबे समय तक इस्तेमाल करने में आरामदायक भी हो. टोट, लैपटॉप बैग, बैकपैक और स्लिंग बैग में से सही विकल्प आपकी जरूरत और रोज के सफर पर निर्भर करता है.

टोट बैग

टोट बैग ऑफिस के लिए स्टाइलिश और क्लासी विकल्प माना जाता है. इसका डिजाइन सिंपल होने के बावजूद काफी एलिगेंट लगता है और इसमें रोजमर्रा का जरूरी सामान आसानी से रखा जा सकता है. अगर आप लैपटॉप के साथ डायरी, मेकअप पाउच, वॉलेट और दूसरी चीजें लेकर जाती हैं, तो बड़ा टोट बैग काम आ सकता है. हालांकि बैग खरीदते समय अंदर अलग कम्पार्टमेंट और मजबूत स्ट्रैप जरूर देखें.

लैपटॉप बैग

अगर ऑफिस का काम लैपटॉप के बिना नहीं चलता, तो डेडिकेटेड लैपटॉप बैग सबसे प्रैक्टिकल विकल्प है. इसमें लैपटॉप के लिए अलग पैडेड कम्पार्टमेंट होता है, जिससे डिवाइस को सुरक्षित रखने में मदद मिलती है. साथ ही चार्जर, माउस, डॉक्यूमेंट्स और दूसरी एक्सेसरीज के लिए भी अलग पॉकेट मिल जाते हैं. इसे खरीदते समय अपने लैपटॉप के स्क्रीन साइज के हिसाब से बैग चुनना जरूरी है.

बैकपैक

जिन लोगों का रोज का ऑफिस कम्यूट लंबा है, उनके लिए बैकपैक काफी सुविधाजनक हो सकता है. इसमें दोनों कंधों पर वजन बंट जाता है, जिससे लंबे समय तक बैग कैरी करना आसान रहता है. लैपटॉप, लंच बॉक्स, पानी की बोतल और अन्य सामान रखने के लिए कई कम्पार्टमेंट वाला बैकपैक ज्यादा उपयोगी रहता है. अगर आप रोज मेट्रो, बस या बाइक से ऑफिस जाते हैं, तो यह एक अच्छा विकल्प हो सकता है.

अगर ऑफिस जाते समय आपको ज्यादा सामान लेकर नहीं चलना पड़ता, तो स्लिंग बैग चुन सकते हैं. इसमें फोन, वॉलेट, चार्जर, छोटी डायरी और कुछ जरूरी चीजें आसानी से रखी जा सकती हैं. इसका कॉम्पैक्ट डिजाइन इसे कैजुअल ऑफिस लुक के लिए भी अच्छा बनाता है।

मेहमान आएं या परिवार हो साथ, झटपट तैयार करें दही बैंगन-पनीर की लजीज सब्जी, आसान है रेसिपी

बारिश के मौसम में अगर कुछ चटपटा, खट्टा और स्वादिष्ट खाने का मन हो तो दही बैंगन और पनीर की भरमा सब्जी एक बेहतरीन विकल्प है. बैंगन, दही और पनीर के अनोखे मेल से तैयार यह सब्जी कम समय में बनकर तैयार हो जाती है और रोटी, पराठे या चावल के साथ बेहद स्वादिष्ट लगती है.

बारिश के मौसम में अगर कुछ चटपटा, खट्टा और स्वादिष्ट खाने का मन हो तो घर पर दही बैंगन और पनीर की भरमा सब्जी बनाई जा सकती है. यह सब्जी स्वाद में बेहद खास होती है और इसे बनाने में ज्यादा समय भी नहीं लगता. बैंगन, दही और पनीर का मेल इस सब्जी का स्वाद और भी बढ़ा देता है. इसे रोटी, पराठे या चावल के साथ आसानी से परोसा जा सकता है. गृहणी प्रभात शर्मा ने बताया कि दही बैंगन और पनीर की भरमा सब्जी बनाने के लिए सबसे पहले बैंगन को अच्छी तरह साफ पानी से धो लें. इसके बाद बैंगन को चार हिस्सों में काट लें. अब प्याज, लहसुन, टमाटर और हरी मिर्च को बारीक काटकर अलग रख लें. अब गैस पर कढ़ाई रखें और उसमें सरसों का तेल डालकर गर्म करें.

तेल गर्म होने पर इसमें जीरा डालें. इसके बाद कटे हुए प्याज, लहसुन और हरी मिर्च डालकर अच्छी तरह भूनें. जब प्याज हल्का सुनहरा हो जाए तो इसमें कटे हुए टमाटर और पनीर डाल दें, दोनों को करीब 5 मिनट तक अच्छी तरह पकाएं. अब एक कटोरी में दही लेकर उसे अच्छी तरह फेंट लें. इसमें लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, हल्दी, गरम मसाला और स्वादानुसार नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें।

गर्दन और पीठ पर जमा मैल से हैं परेशान? बेसन-दही से घर पर बनाएं नेचुरल क्लींजर, जानिए लगाने का सही तरीका

चेहरे की तरह गर्दन और पीठ की नियमित सफाई पर ध्यान देना भी जरूरी है. बेसन, दही और शहद से घर पर आसान नेचुरल स्किन क्लींजर तैयार किया जा सकता है. यह मिश्रण त्वचा की सतह पर जमा गंदगी और अतिरिक्त तेल को साफ करने में मदद कर सकता है. इसे गर्दन और पीठ पर 10 से 15 मिनट लगाकर सामान्य या गुनगुने पानी से साफ किया जा सकता है. त्वचा को जोर से रगड़ने के बजाय हल्के हाथों से साफ करना बेहतर है. अगर गर्दन का कालापन लगातार बढ़ रहा है या त्वचा मोटी और मखमली महसूस हो रही है, तो त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर रहेगा.

गर्दन और पीठ की सफाई को अक्सर स्किन केयर रूटीन में जगह ही नहीं मिलती. चेहरा साफ रखने के लिए लोग फेस वॉश, स्क्रब और मॉइस्चराइजर तक का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन गर्दन और पीठ पर जमा पसीना, धूल और तेल धीरे-धीरे त्वचा को बेजान दिखा सकते हैं. खासकर गर्मी और उमस के मौसम में यह परेशानी ज्यादा नजर आती है. कई बार नहाने के बाद भी गर्दन के आसपास हल्का मैल या कालापन दिखता है और समझ नहीं आता कि इसे कैसे साफ किया जाए. ऐसे में बहुत महंगे प्रोडक्ट खरीदने के बजाय घर में मौजूद कुछ चीजों से एक आसान क्लींजर तैयार किया जा सकता है.

बेसन और दही से बना यह पेस्ट त्वचा की सतह पर मौजूद गंदगी और अतिरिक्त तेल को हटाने में मदद कर सकता है. इसमें शहद मिलाने से त्वचा को नमी मिलती है. हालांकि, इसे किसी जादुई नुस्खे की तरह नहीं, बल्कि सामान्य त्वचा देखभाल के एक आसान विकल्प के रूप में देखना बेहतर है.

घर पर ऐसे बनाएं बेसन-दही का नेचुरल क्लींजर

इस घरेलू क्लींजर को तैयार करने के लिए बहुत ज्यादा सामान की जरूरत नहीं है. एक कटोरी में 1 से 2 चम्मच बेसन लें. इसमें करीब 1 चम्मच सादा दही मिलाएं. अब थोड़ा सा शहद डालकर सभी चीजों को अच्छी तरह मिला लें, अगर पेस्ट ज्यादा गाढ़ा लगे तो इसमें कुछ बूंदें गुलाब जल या सादा पानी डाल सकते हैं, अगर त्वचा को इन चीजों से पहले से कोई परेशानी नहीं होती है, तो चाहें तो इसमें एक चुटकी हल्दी भी मिला सकते हैं. ध्यान रखें कि हल्दी ज्यादा मात्रा में डालने से त्वचा पर पीला रंग रह सकता है, इसलिए इसकी मात्रा कम ही रखें.

बेसन त्वचा से अतिरिक्त तेल हटाने में मदद करता है

बेसन लंबे समय से घरेलू उबटन में इस्तेमाल किया जाता रहा है. इसे पानी या दही के साथ मिलाकर त्वचा पर लगाने से सतह पर मौजूद अतिरिक्त तेल और गंदगी हटाने में मदद मिल सकती है. यही वजह है कि गर्दन और पीठ की सामान्य सफाई के लिए बेसन वाला पेस्ट एक आसान विकल्प बन सकता है.

दही और शहद से त्वचा रह सकती है मुलायम

दही में मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा की सतह को एक्सफोलिएट करने में मदद कर सकता है, जबकि शहद त्वचा में नमी बनाए रखने में सहायक हो सकता है. दोनों को बेसन के साथ मिलाने से ऐसा पेस्ट तैयार होता है जो सफाई के साथ त्वचा को बहुत ज्यादा रूखा महसूस होने से बचा सकता है।

बच्चे सब्जियां देखकर बनाते हैं मुंह? गाजर-चुकंदर से बनाएं क्रिस्पी कटलेट, टिफिन में भी मजे से खाएंगे बच्चे, जानिए रेसिपी

बच्चों को गाजर और चुकंदर खिलाने के लिए इन्हें स्वादिष्ट कटलेट का रूप दिया जा सकता है. गाजर, चुकंदर और उबले आलू के साथ कुछ आसान मसाले मिलाकर इसका मिश्रण तैयार होता है. ब्रेड क्रम्ब्स मिलाने से कटलेट को बांधने और हल्का क्रिस्पी बनाने में मदद मिलती है. इन्हें ज्यादा तेल में तलने के बजाय पैन में थोड़े तेल के साथ दोनों तरफ से सेंका जा सकता है. कटलेट को बच्चों के स्कूल टिफिन या शाम के नाश्ते में दिया जा सकता है. टोमैटो केचप या पसंद की चटनी के साथ इनका स्वाद और भी अच्छा लगेगा.

बच्चों की प्लेट में सब्जियां आते ही अगर उनका चेहरा उतर जाता है, तो आप अकेले नहीं हैं. कई घरों में रोज यही कहानी दोहराई जाती है. गाजर, चुकंदर या दूसरी सब्जियां देखकर बच्चे तुरंत कोई बहाना ढूंढने लगते हैं. कभी कहते हैं भूख नहीं है, तो कभी प्लेट में सब्जियां अलग करके किनारे कर देते हैं. ऐसे में माता-पिता के लिए परेशानी सिर्फ खाना खिलाने की नहीं होती, बल्कि यह भी रहती है कि बच्चे को स्वाद के साथ पौष्टिक चीजें कैसे दी जाएं. इसका एक आसान तरीका है सब्जियों को बच्चों के पसंदीदा स्नैक का रूप देना. गाजर और चुकंदर से बने कटलेट इसी आइडिया पर काम करते हैं.

इनका रंग आकर्षक दिखता है और बाहर से हल्का क्रिस्पी होने के कारण बच्चे इन्हें सामान्य सब्जी की तुलना में ज्यादा आसानी से खा सकते हैं. टिफिन में भी इन्हें रखना आसान है और शाम के नाश्ते के लिए भी ये अच्छा विकल्प बन सकते हैं।

समांथा प्रभु का 5 महीने में 11 किलो वेट गेन, क्या गर्भावस्था में इतना वजन बढ़ना सही? जानें क्यों बढ़ता है वेट

समांथा रुथ प्रभु की प्रेग्रेंसी को लगभग 5 महीने पूरे हो चुके हैं. इसे बीच उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ शेयर किया कि उनका वजन 11 किलो बढ़ गया है. वैसे तो प्रेग्रेंसी में वेट गेन बहुत ही नॉर्मल होता है, लेकिन वेट बढ़ना चाहिए और इसका कारण क्या होता है? अगर आप भी जानना चाहते हैं, तो ये अेख आपके लिए है.

साउथ इंडियन समांथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी प्रेग्नेंसी जर्नी को लेकर चर्चा में हैं. सोशल मीडिया पर फैंस के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि उनका वजन करीब 11 किलोग्राम बढ़ चुका है. हालांकि, समांथा का कहना है कि इस समय उनका ध्यान वजन कम या ज्यादा होने पर नहीं, बल्कि खुद को स्वस्थ रखने पर है.

हालांकि प्रेग्नेंसी के समय वजन बढ़ना बहुत ही कॉमन है. लेकिन बहुत ज्यादा वजन मां और बच्चे दोनों की सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है. ऐसे में प्रेग्रेंसी के समय कितना वजन होना चाहिए पता होना जरूरी है. यहां आप सही वेट और इसके कारण के बारे में जान सकते हैं.

प्रेग्नेंसी में कितना वजन बढ़ना सामान्य है?

NHS की रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकांश गर्भवती महिलाओं का वजन पूरे गर्भकाल में लगभग 10 से 12.5 किलोग्राम तक बढ़ सकता है. आमतौर पर वजन का बड़ा हिस्सा गर्भावस्था के 20वें सप्ताह के बाद बढ़ता है. यह अतिरिक्त वजन केवल बच्चे की वजह से नहीं होता, बल्कि शरीर में कई अन्य बदलाव भी इसके लिए जिम्मेदार होते हैं.

गर्भावस्था में वजन बढ़ने के पीछे क्या कारण हैं?

जब बच्चा जन्म लेता है, तो उसका वजन लगभग 3 से 3.6 किलोग्राम हो सकता है. इसके अलावा बढ़े हुए वजन में कई अन्य चीजें भी शामिल होती हैं, जैसे स्तनों का आकार बढ़ना, गर्भाशय का बड़ा होना, प्लेसेंटा का विकास, एमनियोटिक फ्लूइड, शरीर में रक्त और तरल पदार्थ की मात्रा बढ़ना तथा भविष्य में स्तनपान के लिए फैट स्टोर होना.

पहले तीन महीनों में कितना वजन बढ़ता है?

मेयो क्लीनिक के अनुसार, गर्भावस्था के शुरुआती 13 सप्ताह यानी पहले ट्राइमेस्टर में आमतौर पर बहुत अधिक वजन बढ़ाने की जरूरत नहीं होती. इस दौरान लगभग 0.5 से 1.8 किलोग्राम वजन बढ़ना सामान्य माना जाता है. यदि मॉर्निंग सिकनेस या उल्टी की समस्या हो, तो वजन बढ़ना और भी कम हो सकता है.

दूसरे और तीसरे ट्राइमेस्टर में वजन बढ़ना क्यों जरूरी है?

गर्भावस्था के 14वें सप्ताह से लेकर डिलीवरी तक बच्चे का विकास तेजी से होता है. इस दौरान स्वस्थ वजन वाली महिलाओं को औसतन हर सप्ताह लगभग 0.5 किलोग्राम वजन बढ़ाने की सलाह दी जाती है. इसके लिए रोजाना करीब 300 अतिरिक्त कैलोरी पर्याप्त हो सकती है. यह कैलोरी फल, दूध, साबुत अनाज, प्रोटीन और हेल्दी फैट से प्राप्त की जा सकती है.

क्या 11 किलो वजन बढ़ना सामान्य है?

विशेषज्ञों के अनुसार, यदि प्रेग्नेंसी के दौरान कुल वजन बढ़ना 10 से 12.5 किलोग्राम के बीच है, तो इसे सामान्य माना जाता है. हालांकि हर महिला की शारीरिक स्थिति अलग होती है, इसलिए गर्भावस्था के दौरान वजन को लेकर किसी भी चिंता की स्थिति में डॉक्टर की सलाह लेना सबसे बेहतर विकल्प है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी का माइक्रोफोन बंद हुआ तो श्रुति देशपांडे ने संभाली कमान

मुंबई। अभिनेत्री श्रुति देशपांडे ने नाटक 'नकाब' में नवाजुद्दीन सिद्दीकी और उनकी बेटी शोरा सिद्दीकी के साथ काम करने के दौरान मिली सीख और अनुभव को आईएएनएस संग साझा किया। उन्होंने बताया कि नवाजुद्दीन के साथ काम करते हुए उन्होंने 'प्रेजेंस ऑफ माईंड' यानी मौके के हिसाब से तूरंत फैसला लेने और खुद को संतुलित रखने की कला सीखी।

"मौके पर फैसला फोन ही थिएटर की असली ताकत है

आईएएनएस से खास बातचीत में श्रुति ने कहा...

नवाजुद्दीन के साथ काम करते हुए मुझे सबसे बड़ी सीख 'प्रेजेंस ऑफ माईंड' की मिली। थिएटर में चीजें प्लान के मुताबिक चलें, यह जरूरी नहीं है। स्टेज पर किसी भी वक्त कोई समस्या आ सकती है और कलाकार को बिना घबराए उसका समाधान निकालना पड़ता है।

शिकागो के शो का किस्सा

उस दिन थिएटर में करीब एक हजार लोग मौजूद थे। परफोर्मेंस के दौरान अचानक नवाजुद्दीन का माइकोफोन खराब हो गया। दर्शकों को उनकी आवाज सुनाई नहीं दे रही थी, इसलिए वे शोर करने लगे। लाइव स्टेज पर ऐसी स्थिति कलाकार के लिए काफी मुश्किल होती है। उस वक्त नवाजुद्दीन को अपनी आवाज का प्रोजेक्शन बढ़ाकर ज्यादा तेज बोलना पड़ा। लेलिन किसी भी अभिनेता की आवाज को एक सीमा तक ही उंचा किया जा सकता है। ऐसे में बाकी कलाकारों ने भी उनकी मदद करने के लिए अपनी आवाज का वॉल्यूम एडजस्ट किया।

मैंने संभाली जिम्मेदारी

चूंकि यह नवाजुद्दीन का पहला थिएटर एकस्पीरिथंस था और मैं कई सालों से थिएटर कर रही थी, इसलिए मुझे पता था कि उस समय मुझे जिम्मेदत्ती लेनी होगी। मैंने कुछ हद तक इंम्प्रोवाइंज किया और हमने तकनीकी समस्या और उस छोटे ब्रेक को संभाल लिया. इसके बाद हमने दोबारा परफोंमेंस शुरू कर दी।

थिएटर और फिल्मों में बड़ा अंतर

थिएटर और फिल्मों के काम करने के तरीक में यही सबसे बड़ा फर्क है। इस्रीन पर अगर कोई सीन सही नहीं होता तो उसे दोबारा शुट किया जा सकता है, लेकिन स्टेज पर ऐसा कोई विकन्प नहीं होता। वहां कलाकार को दर्शकों के सामने ही हर स्थिति का सामना करना पड़ता है और उसी समय उसका समाधान निकालना पड़ता है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी, शोरा सिद्दीकी और श्रुति देशपांडे

शोरा से खास बॉन्डिंग

धीरें-धीर शोरा मेर लिए छोटी बहन जैसी बन गई। मैंने शोरा के बदलाव को करीब से देखा। वह दुबई में पली-बढ़ी हैं और शुरूआत में हिंदी को ठीक से समझने और वोलने पर काम कर रही थीं. बाद में उन्होंने स्टेज पर पूरा मोनोलॉग भी किया।

शोरा में दिखी नवाज की झलक

जिस तदर नवाजुद्दीन अपने हर किरदार में कुछ नया और अलग लेकर आते हैं, वेसी ही क्षमता मुझे शोरा में भी दिखाई देती है। वह एक यूनिक एक्टर हैं।

'खतरों के खिलाड़ी 15' से जल्दी बाहर होने का दर्द अब भी दिल में है- अविका गौर

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री अविका गौर ने 'खतरों के खिलाड़ी 15' से अपने एलिमिनेशन के बाद पहली बार अपने अनुभव और भावनाओं के बारे में खुलकर बात की है। शो से इतनी जल्दी बाहर होना उनके लिए आसान नहीं रहा। अविका ने कहा कि एलिमिनेशन के बाद जब वह घर बैठकर शो देखती हैं, तो उनके मन में बार-बार यही ख्याल आता है कि अगर वह उस वक्त वहां होतीं, तो शायद और बेहतर कर सकती थीं। हालांकि, बाद में उन्हें यह भी एहसास होता है कि टीवी पर बैठकर किसी स्टंट को देखना और खुद उस डर, दबाव और एड्रेनालिन के बीच उसे करना बिल्कुल अलग बात है।

अविका गौर ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा नोट शेयर किया और बताया कि 'खतरों के खिलाड़ी' ने उनकी जिंदगी और खुद को देखने के नजरिए पर काफी असर डाला है।

उन्होंने लिखा, ''मैंने 'खतरों के खिलाड़ी' देखने के बाद अपने बारे में एक बात महसूस की है। मैं खुद को यह सोचते हुए पाती हूं कि अगर मैं वहां होती, तो मैंने हार नहीं मानी होती। मैं और ज्यादा कोशिश करती। मैं बेहतर करती।''

अविका ने आगे मजाकिया अंदाज में कहा, ''शो को आराम से सोफे पर बैठकर देखने के दौरान मुझे ऐसा लगने लगता है, जैसे मैं 'खतरों के खिलाड़ी' की एक्सपर्ट बन गई हूं। लेकिन फिर याद आता है कि मैं अपनी जिंदगी के आरामदायक माहौल में बैठकर शो देख रही हूं। मुझे न तो उस समय का दबाव महसूस हो रहा है और न ही उस स्टंट को करने का डर। बाहर बैठकर किसी स्थिति का हीरो बनना बहुत आसान है। जब कोई चीज हमारे लिए बहुत मायने रखती है, तो हम उसे बार-बार अपने दिमाग में दोहराते हैं, अलग-अलग फैसलों की कल्पना करते हैं और कहानी का एक ऐसा वर्जन बना लेते हैं, जो कभी हुआ ही नहीं।'

अविका ने कहा, ''शायद इसी वजह से इतनी जल्दी एलिमिनेट होना मेरे लिए पूरी तरह छोड़ पाना मुश्किल रहा है। मेरे अंदर कहीं न कहीं अभी भी वह लड़की है, जो सोचती है कि मेरे पास देने के लिए बहुत कुछ था। शायद सच में था भी। लेकिन मुझे यह भी समझना होगा कि इस सोच में लगातार जीते रहना सही नहीं है। यह मानना अलग बात है कि आपके पास और बेहतर करने की क्षमता थी और हर वक्त उस दुनिया में रहना अलग।''

उन्होंने कहा, ''जब मैंने पहली बार शो किया था, तब मैं सिर्फ 21 साल की थीं। उस समय शो ने मुझे खुद को और अपने भविष्य को एक अलग नजरिए से देखने में मदद की थी।

'अगर मजाक में हो रहा है तो दिक्कत नहीं,' समय रैना के शो में इमिग्रेंट्स पर जोक से हुए विवाद पर बोले मनोज बाजपेयी

मुंबई। एक्टर मनोज बाजपेयी ने कॉमेडियन समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में प्रवासियों पर किए गए मजाक से जुड़े विवाद पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अगर मजाक में हो रहा है तो दिक्कत नहीं। हमें खुद पर और एक-दूसरे पर हंसना सीखना चाहिए, सम्मान के साथ। उन्होंने दिल्ली में बस ड्राइवर के 'ए बिहारी' कहने का अपना किस्सा भी सुनाया।

दरअसल एक्टर मनोज बाजपेयी ने हाल ही में अपनी आने वाली फिल्म 'लास्ट मैन इन टॉवर' के प्रमोशन के दौरान आईएएनएस से बात की। जब उन्हें कॉमेडियन के शो में हुई उस घटना के बारे में बताया गया, तो उन्होंने कहा कि अगर यह सब मजाक में हो रहा है, तो मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है। इस शो में शेरोन वर्मा और समय रैना ने मजाक-मजाक में एक-दूसरे की पृष्ठभूमि का मजाक उड़ाया था। मनोज ने कहा, 'हमें खुद पर और साथ में भी हंसना सीखना चाहिए। किसी को भावनाओं को आहत किए बिना एक-दूसरे पर हंसना चाहिए और फिर बुरा नहीं मानना चाहिए। हमें यही सीखना चाहिए। हमारे अंदर खुद को लेकर ह्यूमर होना चाहिए, लेकिन साथ ही सम्मान भी होना चाहिए - न सिर्फ अपने लिए, बल्कि उस व्यक्ति के लिए भी जिसके साथ आप बैठे हैं और वह व्यक्ति कहां से आया है, इसके लिए भी। यह बहुत जरूरी है। अगर दो लोग एक-दूसरे के साथ सहज होते हैं, तो वे हमेशा एक-दूसरे पर हंसते हैं। इसके बाद एक्टर ने राष्ट्रीय राजधानी में अपने शुरुआती दिनों की एक घटना का जिक्र किया, जब एक बस ड्राइवर ने उनसे सख्ती से बात की थी। उन्होंने आगे कहा, 'जब मैं दिल्ली में था, तब मैं 18 साल का था, और मैं बस में सामने वाले दरवाजे से चढ़ने की कोशिश कर रहा था।

हिमांशी खुराना से मारपीट के आरोपों पर भड़के आसिम रियाज, भव्या सिंह को भेजा लीगल नोटिस

विश्व केसरी

मुंबई। 'बिग बॉस 13' से अपनी पहचान बनाने वाले अभिनेता और मॉडल आसिम रियाज एक बार फिर चर्चा में हैं। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और 'एमटीवी स्प्लिट्सविला 12' की कंटेस्टेंट रह चुकीं भव्या सिंह ने एक पॉडकास्ट में आसिम रियाज और उनकी एक्स-गर्लफ्रेंड व अभिनेत्री हिमांशी खुराना के रिश्ते को लेकर कुछ दावे किए थे। जिसके बाद अब आसिम ने कानूनी कार्रवाई का रास्ता चुना है। अभिनेता की ओर से भव्या सिंह के साथ-साथ संबंधित मीडिया आउटलेट्स को 'सीज एंड डिसिस्ट' लीगल नोटिस भेजा गया है।

दरअसल, भव्या सिंह ने एक पॉडकास्ट के दौरान आसिम और हिमांशी खुराना के ब्रेकअप की वजह के बारे में बात की थी। इसी दौरान उन्होंने कथित तौर पर कुछ ऐसी बातें कहीं, जिनमें आसिम पर हिमांशी के साथ मारपीट और हिंसा करने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए। पॉडकास्ट में कही गई उनकी बातें बाद में सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर तेजी से शेयर होने लगीं। अब आसिम की कानूनी टीम ने इन दावों को पूरी तरह गलत और उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने वाला बताया है। आसिम के कानूनी प्रतिनिधि की ओर से जारी नोटिस में भव्या सिंह के पॉडकास्ट में कही गई बातों का भी जिक्र किया गया है। नोटिस के मुताबिक, भव्या ने कहा था, 'मुझे बहुत टाइम पहले ये बात सुनने में आई थी, मैंने पूछा था किसी से कि आसिम और हिमांशी का ब्रेकअप क्यों हुआ, तो किसी ने बोला कि 'भाई वो पागल आदमी है, मारता-पीटता था, बड़ा ही बेकार आदमी है।''

भव्या ने अभिनेता के आर्थिक रूप से एक अज्ञात महिला पर निर्भर होने और दुबई में कथित तौर पर उसी महिला के पैसों पर रहने की बात भी कही थी। आसिम की कानूनी टीम ने इन दावों को झूठा और अपुष्ट बताया है।

आसिम के कानूनी प्रतिनिधियों ने नोटिस में कहा, ''इन बयानों के जरिए अभिनेता पर हिमांशी खुराना के खिलाफ शारीरिक हिंसा करने का गलत आरोप लगाया गया। साथ ही उनकी निजी और आर्थिक स्थिति को लेकर भी ऐसे दावे किए गए, जिनका कोई सत्यापन नहीं है। आसिम का कहना है कि इन बयानों से उनकी प्रतिष्ठा, सार्वजनिक छवि और प्रोफेशनल स्टैंडिंग को नुकसान पहुंच है। कानूनी नोटिस के जरिए भव्या सिंह से भविष्य में आसिम रियाज के खिलाफ किसी भी मानहानिकारक या कानूनी कार्रवाई योग्य बयान को देने या दोहराने से बचने को कहा गया है।

माता-पिता संग ब्रेकफास्ट करते दिखे सोहेल खान, बोले- बेहद सुकून और खुशी देने वाला पल

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेता सोहेल खान भले ही अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर ज्यादा चर्चा में नहीं रहते, लेकिन जब भी वह परिवार के साथ बिताए किसी खास पल की तस्वीर शेयर करते हैं, फैंस का ध्यान जरूर खींच लेते हैं। इस बार सोहेल ने अपने संडे मॉर्निंग की एक प्यारी झलक दिखाई है।

अभिनेता अपने माता-पिता सलीम खान और सलमा खान के साथ नाश्ता करते नजर आए। सोहेल ने इस फैमिली मोमेंट की तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए इसे 'ब्लेस्ड ब्रेकफास्ट' बताया।

सोहेल खान ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें उनके माता-पिता डाइनिंग टेबल पर बैठे नजर आ रहे हैं। टेबल पर कई तरह के डिश और अलग-अलग फल रखे हुए दिखाई दे रहे हैं। सलमा खान कैमरे की ओर देख रही हैं, जबकि सलीम खान नाश्ते का आनंद लेते हुए कैंडिड अंदाज में नजर आए। तस्वीर को सोहेल ने क्लिक किया है।

अभिनेता ने इस तस्वीर के साथ बेहद छोटा कैप्शन लिखा। उन्होंने लिखा, 'बेस्ट ब्लेस्ड ब्रेकफास्ट' यानी माता-पिता के साथ किया गया यह नाश्ता बेहद सुकून और खुशी देने वाला था।

सोहेल खान अक्सर अपनी निजी जिंदगी को लाइमलाइट से दूर रखना पसंद करते हैं। यही वजह है कि जब वह अपने परिवार के साथ कोई तस्वीर शेयर करते हैं, तो वह फैंस के लिए बेहद खास बन जाती है। इस तस्वीर में भी खान परिवार की करीबी और एक-दूसरे के साथ सहज रिश्ता साफ दिखाई देता है।

बता दें कि इससे पहले भी सोहेल ने अपनी मां के साथ एक बेहद प्यारी तस्वीर शेयर की थी। उस तस्वीर में वह अपनी मां की गोद में सिर रखकर लेटे हुए थे और कैमरे की ओर देखते हुए पोज दे रहे थे। उस तस्वीर के कैप्शन में सोहेल ने लिखा था, 'मेरी मां सबसे मजबूत है।'

सोहेल खान इन दिनों अपने काम को लेकर भी चर्चा में रहे हैं।

भोजपुरी सिनेमा को सिर्फ डबल मीनिंग गानों से जोड़ने पर मोनालिसा ने जताई नाराजगी, बोलीं- पूरी इंडस्ट्री को जज करना सही नहीं

विश्व केसरी

मुंबई। मोनालिसा भोजपुरी सिनेमा की उन अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जिन्होंने रीजनल इंडस्ट्री से निकलकर नेशनल टेलीविजन और मनोरंजन की दुनिया में अपनी पहचान बनाई है। लंबे समय से भोजपुरी सिनेमा को लेकर ग्लैमर, डबल मीनिंग गानों और अश्लील कंटेंट की चर्चा होती रही है। इस लेकर मोनालिसा का मानना है कि कुछ गानों या म्यूजिक वीडियो के आधार पर पूरी भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री को एक ही नजर से देखना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि भोजपुरी फिल्मों को लेकर राय बनाने वाले कई लोगों ने शायद असल में फिल्में देखी ही नहीं हैं।

मीडिया से खास बातचीत में मोनालिसा ने भोजपुरी एंटरटेनमेंट में अश्लीलता को लेकर होने वाली आलोचनाओं पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, ''मैं कई सालों से भोजपुरी इंडस्ट्री को लेकर इस तरह की बातें सुनती आ रही हूं। मुझे लगता है कि लोगों की सोच फिल्मों से ज्यादा उन म्यूजिक वीडियो की वजह से बनी है, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल होते हैं और लाखों-करोड़ों व्यूज हासिल करते हैंऔर उसी के आधार पर वे पूरी इंडस्ट्री को जज करने लगते हैं।

मोनालिसा ने कहा, ''हर भोजपुरी फिल्म को एक ही नजर से देखना ठीक नहीं है। एल्बम और म्यूजिक वीडियो में भले ही ग्लैमर या इस तरह का कंटेंट ज्यादा देखने को मिल सकता है, लेकिन फिल्मों की कहानी और उनका ट्रीटमेंट अलग होता है। भोजपुरी फिल्मों में अच्छे कलाकार हैं और हम लोग फिल्मों में पूरी ईमानदारी से अच्छा काम करते हैं।

मोनालिसा ने इस दौरान देश में तेजी से आगे बढ़ रहे रीजनल सिनेमा पर भी बात की। उन्होंने कहा, ''अब सिर्फ हिंदी सिनेमा ही दर्शकों का ध्यान नहीं खींच रहा, बल्कि अलग-अलग राज्यों की फिल्म इंडस्ट्री भी लगातार मजबूत हो रही हैं। क्षेत्रीय भाषाओं की फिल्मों को देश के दूसरे हिस्सों में भी दर्शक मिल रहे हैं और कलाकारों को पहले के मुकाबले ज्यादा बड़ा प्लेटफॉर्म मिल रहा है।''

मोनालिसा ने उदाहरण देते हुए कहा कि साउथ इंडियन और बंगाली सिनेमा कई मामलों में लंबे समय से आगे रहे हैं और अब दूसरी क्षेत्रीय इंडस्ट्री भी तेजी से अपनी पहचान मजबूत कर रही हैं। अभिनेत्री ने अपने करियर को लेकर कहा, ''मैंने रीजनल बैकग्राउंड से आने के बावजूद काफी पहले ही नेशनल एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कदम रखने की कोशिश शुरू कर दी थी। करीब एक दशक से मैं नेशनल टेलीविजन का हिस्सा हूं। मैंने 'बिग बॉस' और 'नच बलिए' जैसे रियलिटी शोज के अलावा कई टेलीविजन सीरियल्स में भी काम किया।

नेपाल में बाढ़ पीड़ितों के लिए आगे आया डब्ल्यूएचओ, जारी किए 1.5 लाख डॉलर

विश्व केसरी

काठमांडू। नेपाल में आई भीषण बाढ़ को देश की सबसे बड़ी त्रासदियों में से एक बताया जा रहा है। इस मुश्किल घड़ी में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मदद का हाथ बढ़ाया है। डब्ल्यूएचओ ने नेपाल में बाढ़ प्रभावित समुदायों की तत्काल स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय स्वास्थ्य आपातकालीन कोष से 1 लाख 50 हजार डॉलर की आपातकालीन राशि जारी की है।

डब्ल्यूएचओ के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय के प्रभारी डॉ. नीलेश बुद्धा ने कहा, 'आपातकालीन फंड तत्काल प्राथमिकताओं को पूरा करने में मदद करेगा। डब्ल्यूएचओ राहत और रिकवरी प्रयासों के जरिए नेपाल का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।' बता दें कि 26 अगस्त को अचानक आई बाढ़ कुछ घंटों के भीतर ही डब्ल्यूएचओ ने जरूरी मेडिकल सप्लाई भेज दी थी। इसमें एक इंटरएजेंसी इमरजेंसी हेल्थ

किट भी शामिल थी, जो करीब 10 हजार लोगों की 3 महीने तक की स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा कर सकती है। इसके साथ ही बहुउद्देश्यीय टेंट भी भेजे गए थे। जरूरत को देखते हुए डब्ल्यूएचओ ने प्रभावित इलाकों के लिए सर्जिकल मास्क, ग्लव्स, हैंड सैनिटाइजर और अन्य मेडिकल सामान भी जुटाए हैं। सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक, बाढ़ में अब तक 730 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, करीब 2500 लोग लापता हैं, 200 से ज्यादा लोग घायल हैं और 74 लोगों का इलाज चल रहा है।

बागमती और गंडकी प्रांत के छह जिलों में बाढ़ ने सबसे ज्यादा तबाही मचाई है। यहां करीब 10 हजार परिवारों को तुरंत राहत की जरूरत है। बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ है और कई लोग बेघर हो गए हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं समेत जरूरी बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान पहुंचा है। सबसे ज्यादा प्रभावित रसुवा जिले में चार स्वास्थ्य केंद्र पूरी तरह तबाह हो गए हैं और धादिंग में दो आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। सड़कें टूटने से धादिंग और त्रिशूली के दो अस्पतालों तक पहुंचना मुश्किल हो गया है।

डब्ल्यूएचओ, सरकार और अन्य सहयोगी संस्थाओं के साथ मिलकर स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने और जरूरी स्वास्थ्य सेवाओं को बनाए रखने पर काम कर रहा है।

उज्बेक राष्ट्रपति ने भारत के वैश्विक उदय का श्रेय पीएम मोदी को दिया

विश्व केसरी

ताशकंद। उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने रविवार को भारत के तेजी से हो रहे विकास और अंतरराष्ट्रीय मंच पर इसके बढ़ते प्रभाव का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को दिया। उन्होंने पीएम मोदी को एक 'बेहतरीन राजनेता' और 'बुद्धिमान राजनीतिज्ञ' बताया, जिनका हर जगह भरोसा और सम्मान किया जाता है।

पीएम मोदी को राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने अपने देश के सर्वोच्च राज्य सम्मान 'ओली दाराजली दोस्तलिक' से सम्मानित किया। उज्बेक भाषा के इस शब्द का अर्थ उच्च स्तरीय मित्रता होता है। यह पीएम मोदी को मिला 36वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है।

इस मौके पर राष्ट्रपति ने अपनी भारत यात्रा का भी जिक्र किया। उन्होंने उस दौरान मिले स्नेह और गर्मजोशी के लिए पीएम मोदी का धन्यवाद किया और कहा कि दोनों

पक्षों ने अपने ऐतिहासिक संबंधों, सहयोग के क्षेत्रों और भविष्य की योजनाओं पर सार्थक चर्चा की है।

उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री, मेरे प्यारे भाई, मैं आपके खुलेपन और भाईचारे के लिए आपका धन्यवाद करता हूं। कल से हमने अपने सभी क्षेत्रों, ऐतिहासिक संबंधों और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की है। ये बैठकें बहुत सार्थक रहीं... हम उज्बेकिस्तान के लिए आपकी ईमानदारी और स्नेहपूर्ण शब्दों के लिए भी आपका धन्यवाद करना चाहते हैं।' उज्बेक राष्ट्रपति ने पीएम मोदी की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा की सराहना की और कहा कि हाल के वर्षों में भारत की प्रगति का श्रेय उनके नेतृत्व को भी जाता है।

उन्होंने कहा, 'हम आपको न केवल एक बेहतरीन राजनेता और बुद्धिमान राजनीतिज्ञ के रूप में जानते हैं बल्कि एक ऐसी हस्ती के रूप में भी जानते हैं जिनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान है। हाल के वर्षों में भारत का तेजी से विकास और अंतरराष्ट्रीय मंच पर लगातार बढ़ता प्रभाव सीधे तौर पर आपके नाम और नेतृत्व से जुड़ा है।' राष्ट्रपति ने भारत सरकार के आधुनिकीकरण कार्यक्रमों और विभिन्न क्षेत्रों में देश की उपलब्धियों की भी सराहना की और कहा कि उज्बेकिस्तान, भारत की प्रगति को देखकर खुश होता है।

उन्होंने कहा, 'देश के आधुनिकीकरण के लिए आपकी प्रभावी रणनीति और कार्यक्रमों की बदौलत, आज का भारत सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रहा है।

संक्षिप्त खबर

आइसलैंड : ईयू से जुड़ने की बहस पर जनमत संग्रह, वोटों की गिनती में कांटे की टक्कर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। आइसलैंड में यूरोपीय संघ (ईयू) से जुड़ने की दिशा में अगला कदम उठाने को लेकर हुए जनमत संग्रह के वोटों की गिनती जारी है। शुरुआती रुझानों में दोनों पक्षों के बीच बेहद करीबी मुकाबला देखने को मिल रहा है। इस जनमत संग्रह में लोगों से सीधे ईयू की सदस्यता पर फैसला करने के लिए नहीं कहा गया है। सवाल यह है कि क्या आइसलैंड को यूरोपीय संघ की सदस्यता के लिए लंबे समय से रुकी बातचीत फिर से शुरू करनी चाहिए। यानी 'हां' की जीत होने पर भी आइसलैंड तुरंत ईयू का सदस्य नहीं बनेगा, बल्कि ब्रसेल्स के साथ सदस्यता वार्ता का नया दौर शुरू होगा। शुरुआती मतगणना में 'हां' और 'नहीं' के बीच अंतर बेहद कम रहा। स्थानीय रिपोर्ट्स के मुताबिक, करीब 1.52 लाख वोटों की गिनती के बाद 'नहीं' पक्ष को 50.1 प्रतिशत और ईयू सदस्यता वार्ता दोबारा शुरू करने के पक्ष में पड़े वोटों को 49.9 प्रतिशत समर्थन मिला। ऐसे में अंतिम नतीजे को लेकर उत्सुकता बनी हुई है। अपना वोट डालने के बाद प्रधानमंत्री क्रिस्त्रून फ्रॉस्टाडॉटिर ने मीडिया वेबसाइट 'एमबीएल डॉट आईएस' से बात की। उन्होंने कहा, 'यह एक अच्छा दिन है। अब हम उस मोड़ पर पहुंच गए हैं जहां यह फैसला देश के हाथ में है।

हम विदेशी नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध भारत की मदद के लिए आभार : मंत्री शिशिर खनाल

विश्व केसरी

नुवाकोट (नेपाल)। नेपाल में आई आपदा को लेकर बात करते हुए नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने इसे देश की सबसे बड़ी प्राकृतिक आपदाओं में से एक बताया है। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के निर्देश पर सभी एजेंसियां बचाव में जुटी हैं और अब तक 4,000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित निकाला गया है, जिनमें 200 से अधिक विदेशी नागरिक शामिल हैं। उन्होंने बताया कि भारत ने पहले दिन से ही राहत सामग्री और विशेषज्ञ टीम भेजकर मदद की है, जिसके लिए नेपाल सरकार और जनता भारत की आभारी है। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने कहा कि हाल के समय में नेपाल ने जिन प्राकृतिक आपदाओं का सामना किया है, यह उनमें सबसे बड़ी आपदाओं में से एक है। आपदा की खबर मिलते ही प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने राष्ट्रीय आपदा परिषद की आपात बैठक बुलाई और उसके बाद मंत्रिमंडल की बैठक भी हुई। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने सभी सरकारी एजेंसियों को साथ मिलकर काम करने और हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। फिलहाल हमारा सबसे बड़ा काम बचाव अभियान है, इसलिए हम यह सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं कि इस क्षेत्र में मौजूद लोगों की सुरक्षा हो सके। शिशिर खनाल ने बताया कि कल तक चार हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है, जिनमें 200 से ज्यादा विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आपदा के पहले ही दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमारे प्रधानमंत्री से बात की और भारत सरकार की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

बाढ़ पीड़ितों के लिए भारत से भेजी गई चौथी 11 टन सहायता सामग्री नेपाल पहुंची

विश्व केसरी

काठमांडू। नेपाल में बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए भारत की ओर से भेजी गई चौथी सामग्री संबंधित अधिकारियों को सौंप दी गई है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया, '11 टन राहत सामग्री लेकर पहुंची चौथी उड़ान नेपाल पहुंच गई है। विनाशकारी बाढ़ के बाद जारी सहायता अभियान के तहत यह सामग्री संबंधित अधिकारियों को सौंप दी गई है।'

इस राहत खेप में खोज और बचाव कार्यों के लिए उपकरणों से लैस टनल टेक्निकल टीम और डीएनए जांच के लिए फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम भी शामिल है। भेजी गई राहत सामग्री में कंबल, स्लीपिंग बैग, तिरपाल, प्लास्टिक शीट और स्वच्छता किट शामिल हैं।

इससे पहले विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी दी थी कि भारत की चौथी राहत उड़ान काठमांडू पहुंच गई है। उन्होंने लिखा, 'यह उड़ान नेपाल के

जारी राहत और बचाव कार्यों को सहयोग देने के लिए जरूरी सामग्री और तकनीकी सहायता लेकर पहुंची है।'

नेपाल के लिए भारतीय वायुसेना के सी-130 विमान के रवाना होने से पहले भी जयशंकर ने 'एक्स' पर बताया था कि विमान में खोज एवं बचाव उपकरणों के साथ सुरंग विशेषज्ञों की टीम, डीएनए विश्लेषण के लिए फोरेंसिक विशेषज्ञ और फोरेंसिक उपकरण भेजे जा रहे हैं। साथ ही विमान में कंबल, स्लीपिंग बैग, तिरपाल, प्लास्टिक शीट और स्वच्छता किट जैसी राहत सामग्री भी भेजी गई। जयशंकर ने बताया कि 230 फुट लंबे सिंगल-लेन मॉड्यूलर स्टील ब्रिज के लिए जरूरी उपकरण लेकर 16 ट्रक नेपाल पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि सात और बेली पुलों की स्थापना के लिए आवश्यक उपकरण भी जल्द भेजे जाएंगे, जबकि इन्हें लगाने वाली तकनीकी टीमें भी जल्द नेपाल पहुंचेंगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, अब तक भारत की ओर से 68.5 टन राहत सामग्री हवाई मार्ग से काठमांडू पहुंचाई जा चुकी है।

नेतन्याहू ने की वेस्ट बैंक के संवेदनशील गांव में हुए हमले की निंदा

विश्व केसरी

यरूशलम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने वेस्ट बैंक में इजरायली बस्तीवासियों (सेटलर्स) की ओर से की गई हिंसा की निंदा करते हुए फिलिस्तीनी गांवों कुसरा और जलूद में हुए हमलों को 'आपराधिक कृत्य' बताया है। उन्होंने अधिकारियों से जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार करने की अपील की।

नेतन्याहू ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा, 'मैं कुसरा और जलूद गांवों में हुई हिंसा की इन आपराधिक घटनाओं की कड़ी निंदा करता हूं।'

उन्होंने हमलावरों को 'कुछ दंगाई लोग' बताते हुए कहा कि वे कानून का उल्लंघन कर रहे हैं। नेतन्याहू ने कहा कि ऐसे हमले इजरायल की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचाते हैं और वेस्ट बैंक में सेना के अभियानों में भी बाधा डालते हैं।

यह बयान ऐसे समय आया है जब शनिवार को वेस्ट बैंक के कई इलाकों में इजरायली बस्तीवासियों के हमलों में कई फिलिस्तीनी लोगों के घायल होने की खबरें सामने आई हैं। रिपोर्टों के अनुसार,

नकाबपोश इजरायली बस्तीवासी कुसरा गांव में घुस गए और कई फिलिस्तीनियों पर हमला किया। यह हाल के दिनों में बस्तीवासियों की हिंसा की ताजा घटना मानी जा रही है।

वहीं, पास के जलूद गांव में भी बस्तीवासियों ने एक फिलिस्तीनी परिवार और विदेशी पत्रकारों पर हमला किया। सामाजिक कार्यकर्ता बशार अल-कार्योती के अनुसार, हमलावरों ने पत्रकारों के वाहन में तोड़फोड़ की और कुछ क्रू सदस्यों के साथ मारपीट भी की। फिलिस्तीनी और इजरायली स्रोतों के मुताबिक, 1967 से इजरायल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में करीब पांच लाख से अधिक इजरायली बस्तीवासी रहते हैं।

स्विट्जरलैंड में रेव पार्टी के दौरान चली गोलियां, 1 की मौत और 5 घायल

विश्व केसरी

बर्न। स्विट्जरलैंड का आरौ रविवार तड़के गोलियों की तड़तड़ाहट से दहल उठा। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एक रेव पार्टी को निशाना बनाया गया। इस वारदात में एक शख्स की मौत हो गई जबकि 5 घायल हो गए।

गोलीबारी की घटना आरौ के शाचेन इलाके में रात करीब 2:30 बजे (स्थानीय समय) हुई।

स्विट्जरलैंड के अखबार 'ब्लिक' की रिपोर्ट के अनुसार, गोलीबारी के बाद पुलिस ने हॉर्स रेसिंग ट्रैक के पास घटनास्थल की घेराबंदी कर दी है।

आर्गौ कैंटोनल पुलिस ने गोलीबारी की घटना में हताहतों की पुष्टि की है।

पुलिस ने कहा, 'शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आराऊ के शाचेन इलाके में हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और

पांच लोग घायल हो गए, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है।'

पुलिस ने हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है और शहर के केंद्र में पुलिस की मौजूदगी बढ़ा दी गई है।

आर्गौ कैंटोनल पुलिस ने एक्स पोस्ट में कहा, 'हॉर्स रेसिंग ट्रैक, स्विमिंग पूल और स्पोर्ट्स फील्ड के आसपास के इलाके की बड़े पैमाने पर घेराबंदी की गई है। पुलिस लोगों से इस इलाके से दूर रहने को कह रही है। एहतियात के तौर पर पुलिस आरौ के बाहर भी अपनी मौजूदगी बढ़ा रही है।'

पुलिस ने आगे कहा, 'बड़े पुलिस ऑपरेशन के कारण, आरौ स्विमिंग पूल अगली सूचना तक बंद रहेगा। लोगों से अनुरोध है कि वे शाचेन से दूर रहें।' 'ब्लिक' की रिपोर्ट के अनुसार, आर्गौ कैंटोनल पुलिस की मीडिया प्रवक्ता वैनेसा रम्पोल्ड ने कहा कि गोलीबारी हॉर्स रेसिंग ट्रैक पर हुई और अभी यह स्पष्ट नहीं है कि क्या हुआ था।

उत्तर कोरिया ने बदला रक्षा मंत्री, सैन्य आधुनिकीकरण के बीच किम सोंग-गी को मिली जिम्मेदारी

विश्व केसरी

सोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने सैन्य नेतृत्व में फेरबदल किया है। उन्होंने किम सोंग-गी को देश का नया रक्षा मंत्री नियुक्त किया है। बदलाव की टाइमिंग अहम है। इस वक्त प्योंगयांग अपने सैन्य आधुनिकीकरण अभियान को तेज करने और सेना में अनुशासन मजबूत करने पर जोर दे रहा है।

उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए की रिपोर्ट का हवाला देते हुए योनहाप ने रविवार को बताया कि किम सोंग-गी को कोरियाई पीपुल्स आर्मी के जनरल पॉलिटिकल ब्यूरो के निदेशक पद से रक्षा मंत्री बनाया गया है। उन्होंने नो क्वांग-चोल की जगह ली है।

नो क्वांग-चोल को रक्षा मंत्री के पद से हटाने के साथ ही वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया की केंद्रीय नेतृत्व संरचना से भी बाहर कर

दिया गया है। उन्हें पार्टी की केंद्रीय समिति के म्युनिशंस इंडस्ट्री डिपार्टमेंट का पहला उप-निदेशक नियुक्त किया गया है।

यह फेरबदल शनिवार को हुई वर्कर्स पार्टी की नौवीं केंद्रीय सैन्य आयोग की दूसरी बैठक में किया गया। बैठक का मार्गदर्शन किम जोंग-उन ने किया।

किम सोंग-गी की नियुक्ति को उत्तर कोरिया की सैन्य व्यवस्था में राजनीतिक नियंत्रण और अनुशासन को मजबूत करने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। जनरल पॉलिटिकल ब्यूरो सेना के भीतर राजनीतिक और वैचारिक नियंत्रण बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उत्तर कोरिया हाल के वर्षों में अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों के साथ-साथ पारंपरिक सैन्य क्षमताओं के आधुनिकीकरण पर भी लगातार जोर देता रहा है। ऐसे में रक्षा मंत्रालय की कमान एक ऐसे अधिकारी को सौंपना, जिसका अनुभव सेना के राजनीतिक ढांचे में रहा है, प्योंगयांग की सैन्य प्राथमिकताओं के बारे में महत्वपूर्ण संकेत देता है। यह बदलाव कोरियाई प्रायद्वीप में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच हुआ है। दक्षिण कोरिया के अनुसार, उत्तर कोरिया रूस के साथ अपने सैन्य सहयोग को भी लगातार मजबूत कर रहा है। हालिया आकलनों में प्योंगयांग द्वारा रूस को हथियार और सैन्य सहायता उपलब्ध कराने तथा भविष्य में अतिरिक्त सैनिक भेजने की तैयारियों की बात सामने आई है।

ली जे-म्युंग का बड़ा कैबिनेट फेरबदल वित्त-रक्षा समेत छह मंत्रालयों में नए चेहरे

विश्व केसरी

सोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग ने रविवार को अपने मंत्रिमंडल में बड़ा फेरबदल करते हुए वित्त और रक्षा समेत छह मंत्रालयों के लिए नए मंत्रियों को नॉमिनेट किया। यह राष्ट्रपति के पदभार संभालने के बाद सबसे बड़े कैबिनेट फेरबदल में से एक है।

दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी योनहाप के अनुसार, राष्ट्रपति ली ने आर्थिक नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा, न्याय और छोटे एवं मध्यम उद्यमों से जुड़े प्रमुख मंत्रालयों में बदलाव का फैसला किया है। नए नामांकनों को ली सरकार की नीतिगत प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने की दिशा में

महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

राष्ट्रपति ने उप वित्त मंत्री ली ह्योंग-इल को नया वित्त मंत्री नामित किया है। उन्हें व्यापक आर्थिक नीति और वित्तीय मामलों का अनुभव रखने वाला अधिकारी माना जाता है। वह मौजूदा वित्त मंत्री कू यून-चोल की जगह लेंगे। कू यून-चोल को कैबिनेट फेरबदल के तहत पद से हटाया गया है। संयोग से वह रविवार को ही अमेरिका के लिए रवाना हुए, जहां वह जी20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक में हिस्सा लेने वाले हैं।

रक्षा मंत्रालय के लिए राष्ट्रपति ली ने दक्षिण कोरिया-अमेरिका संयुक्त बलों के पूर्व डिप्टी कमांडर कांग शिन-चुल को नामित किया है। उनकी नियुक्ति ऐसे समय हुई है जब दक्षिण कोरिया अपनी रक्षा क्षमता को मजबूत करने और अमेरिका के साथ गठबंधन को नए रणनीतिक ढांचे में आगे बढ़ाने पर जोर दे रहा है। कांग शिन-चुल की सैन्य पृष्ठभूमि को देखते हुए उनकी नियुक्ति को विशेष महत्व दिया जा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया में आव्रजन-विरोधी मार्च, राजनीतिक हलचल बढ़ी

विश्व केसरी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया की राजनीति में आव्रजन (इमिग्रेशन) का मुद्दा एक बार फिर केंद्र में है। देश के प्रमुख शहरों में रविवार को 'मार्च फॉर ऑस्ट्रेलिया' के बैनर तले जुटी भीड़ ने बड़े पैमाने पर प्रवासन का विरोध किया। आयोजकों ने दावा किया कि पिछले साल से चल रहे इन प्रदर्शनों ने देश में आव्रजन-विरोधी राजनीति को नई ऊर्जा दी है और इसका सीधा फायदा दक्षिणपंथी 'वन नेशन' को मिला है।

सिडनी के बेलमोर पार्क में आयोजित 'फ्री स्पीच' रैली में 300 से अधिक लोग जुटे। किसी संभावित तनाव को देखते हुए 70 से ज्यादा पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। इनमें दंगा नियंत्रण दस्ते के जवान और घुड़सवार पुलिसकर्मी भी शामिल थे। रैली के विरोध में हाइड पार्क में काउंटर-प्रोटेस्ट भी आयोजित किया गया।

राष्ट्रवादी समूह 'रिवाइव ऑस्ट्रेलिया' के संस्थापक ब्रायन मार्लो ने रैली का नेतृत्व किया। उन्होंने दावा किया कि अगस्त 2025 में शुरू हुए 'मार्च फॉर ऑस्ट्रेलिया' आंदोलन ने लोगों को आव्रजन और राष्ट्रीय पहचान जैसे मुद्दों पर लामबंद किया।

मार्लो ने 'वन नेशन' के हालिया चुनावी प्रदर्शन को इसी राजनीतिक माहौल से जोड़ते हुए कहा कि पार्टी उपचुनावों में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के सीक्रेट उपचुनाव में 'वन नेशन' की जीत का भी जिक्र किया।

हालांकि, यहां एक दिलचस्प विरोधाभास भी दिखाई देता है। रैली में 'वन नेशन' समर्थक मौजूद थे और कुछ लोगों ने पार्टी की टी-शर्ट भी पहन रखी थी, लेकिन आयोजकों के सोशल मीडिया मंचों पर हाल के दिनों में वन नेशन की नीतियों की आलोचना भी हुई है।

सबसे बड़ा मतभेद प्रवासन की संख्या को लेकर है। वन नेशन की ओर से सालाना शुद्ध प्रवासन के लिए 1.30 लाख का लक्ष्य स्वीकार करने के संकेत दिए गए हैं, जबकि रैली में शामिल कई लोग इससे कहीं अधिक सख्त रुख की मांग कर रहे थे। भीड़ ने 'रीमाइग्रेशन' और बड़े पैमाने पर प्रवासन खत्म करने जैसे नारों का समर्थन किया।

आव्रजन अब केवल आर्थिक नीति का विषय नहीं रह गया है। यह रोजगार, आवास, जनसंख्या वृद्धि, सामाजिक सेवाओं और राष्ट्रीय पहचान से जुड़े सवालों के साथ राजनीतिक बहस का हिस्सा बन चुका है।

'वन नेशन' का बढ़ता समर्थन इसी असंतोष को राजनीतिक रूप देने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

चाकू की नोक पर अफसर की पत्नी से रेप, आरोपी को उम्रकैद

शादी का कार्ड देने के बहाने घर में घुसा, बंधक बनाकर दुष्कर्म किया

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। रायपुर में ग्रामीण कृषि विकास अधिकारी की टीचर पत्नी से चाकू की नोक पर बंधक बनाकर रेप का मामला सामने आया था। इस केस में 5 साल की सुनवाई के बाद फैसला आया है। अपर सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक) विनय कुमार प्रधान की अदालत ने आरोपी बालकृष्ण जांगड़े को उम्रकैद की सजा सुनाई है।

इसके अलावा कोर्ट ने आरोपी पर 1 लाख 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। वहीं, आरोपी की पत्नी अंजना जांगड़े को पर्याप्त सबूत नहीं मिलने पर कोर्ट ने दोषमुक्त कर दिया।

पति का दोस्त बताकर घर में घुसा था आरोपी

जानकारी के मुताबिक, मामला 15 मार्च 2021 का है। आरोपी बालकृष्ण जांगड़े और उसकी पत्नी अंजना जांगड़े मूल रूप से बेमेतरा के रहने वाले हैं और रायपुर के पिरदा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहते थे। वारदात के समय पीड़िता अपने दो बच्चों के साथ घर पर अकेली थी। पति सुबह करीब 10 बजे ऑफिस चले गए थे। पीड़िता के अनुसार, आरोपी शादी का कार्ड देने के बहाने घर पहुंचा। उसने खुद को पति का दोस्त बताया। इसके बाद पति का परिचित होने की बात कहकर घर के अंदर घुस गया।

बच्चों के सामने हमला कर बनाया बंधक

पीड़िता ने कोर्ट में दिए बयान में बताया कि आरोपी ने घर में घुसने के बाद उस पर चाकू से हमला किया। इसके बाद उसे बंधक बना लिया। घर में उस समय उसके 12 और 4 साल के दो बच्चे भी मौजूद थे। पीड़िता के अनुसार, आरोपी ने बच्चों के सामने ही रेप किया।

वारदात के दौरान पीड़िता के शरीर पर कई चोटें आई। उसने 12:45 बजे अपने पति को फोन कर घर में 2 लोगों के घुसने और चाकू से हमला करने की जानकारी दी। सूचना मिलने पर पति घर पहुंचा तो पत्नी घायल अवस्था में मिली।

करीब 5 साल बाद आया फैसला

घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच कर आरोप पत्र कोर्ट में पेश किया था। सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से पीड़िता के बयान समेत अन्य उपलब्ध साक्ष्य अदालत के सामने रखे गए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने बालकृष्ण जांगड़े को दोषी ठहराया।

कोर्ट ने उसे उम्रकैद और 1 लाख 25 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। वहीं, आरोपी की पत्नी अंजना जांगड़े के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिलने पर उसे दोषमुक्त कर दिया गया। पूरे मामले में अभियोजन की पैरवी अतिरिक्त लोक अभियोजक विजयश्री बिसेन ने की।

रक्षाबंधन शुभकामना संदेश पोस्टर हटाए जाने पर भाजपाईयों में रोष

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। नगर के नयापारा स्थित राजीव गांधी चौक में भाजपा महिला मोर्चा मंडल अंतागढ़ की ओर से रक्षाबंधन एवं तीजा-पोरा पर्व की शुभकामनाओं को लेकर लगाया गया पोस्टर महज पांच घंटे के भीतर गायब हो गया। पोस्टर हटाए जाने की घटना सामने आने के बाद भाजपा मंडल एवं महिला मोर्चा के पदाधिकारियों में नाराजगी है। वहीं आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज में तीन युवक कथित तौर पर पोस्टर हटाते हुए दिखाई देने की बात सामने आई है।

जानकारी के अनुसार भाजपा महिला मोर्चा मंडल द्वारा क्षेत्रवासियों को रक्षाबंधन एवं तीजा-पोरा पर्व की शुभकामनाएं देने के उद्देश्य से नयापारा राजीव गांधी चौक में पोस्टर लगाया गया था। पोस्टर लगाए जाने के करीब पांच घंटे बाद ही वह अपने स्थान से गायब मिला। इसके बाद मामले की जानकारी भाजपा कार्यकर्ताओं को हुई तो आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। बताया जा रहा है कि सीसीटीवी फुटेज में तीन युवक पोस्टर के पास पहुंचकर उसे हटाते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि पोस्टर हटाने वाले युवकों की पहचान और पोस्टर हटाने के पीछे वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। भाजपा मंडल द्वारा मामले की जांच की मांग की जा रही है।

सिर्फ महिला मोर्चा के पोस्टर को ही क्यों हटाया गया ?

घटना को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच एक सवाल भी चर्चा का विषय बना हुआ है कि राजीव गांधी चौक के आसपास अन्य पोस्टर भी लगे हुए थे, लेकिन भाजपा महिला मोर्चा के शुभकामना पोस्टर को ही हटाया गया। ऐसे में भाजपा कार्यकर्ताओं ने इसे महज सामान्य पोस्टर हटाने की घटना मानने के बजाय इसके पीछे आपसी राजनीतिक दुर्भावना की आशंका भी जताई है। भाजपा मंडल पदाधिकारियों का कहना है कि यदि पोस्टर लगाने को लेकर किसी को आपत्ति थी या कोई नियम संबंधी समस्या थी, तो संबंधित लोगों को इसकी जानकारी दी जा सकती थी। लेकिन पोस्टर लगाए जाने के कुछ ही घंटे के भीतर उसे हटाया जाना सवाल खड़े करता है। आखिर महिला मोर्चा के पोस्टर को ही क्यों निशाना बनाया गया और इसे हटाने के पीछे किसका हाथ है, यह जांच का विषय है।

भाजपा मंडल ने की घटना की निंदा

भाजपा मंडल ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि पर्व-त्योहारों की शुभकामनाओं के लिए लगाए गए पोस्टर को इस तरह हटाया जाना उचित नहीं है। मंडल पदाधिकारियों ने कहा कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हो सकते हैं, लेकिन सार्वजनिक रूप से इस तरह की कार्रवाई लोकतांत्रिक एवं सामाजिक वातावरण के लिए उचित नहीं है। भाजपा मंडल ने अज्ञात लोगों के खिलाफ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराने की बात कही है। साथ ही सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पोस्टर हटाने वाले युवकों की पहचान कर पूरे मामले की जांच एवं नियमानुसार कार्रवाई की मांग किए जाने की बात कही गई है, फिलहाल पोस्टर हटाने की घटना नगर में चर्चा का विषय बनी हुई है। सीसीटीवी फुटेज में तीन युवकों के दिखाई देने के बाद मामले में पुलिस शिकायत किए जाने की तैयारी है। अब जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि पोस्टर किसने हटाया, किसके कहने पर हटाया गया और इसके पीछे वास्तविक कारण क्या था। वहीं भाजपा मंडल का आरोप है कि अन्य पोस्टरों के बीच केवल महिला मोर्चा के पोस्टर को हटाया जाना पूरे मामले को संदिग्ध बनाता है।

स्कूल परिसर में शराब पीने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

विश्व केसरी

सक्ती। प्रफुल्ल कुमार ठाकुर भापुसे पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय पंकज पटेल एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस शक्ति डॉ. भुनेश्वरी पैकरा के मार्गदर्शन में निरीक्षक नरेन्द्र यादव थाना प्रभारी बाराद्वार पुलिस द्वारा सार्वजनिक स्थान एवं शैक्षणिक स्थलों को नशामुक्त एवं सुरक्षित बनाए रखने हेतु लगातार कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में 29 सितंबर 2026 को थाना बाराद्वार पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि वार्ड क्रमांक 01 के शासकीय बालक स्कूल परिसर में कुछ व्यक्ति शराब का सेवन कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई। मौके पर 01 आरोपी मनीष कुमार साहू पिता की पुरुषोत्तम साहू 02 अभिषेक कुमार राठौर पिता मिंटू लाल राठौर दोनों निवासी रेडा थाना बाराद्वार जिला सक्ती को शराब का सेवन करते हुए पाया गया। दोनों आरोपी के कब्जे से 100 -120 मिली देशी शराब एवं शराब की बोतल/गिलास एवं अन्य सामग्री बरामद की गई। आरोपियो के विरुद्ध धारा 36(च) आबकारी एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई है।

कांकेर डीएसपी प्रतिभा लहरे को 'नारी शक्ति सम्मान

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी तथा अध्यक्षता माननीय विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह जी द्वारा की गई। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह का आयोजन 30 अगस्त 2026, रविवार को प्रातः 11:00 बजे, अटल बिहारी वाजपेयी सभागृह, चिकित्सा महाविद्यालय, जेल रोड, रायपुर में किया गया।

पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में, डीएसपी प्रतिभा लहरे के पर्यवेक्षण में महिला रक्षा टीम एवं महिला सेल द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता तथा सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है।

इसी क्रम में कांकेर पुलिस की डीएसपी प्रतिभा लहरे को महिला सुरक्षा, जागरूकता एवं सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य एवं योगदान के लिए 'नारी शक्ति सम्मान समारोह-2026' में सम्मानित किया गया। कांकेर पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न थाना क्षेत्रों, स्कूल-कॉलेजों एवं सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा उपलब्ध सहायता सेवाओं की जानकारी देकर उन्हें जागरूक एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

'नारी शक्ति सम्मान समारोह-2026' के माध्यम से समाज एवं प्रदेश के विकास में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका तथा उनके उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया गया। यह सम्मान महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के क्षेत्र में कार्यरत पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए भी प्रेरणादायी है।

कांकेर पुलिस की अपील

कांकेर पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराध, साइबर ठगी, मानव तस्करी, बाल श्रम अथवा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल निकटतम पुलिस थाना, डायल 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 अथवा महिला रक्षा टीम हेल्पलाइन 9479155925 पर दें।

आपकी एक सूचना किसी की सुरक्षा एवं जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

झीरम घाटी हत्याकांडः घटना में न्याय मिलने पर होगा संतोष

जगदलपुर। बहुचर्चित झीरम घाटी मामले में 31 अगस्त को राष्ट्रीय जांच एजेंसी कोर्ट का फैसले आने की उम्मीद है. इस फैसले से पहले पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने घटना के दिन की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठाया है। छत्तीसगढ़ के पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि वे खुद इस घटना के प्रत्यक्षदर्शी रहे हैं, और जगदलपुर पहुंचकर NIA के सामने अपनी आंखों देखी घटना का बयान दर्ज करा चुके हैं। टीएस सिंहदेव के मुताबिक, घटना वाले दिन पूरे इलाके में पुलिस की मौजूदगी लगभग शून्य थी। रास्ते में कहीं भी पर्याप्त फोर्स तैनात नहीं थी।

घर अंदर घुसकर नाबालिक लड़की से छेड़छाड़, आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

सक्ती। घटना का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि 29 अगस्त को प्रार्थीया थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसकी नाबालिक लड़की को आरोपी विष्णु चौहान के द्वारा 28 अगस्त के शाम करीबन 4 बजे घर अंदर घुसकर अकेली पाकर हाथ बाह पकड़ते हुए छेड़छाड़ करना व गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देना प्रार्थीया की रिपोर्ट पर धारा सदर का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। घटना की जानकारी तत्काल पुलिस अधीक्षक जिला सक्ती (भा.पु.से.) प्रफुल्ल ठाकुर, अति पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल, अनुविभागीय अधिकारी महोदय पुलिस सुमित गुप्ता को अवगत कराया गया था वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा त्वरीत कार्यवाही करने का निर्देश प्राप्त हुआ था कि पीड़िता का महिला पुलिस अधिकारी से कथन कराया गया आरोपी विष्णु चौहान पिता स्व मनोहर लाल चौहान उम्र 25 वर्ष सकिन कोटमी थाना डभरा के विरूद्ध अपराध का घटित करना सबूत पाये जाने से आज दिनांक 29.08.2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक जितेन्द्र कोसले, प्र उप निरीक्षक धलेद्र मरावी , सउनि विजय गोपाल यादव, प्र आर 42 राम गिलास लहरे, आर दिलदार निराला, खिलेश्वर साहू, सीमा सिदार का सराहनीय योगदान रहा।

राष्ट्रीय खेल दिवस : महापौर रामू रोहरा ने किया खिलाड़ियों का सम्मान

विश्व केसरी

धमतरी (राजशेखर नायर)। हॉकी के महान खिलाड़ी एवं भारत के खेल इतिहास में स्वर्णिम अध्याय जोड़ने वाले मेजर ध्यानचंद जी की जन्म जयंती के अवसर पर प्रतिवर्ष 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। इसी कड़ी में इस वर्ष भी जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग, जिला धमतरी द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस का भव्य आयोजन बाबू पंढरी राव कृदत्त इंडोर स्टेडियम, आमातालाब, धमतरी में किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिक निगम धमतरी के महापौर जगदीश रामू रोहरा रहे। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर खेल जगत से जुड़े खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं खेलप्रेमियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान जिले एवं प्रदेश का नाम विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में रोशन करने वाले राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों का सम्मान किया गया।

महापौर रामू रोहरा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। महापौर रामू रोहरा ने कहा कि मेजर ध्यानचंद जी का जीवन और खेल के प्रति उनका समर्पण आज भी देश के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास करता है। धमतरी जिले के युवा विभिन्न खेल विधाओं में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं, जो पूरे जिले के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि खेल प्रतिभाओं को बेहतर अवसर, उचित प्रशिक्षण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। युवाओं को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों से भी जुड़ना चाहिए, ताकि वे स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के साथ अपने जिले और प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम ने खिलाड़ियों में उत्साह और नई ऊर्जा का संचार किया। उपस्थित अतिथियों एवं खेलप्रेमियों ने मेजर ध्यानचंद जी के योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

ईलाज के अभाव में भाई की मौत, बहनों ने राखी बांधकर दी विदाई

बीएसपी गोद ग्रामों में स्वास्थ्य सुविधाओं के दावों पर उठे सवाल, समय पर उचित इलाज नहीं मिलने का आरोप

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के प्रेम और भाई की लंबी उम्र की कामना का प्रतीक माना जाता है। लेकिन अंतागढ़ विकासखंड के रावघाट प्रभावित ग्राम फूलपाड़ में इस बार रक्षाबंधन का दिन एक परिवार के लिए जिंदगी भर का दर्द बन गया। जहां अन्य बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र की कामना कर रही थीं, वहीं तीन बहनों ने अपने 12 वर्षीय एकलौते भाई हेमराज कुमेटी की कलाई पर राखी बांधकर उसे अंतिम विदाई दी। परिजनों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि समय पर उचित उपचार और बेहतर चिकित्सा सुविधा नहीं मिलने के कारण मासूम की जान चली गई। इस घटना ने रावघाट क्षेत्र में बीएसपी प्रबंधन द्वारा स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर किए गए दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

तीन बार ले जाया गया स्वास्थ्य केंद्र

परिजनों के अनुसार, हेमराज कुमेटी की तबीयत बिगड़ने पर उसे इलाज के लिए दंडकवन स्थित स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। बताया गया कि बच्चे को अलग-अलग समय पर तीन बार स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, लेकिन उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए समय पर आवश्यक विशेषज्ञ उपचार और जांच की व्यवस्था नहीं हो सकी।

जब बच्चे की हालत अधिक बिगड़ गई तो परिजन बेहतर इलाज की उम्मीद में उसे नारायणपुर स्थित आश्रम लेकर पहुंचे। वहां बच्चे का एक्स-रे कराया गया। परिजनों के अनुसार, जांच के दौरान यह जानकारी सामने आई कि बच्चे के हृदय में छेद होने की समस्या है।

गंभीर बीमारी के बावजूद सामान्य दवाएं देने का आरोप

परिजनों का आरोप है कि गंभीर स्वास्थ्य समस्या की जानकारी मिलने के बावजूद बच्चे को उचित विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध नहीं कराया गया। आरोप है कि वहां से उसे छोटे बच्चों को दी जाने वाली एंटीबायोटिक के साथ खांसी और बुखार की दवाएं दी गईं तथा आगे के उपचार के लिए भेजा गया।

परिजनों के मुताबिक, बच्चे को बेहतर इलाज के लिए भिलाई सेक्टर-9 अस्पताल रेफर कराने की बात सामने आई, जिसके बाद उसे पुनः दंडकवन स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। लेकिन यहां रेफर करने की प्रक्रिया और अधिकार को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी।

रेफर करने के अधिकार को लेकर खड़े हुए सवाल

परिजनों और स्थानीय लोगों का कहना है कि जब बच्चे की हालत गंभीर थी, तब उसे तत्काल उच्चस्तरीय अस्पताल भेजने की व्यवस्था होनी चाहिए थी। आरोप है कि दंडकवन स्वास्थ्य केंद्र में बच्चे को रेफर करने के अधिकार और प्रक्रिया को लेकर असमर्थता जताई गई। इसी देरी के कारण बच्चे के परिजन उचित इलाज के लिए इधर-उधर भटकते रहे। स्थानीय लोगों का आरोप है कि समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा और विशेषज्ञ उपचार मिल जाता तो संभवतः मासूम की जान बचाई जा सकती थी। हालांकि, इन आरोपों पर संबंधित स्वास्थ्य केंद्र और बीएसपी प्रबंधन का पक्ष लिया जाना आवश्यक है।

राखी की सुबह बुझ गया परिवार का चिराग

इलाज के लिए लगातार प्रयास और बेहतर स्वास्थ्य सुविधा की तलाश के बीच आखिरकार रक्षाबंधन की सुबह हेमराज ने दम तोड़ दिया। परिवार के लिए यह क्षण असहनीय था।

तीन बहनों का एकमात्र भाई अब इस दुनिया में नहीं था। रक्षाबंधन के दिन बहनों ने अपने मृत भाई की कलाई पर राखी बांधी और नम आंखों से उसे हमेशा के लिए विदा किया। गांव में इस घटना के बाद शोक और आक्रोश का माहौल है।

करोड़ों के राजस्व वाले क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव

इस घटना के बाद रावघाट प्रभावित क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति एक बार फिर चर्चा में है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि खनन परियोजनाओं और औद्योगिक गतिविधियों से क्षेत्र को भारी राजस्व मिलता है, लेकिन स्थानीय लोगों को आज भी बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।

ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में संचालित डिस्पेंसरी केवल सामान्य दवाइयां वितरित करने तक सीमित है। गंभीर मरीजों के लिए न तो पर्याप्त जांच सुविधाएं हैं और न ही विशेषज्ञ चिकित्सकों की स्थायी व्यवस्था।

तमिलनाडु के 50 सरकारी आईटीआई में एआई और मशीन लर्निंग कोर्स शुरू होंगे

विश्व केसरी ■

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार वोकेशनल एजुकेशन को आधुनिक बनाने और छात्रों के लिए रोजगार के मौके बेहतर करने की पांच साल की योजना के तहत, 50 सरकारी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट (आईटीआई) में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) को नए ट्रेड के तौर पर शुरू करेगी।

2026-27 के संशोधित बजट में घोषित इस पहल को कुल 10 करोड़ रुपये की लागत से चरणों में लागू किया जाएगा। हर साल दस सरकारी आईटीआई ये कोर्स शुरू करेंगे, जिससे पांचवें साल के आखिर तक यह प्रोग्राम 50 संस्थानों तक पहुंच जाएगा। उम्मीद है कि इस प्रोग्राम के लागू होने के दौरान लगभग 24,000 छात्रों को इन नए कोर्स से फायदा होगा। सरकार का मानना है कि यह प्रोग्राम आईटीआई छात्रों को उभरती हुई टेक्नोलॉजी की बुनियादी जानकारी और प्रैक्टिकल अनुभव देगा, जो तेजी से रोजगार बाजार को बदल रही हैं।

मैन्युफैक्चरिंग, हेल्थकेयर, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, बैंकिंग, शिक्षा और कई अन्य क्षेत्रों में एआई और एमएल का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। इनके बढ़ते इस्तेमाल से ऐसे कर्मचारियों की मांग पैदा हुई है जो ऑटोमेटेड सिस्टम, डेटा-आधारित प्रक्रियाओं और टेक्नोलॉजी-आधारित औद्योगिक कामकाज को समझते हों।

अधिकारियों ने बताया कि लेबर वेलफेयर और स्किल डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के तहत काम करने वाले 'डायरेक्टरेट ऑफ एम्प्लॉयमेंट एंड ट्रेनिंग' ने प्रस्तावित ट्रेड के लिए पाठ्यक्रम तैयार करना शुरू कर दिया है।

डायरेक्टरेट इस प्रोग्राम को शुरू करने के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर, उपकरण, लैब, टीचिंग रिसोर्स और दूसरी सुविधाओं का भी आकलन कर रहा है। उन शुरुआती 10 सरकारी आईटीआई की पहचान करने की कोशिशें चल रही हैं, जहां मौजूदा एकेडमिक ईयर में ये कोर्स शुरू किए जा सकें। इन संस्थानों का चयन उनकी मौजूदा सुविधाओं, इंस्ट्रक्टर की उपलब्धता और संबंधित रोजगार के अवसर देने वाले उद्योगों से उनकी नजदीकी को ध्यान में रखकर किया जाएगा।

विभाग कोर्स डिजाइन करने और उन्हें चलाने के लिए औद्योगिक प्रतिष्ठानों और टेक्नोलॉजी फर्मों के साथ मिलकर काम करने की योजना भी बना रहा है। इस तरह के सहयोग से यह सुनिश्चित होने की उम्मीद है कि ट्रेनिंग मौजूदा इंडस्ट्री की जरूरतों के हिसाब से हो और छात्रों को ऐसी स्किल मिलें जिनका इस्तेमाल वे काम की जगह पर कर सकें।

इंडस्ट्री की भागीदारी से प्रैक्टिकल सेशन, इंटर्नशिप, एक्सपोज़र विज़िट और टेक्नोलॉजी-बेस्ड सेक्टर में काम करने वाले प्रोफेशनल्स से गाइडेंस मिल सकती है। सरकार इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन और भर्ती के तरीकों में हो रहे बदलावों को देखते हुए स्किल-डेवलपमेंट प्रोग्राम का विस्तार और अपग्रेडेशन कर रही है।

एआई और एमएल ट्रेड्स की शुरुआत से पारंपरिक आईटीआई कोर्स को बढ़ावा मिलने और स्टूडेंट्स को टेक्नोलॉजी-बेस्ड भूमिकाओं के लिए तैयार करने की उम्मीद है। अधिकारियों ने कहा कि एडमिशन, कोर्स की अवधि, फैकल्टी ट्रेनिंग और सर्टिफिकेशन से जुड़ी गाइडलाइंस को पहले बैच की क्लास शुरू होने से पहले अंतिम रूप दिया जाएगा।

'एक देश, एक समय': सरकार ने आईएसटी को सामान्य समय बनाने के लिए नियम अधिसूचित किए

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने लीगल मेट्रोलॉजी (इंडियन स्टैंडर्ड टाइम) नियम, 2026 अधिसूचित कर दिए हैं। इसके साथ ही पूरे देश में कानूनी, प्रशासनिक, वाणिज्यिक और अन्य आधिकारिक उद्देश्यों के लिए भारतीय मानक समय (आईएसटी) को सामान्य समय (कॉमन टाइम) बनाने का रास्ता साफ हो गया है।

इन नियमों को 27 अगस्त को अधिसूचित किया गया और ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने के 180 दिन बाद लागू होंगे। यह अवधि सरकारी विभागों, कारोबारों, संस्थानों और अन्य संगठनों को अपनी प्रणालियों और प्रक्रियाओं में जरूरी बदलाव करने के लिए समय देने के उद्देश्य से रखी गई है।

यह कदम तकनीक आधारित प्रणालियों में सटीक और समन्वित समय की बढ़ती जरूरत के बीच उठाया गया है। बैंकिंग और डिजिटल भुगतान, दूरसंचार, रेलवे, बिजली नेटवर्क, कंप्यूटर सिस्टम और सरकारी रिकॉर्ड तेजी से सटीक टाइमस्टैम्प पर निर्भर हो रहे हैं। ऐसे में समय की गणना में एकरूपता इन प्रणालियों के सुचारू संचालन के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

नई व्यवस्था के तहत सामान्य समय से बैंकिंग और डिजिटल भुगतान लेनदेन में टाइमस्टैम्प की सटीकता बेहतर होने की उम्मीद है। साथ ही, यह रेलवे और हवाई अड्डों जैसी परिवहन प्रणालियों के बीच बेहतर समन्वय में मदद करेगा और दूरसंचार एवं इंटरनेट नेटवर्क की विश्वसनीयता को मजबूत करेगा।

सटीक और समन्वित समय बिजली प्रणालियों, सरकारी और कानूनी रिकॉर्ड के साथ-साथ आपातकालीन और अन्य समय-संवेदनशील सेवाओं के लिए भी महत्वपूर्ण होगा।

यह व्यवस्था सरकार की व्यापक 'एक देश, एक समय' पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य पूरे भारत में सुरक्षित और एक समान समय-वितरण प्रणाली स्थापित करना है।

सरकार भारतीय संस्थानों और लीगल मेट्रोलॉजी प्रयोगशालाओं के माध्यम से सटीक भारतीय मानक समय के प्रसार के लिए बुनियादी ढांचा विकसित कर रही है।

नियमों में सुरक्षित और विश्वसनीय समय प्रसार के लिए भारत की सैटेलाइट नेविगेशन प्रणाली 'नाविक' के साथ-साथ अन्य स्वीकृत भारतीय टाइमिंग स्रोतों के इस्तेमाल का भी प्रावधान किया गया है।

फिलहाल कई प्रणालियां समय निर्धारण के लिए विदेशी सैटेलाइट आधारित स्रोतों पर निर्भर हैं।

छोटा फल, बड़े फायदे: औषधीय गुणों का खजाना है करौंदा, आयरन और विटामिन-सी का अच्छा स्रोत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। खट्टा-मीठा स्वाद और औषधीय गुणों से भरपूर करौंदा (कैरिसा कैरेंडस) भले ही एक छोटा सा जंगली फल हो, लेकिन सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। गुच्छों में लगने वाला यह फल आमतौर पर अचार, चटनी और मुरब्बे में इस्तेमाल होता है, लेकिन आयुर्वेद में इसे कई बीमारियों का प्राकृतिक इलाज माना गया है।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने एक्स पोस्ट में कहा, 'करौंदा छोटे, सुगंधित फूलों और रंग-बिरंगे फलों वाला एक उपयोगी और कम देखभाल में पनपने वाला पौधा है। इसके फलों का उपयोग अचार, जैम और जेली बनाने में किया जाता है। वहीं, यह आयरन और विटामिन-सी का भी अच्छा स्रोत माना जाता है।'

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने बताया कि करौंदे के पौधे की ऊंचाई 8-12

फीट तक होती है। पौधे पर छोटी, मोटी और विपरीत क्रम में लगी पत्तियां, तने और शाखाओं पर मजबूत कांटे, छोटे, सुगंधित सफेद फूल, फल, कच्चे हरे, पकने पर लाल से बैंगनी-काले होते हैं।

विभाग ने आगे बताया कि करौंदे ताजे फल खाने के साथ अचार, जैम और जेली में उपयोग किए जाते हैं।

इसके अलावा, यह आयरन और विटामिन-सी का अच्छा स्रोत है।

करौंदे के पौधे की खासियत है कि यह कम देखभाल में आसानी से पनपता है। कांटेदार होने के कारण प्राकृतिक बाड़े के लिए उपयोगी है।

इसके फल का उपयोग प्राचीन भारतीय हर्बल चिकित्सा प्रणाली, आयुर्वेद में एसिडिटी, अपच, ताजे और संक्रमित घावों, त्वचा रोगों, मूत्र संबंधी विकारों और मधुमेह के अल्सर के इलाज के लिए किया जाता है। इसके साथ ही पित्त की समस्या, पेट दर्द, कब्ज, एनीमिया, त्वचा की समस्याओं, भूख न लगने पर भी इसके फल का इस्तेमाल होता है।

करौंदे के पत्तियों का काढ़ा बुखार, दस्त और कान दर्द के इलाज के लिए उपयोग किया जाता है। इसके अलावा, करौंदे की जड़ें पेट की बीमारियों के लिए, खुजली के लिए कृमिनाशक दवा के रूप में और कीटनाशक के रूप में भी काम करती हैं।

क्या आपकी डाइट में पर्याप्त कैल्शियम है? जानिए स्रोत, फायदे और रोजाना कितनी जरूरत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हमारे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए कई तरह के पोषक तत्वों की जरूरत होती है और कैल्शियम उनमें से एक बेहद जरूरी खनिज है। आमतौर पर कैल्शियम का नाम सुनते ही सबसे पहले हड्डियों और दांतों का ख्याल आता है, लेकिन इसकी भूमिका सिर्फ इतनी ही नहीं है। इसलिए रोज की डाइट में पर्याप्त कैल्शियम लेना जरूरी है।

कैल्शियम हमारी हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शरीर में मौजूद कैल्शियम का बड़ा हिस्सा हड्डियों और दांतों में संग्रहित रहता है। इसके अलावा यह मांसपेशियों के सही तरीके से काम करने में मदद करता है। दिल की सामान्य धड़कन और रक्त के थक्के बनने की प्रक्रिया में भी कैल्शियम की भूमिका होती है।

कैल्शियम की जरूरत सिर्फ बच्चों को बढ़ती हड्डियों के लिए नहीं, बल्कि हर उम्र के व्यक्ति को होती है। उम्र बढ़ने के साथ हड्डियों की मजबूती बनाए रखने के लिए भी पर्याप्त कैल्शियम और संतुलित आहार जरूरी है।

कैल्शियम पाने के लिए हमेशा सप्लीमेंट की जरूरत हो, ऐसा नहीं है। संतुलित डाइट के जरिए भी इसे हासिल किया जा सकता है। दूध और दूध से बने उत्पाद जैसे दही और पनीर कैल्शियम के अच्छे स्रोत माने जाते हैं।

इसके अलावा सोयाबीन, बादाम, दालें, अंजीर, मूली, गाजर और हरी पत्तेदार सब्जियों को भी अपनी डाइट में शामिल किया जा सकता है। अलग-अलग खाद्य पदार्थों को मिलाकर खाने से डाइट ज्यादा पौष्टिक और संतुलित बनती है।

सिर्फ कैल्शियम खाना ही काफी नहीं है। शरीर कैल्शियम को अच्छी तरह अवशोषित कर सके, इसके लिए विटामिन-डी भी महत्वपूर्ण है। इसलिए कैल्शियम युक्त भोजन के साथ विटामिन-डी के पर्याप्त स्रोतों और स्वस्थ जीवनशैली पर भी ध्यान देना चाहिए।

आम तौर पर वयस्कों के लिए कैल्शियम की दैनिक आवश्यकता लगभग 1.0 से 1.5 ग्राम प्रतिदिन बताई जाती है। हालांकि वास्तविक जरूरत उम्र, लिंग और स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार अलग-अलग हो सकती है।

इसलिए अपनी व्यक्तिगत जरूरत के लिए डॉक्टर या डाइटीशियन की सलाह लेना बेहतर है।

शरीर और दिमाग के लिए फायदेमंद रोना, तनाव घटाने से लेकर आंखों की सफाई तक, जानें आंसुओं के फायदे

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। रोते हुए किसी को देखकर हम अक्सर मान लेते हैं कि वह बहुत कमजोर है या अपनी इमोशन्स को संभाल नहीं पा रहा। खासकर बचपन से हमें कई बार कहा जाता है कि 'रोओ मत, मजबूत बनो', लेकिन सच यह है कि रोने से शरीर और मन पर इसके कुछ अच्छे असर भी हो सकते हैं। जब इंसान बहुत ज्यादा परेशान या तनाव में होता है, तो उसका शरीर भी इसका असर महसूस करता है।

दिल तेजी से धड़कता है, बेचैनी बढ़ती है और दिमाग में एक ही बात बार-बार घूमती रहती है। ऐसे समय में रो लेने के बाद कई लोगों को कुछ राहत महसूस होती है। इसका एक कारण यह है कि रोने के दौरान हम अपने अंदर छिपी भावनाओं को बाहर आने देते हैं। इससे मन पर बना दबाव कुछ कम महसूस हो सकता है।

तनाव के बाद शरीर को शांत करने में मदद करता है रोना- वैज्ञानिकों के मुताबिक, जब हम तनाव में होते हैं, तो शरीर का 'स्ट्रेस सिस्टम' सक्रिय हो जाता है। दिल की धड़कन बढ़ सकती है, मांसपेशियों में खिंचाव आता है और दिमाग लगातार परेशान करने वाली बातों के बारे में सोचता रहता है। भावनात्मक रूप से रोने के बाद कुछ लोगों में शरीर के शांत होने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। पैरासिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम शरीर को आराम की स्थिति में वापस लाने में भूमिका निभाता है। इमोशन्स को बाहर निकालने का तरीका हैं आंसू- कई बार हम किसी बात से बहुत परेशान होते हैं।

कोलकाता नगर निगम और मेट्रो रेलवे ने डेंगू उन्मूलन के लिए विशेष अभियान शुरू किया

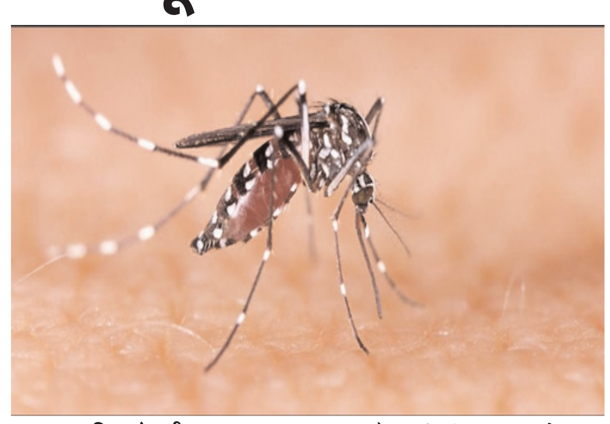

विश्व केसरी ■

कोलकाता। कोलकाता नगर निगम (केएमसी) और मेट्रो रेलवे ने शनिवार को शहर से डेंगू उन्मूलन के लिए एक 'विशेष अभियान' शुरू किया।

यह संयुक्त अभियान कोलकाता के एस्प्लेनेड मेट्रो स्टेशन क्षेत्र से शुरू हुआ और 3 सितंबर तक चलेगा।

केएमसी प्रशासक स्मिता पांडे और मेट्रो रेलवे कोलकाता की प्रधान मुख्य चिकित्सा अधिकारी (पीसीएमओ) रीना मुखर्जी संयुक्त रूप से इस अभियान का नेतृत्व कर रही हैं। पश्चिम बंगाल के नगर मामलों और शहरी विकास मंत्री अग्निमित्रा पॉल अभियान के शुभारंभ के अवसर पर उपस्थित थे।

मंत्री पॉल ने कहा कि आम आदमी के जागरूक न होने पर डेंगू का उन्मूलन नहीं हो सकता। फुटपाथों पर अतिक्रमण नहीं होना चाहिए। व्यापारियों को कम से कम दो-तिहाई जगह आवागमन के लिए खाली रखनी चाहिए।

यह अभियान शहर के सभी मेट्रो स्टेशनों और आसपास के क्षेत्रों के साथ-साथ दक्षिण पूर्वी रेलवे के विभिन्न स्टेशनों और ट्रेन कार शेड क्षेत्रों में चलाया जाएगा।

रेलवे आवास क्षेत्रों में, उन सभी परित्यक्त जमीनों या परिसरों के मालिकों को नोटिस भेजे जा रहे हैं या भेजे जाएंगे जहां झाड़ियों के कारण पानी जमा हो रहा है या जमा होने की संभावना है। नगर निगम अधिनियम, 1994 की धारा 496 के तहत नोटिस जारी किए जाएंगे।

इसके अलावा, प्रतिबंधित प्लास्टिक या गंदगी कहीं भी फेंकने पर 200 से 400 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा।

कहीं भी थूकने या गंदगी फेंकने पर न केवल जुर्माना लगाया जाएगा, बल्कि दोषी को सख्त चेतावनी भी दी जाएगी कि वह जगह को साफ करे और घटना को कैमरे में रिकॉर्ड करके सोशल मीडिया पर अपलोड करे। यह अभियान केवल मानसून के मौसम या कुछ दिनों के लिए नहीं है। यह अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा। बताया गया है कि यह अभियान सिंचाई विभाग और लोक निर्माण विभाग जैसे अन्य सरकारी विभागों के साथ मिलकर राज्य भर में चलाया जाएगा।

'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल': मांडविया और गंभीर ने युवाओं को दी खेल गतिविधियों में सक्रिय होने की सलाह

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल इवेंट' का आयोजन नई दिल्ली में हुआ। कार्यक्रम में केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने हिस्सा लिया। इस दौरान मांडविया ने युवाओं से स्क्रिन से दूर रहने और खेल गतिविधियों में शामिल होकर फिट रहने की सलाह दी।

मीडिया से बात करते हुए मांडविया ने कहा, 'संडे ऑन साइकिल का 88वां एडिशन है। देश भर में 25,000 से ज्यादा पर इसे आयोजित किया गया है। साइकिल चलाने का क्रेज पूरे देश में बढ़ रहा है, और 'संडे ऑन साइकिल' धीरे-

धीरे लोगों के बीच एक पैशन बनता जा रहा है। साइकिल चलाना कसरत का एक बेहतरीन तरीका है। इससे प्रदूषण नियंत्रित हो सकता है, हम फिट रह सकते हैं, और ट्रैफिक की समस्या समाप्त हो सकती है। युवाओं को हर दिन एक घंटे के लिए मोबाइल और कंप्यूटर स्क्रीन से दूर रहते हुए साइकिल चलाने और किसी खेल में हिस्सा लेते हुए खुद को फिट रखने की कोशिश करनी चाहिए। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज और मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर भी 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल इवेंट' में शामिल हुए।

मीडिया से बात करते हुए गंभीर ने कहा, 'सरकार के द्वारा आयोजित किया जाने वाला फिट इंडिया अभियान एक बेहतरीन पहल है। मेरा मानना है कि देश जितना स्वस्थ रहेगा, उतना ही मजबूत और आत्मनिर्भर रहेगा।'

उन्होंने कहा, 'फिट इंडिया को एक इवेंट नहीं, बल्कि एक अभियान के नजरिए से देखा जाना चाहिए। युवा या जितने भी लोग इस अभियान से जुड़े हैं, उन्हें कोशिश करनी चाहिए ।

एशिया कप- भारत ने थाईलैंड को 94 रन से हराया

दीप्ति शर्मा ने बिना रन दिए 3 विकेट झटके

विश्व केसरी ■

दुबई । भारत ने विमेंस एशिया कप टी-20 में जीत से शुरुआत की है। टीम ने रविवार को थाईलैंड को 94 रन से हराया।

दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में 160 रन का टारगेट चेज कर रही थाईलैंड की टीम 16.1 ओवर में 65 रन पर ऑलआउट हो गई।

150वां मैच खेल रहीं दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट झटके और कोई रन नहीं दिया। वे विमेंस टी-20 इंटरनेशनल की टॉप विकेट टेकर भी बन गई। नंदनी शर्मा ने भी 3 विकेट लिए। श्री चरणी ने 2 विकेट लिए।

भारतीय टीम की ओर से शेफाली शर्मा ने 36 बॉल पर 64 रन बनाए। उनकी पारी में 8 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। भारतीय टीम का दूसरा मैच 5 सितंबर को पाकिस्तान से इसी मैदान पर होगा।

भारत ने आखिरी 46 रन बनाने में 8 विकेट गंवाए

रविवार को टीम इंडिया मजबूत शुरुआत के बावजूद 159 रन ही बना सकी थी। उसने आखिरी 46 रन बनाने में 8 विकेट गंवा दिए।

इससे पहले टीम की टॉप-3 बैटर्स ने 105 रन बनाए। इनमें स्मृति मंधाना के 22, शेफाली वर्मा के 64 और प्रतिका रावल के 22 रन शामिल रहे। थाईलैंड की ओर से सुलेपॉर्न लाओमी ने 3 विकेट झटके।

दोनों टीमों की प्लेइंग-XI

भारत: स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, प्रतिका रावल, हरमनप्रीत कौर, भारती फुलमाली, ऋचा घोष, दीप्ति शर्मा, प्रेमा रावत, श्री चरणी, क्रांति गौड और नंदनी शर्मा।

थाईलैंड: अपिसरा सुवानचोनराठी, फन्निता माया, नन्नापत कोनचारोएनकाई (विकेटकीपर), नत्थाकन चन्थम, चनिदा सुथिरुआंग, नाओमी हैमिल्टन, सुलेपॉर्न लाओमी, नन्नाफट चाइहान, सुनीदा चतुरोंगरत्तना, ओननिचा कामचोम्फू और थिपाचा पुथावोंग (कप्तान)।

थाईलैंड 65 रन पर ऑलआउट, दीप्ति को तीसरा विकेट

17वें ओवर की पहली बॉल पर दीप्ति शर्मा ने नन्नापट कोंचारोएनकाई को कैप कराया। ऋचा घोष ने आगे की ओर डाइव लगाकर शानदार कैच पकड़ा। कोंचारोएनकाई ने 48 गेंदों पर 41 रन बनाए, जिसमें 5 चौके शामिल रहे।

इसी के साथ थाईलैंड की टीम 65 रन पर ऑलआउट हो गई। इस विकेट के साथ दीप्ति शर्मा महिला टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गईं।

2 घंटे 51 मिनट में 42 किमी दौड़ पूरी, पहाड़ की बेटी भागीरथी ने 'हैदराबाद मैराथन' में लहराया परचम

एजेंसी ■

चमोली। चमोली जिले के सीमांत वाण गांव की बेटी भागीरथी बिष्ट ने बार फिर उत्तराखंड राज्य का नाम रोशन किया है। 24 वर्षीय भागीरथी ने हैदराबाद में आयोजित मैराथन दौड़ में 42 किलोमीटर की दौड़ सिर्फ 2 घंटे 51 मिनट में पूरी करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया।

उत्तराखंड के दुर्गम गांव से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने वालीं भागीरथी की उपलब्धि से देवभूमि में खुशी की लहर है। ग्रामीण परिवेश और सीमित संसाधनों के बावजूद भागीरथी ने जिस तरह अपनी मेहनत के दम पर यह मुकाम हासिल किया, वह क्षेत्र की अन्य बेटियों के लिए भी प्रेरणा बन गया है।

भागीरथी के कोच सुनील शर्मा हिमाचल प्रदेश के सिरमौर से हैं। अंतरराष्ट्रीय मैराथन एथलीट सुनील ने बताया कि भागीरथी लगातार कड़ी मेहनत और अनुशासन के साथ प्रशिक्षण ले रही हैं। इससे पहले भी वह ईरान में आयोजित 42 किलोमीटर की मैराथन में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। इसके अलावा, देश के अलग-अलग हिस्सों में आयोजित कई मैराथन प्रतियोगिताओं में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है।

कोच ने बताया कि भागीरथी का लक्ष्य केवल राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतना नहीं है। उनका सपना ओलंपिक खेलों में देश का प्रतिनिधित्व कर मैराथन दौड़ में गोल्ड मेडल जीतना और भारत का नाम पूरी दुनिया में रोशन करना है।

कोच ने कहा कि भागीरथी में प्रतिभा के साथ मेहनत करने का जज्बा भी है। कठिन परिस्थितियों से निकलकर यहां तक पहुंचना उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति को दर्शाता है। उनकी उपलब्धि पहाड़ की उन बेटियों के लिए प्रेरणादायक है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद अपने सपनों को पूरा करने का हौसला रखती हैं।

वाण गांव की पगडंडियों से शुरू हुआ भागीरथी का दौड़ का सफर अब राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच चुका है। हैदराबाद में जीता गया सिल्वर उनके लिए एक और बड़ी उपलब्धि है, लेकिन उनकी नजरें अब ओलंपिक गोल्ड पर हैं।

ज्यादा से ज्यादा नए खिलाड़ियों को मौका दिया जा रहा है: राजीव शुक्ला

विश्व केसरी ■

तिरुपति। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला का कहना है कि भारतीय टीम मैनेजमेंट मौजूदा दौर में युवा खिलाड़ियों को भरपूर मौके दे रहा है।

आंध्र प्रदेश के तिरुमाला मंदिर के दौरे पर आए शुक्ला ने पत्रकारों से 'मेन इन ब्लू' (भारतीय टीम) के भविष्य के मुकाबलों पर बात की, जिसमें न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली अहम टेस्ट सीरीज भी शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत वनडे वर्ल्ड कप 2027 का खिताब अपने नाम करेगा और युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने का मौका दिया जा रहा है।

रविवार को राजीव शुक्ला ने पत्रकारों से कहा, 'अभी-अभी भारत और श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज खत्म हुई है। अब हमारे सामने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज हैं।'

राजीव शुक्ला को भरोसा है कि भारतीय टीम साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप 2027 का खिताब जीतेगी। खिलाड़ी इस बड़े टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, 'हम वर्ल्ड कप जीतेंगे। हम इसके लिए तैयार हैं; खिलाड़ियों में भरपूर जोश है।

शुक्ला से यह भी पूछा गया कि भारतीय टीम युवाओं को कैसे तैयार कर रही है।

दूसरा टेस्ट: अब्बास ने खोला 'पंजा', 208 रनों पर सिमटी इंग्लैंड की दूसरी पारी, पाकिस्तान के सामने 389 रनों का लक्ष्य

लंदन। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच दूसरा टेस्ट मैच लॉर्ड्स के मैदान पर खेला जा रहा है। मुकाबले के चौथे दिन इंग्लैंड की पूरी टीम दूसरी पारी में 208 रन बनाकर ऑलआउट हुई। इंग्लैंड ने पाकिस्तान के सामने जीत के लिए 389 रनों का लक्ष्य रखा है।

इंग्लैंड के लिए चौथे दिन की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 177/7 के स्कोर में सिर्फ 9 रन जोड़ने के बाद डेन लॉरेंस को मोहम्मद अब्बास ने क्लीन बोल्ड करते हुए पवेलियन भेजा। लॉरेंस ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 70 गेंदों में 7 चौके और 2 छक्कों की मदद से 54 रन बनाए।

ओली रॉबिन्सन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और महज 8 रन बनाकर आउट हुए। जोश टंग इंग्लैंड की ओर से दूसरी पारी में आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज रहे। वह 12 रन बनाकर रनआउट हुए। इंग्लैंड की तरफ से लॉरेंस की अर्धशतकीय पारी के अलावा, हैरी ब्रूक ने 34 रनों का योगदान दिया है, जबकि एमिलियो ने 31 रनों का योगदान दिया। जो रूट ने 24 रन बनाए।

इंग्लैंड ने कुल 388 रनों की बढ़त हासिल करते हुए पाकिस्तान के सामने दूसरे टेस्ट मैच को जीतने के लिए 389 रनों का लक्ष्य रखा है। पहली पारी के आधार पर इंग्लैंड ने 180 रनों की विशाल बढ़त हासिल की थी। पाकिस्तान की तरफ से गेंदबाजी में मोहम्मद अब्बास ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 57 रन देकर 5 विकेट चटकाए, जबकि खुर्रम शहजाद और मोहम्मद अली ने दो-दो विकेट निकाले।

पहली पारी में इंग्लैंड की पूरी टीम 290 रन बनाकर ऑलआउट हुई थी। टीम की तरफ से जॉर्डन कॉक्स (55 रन) और जेमी स्मिथ (61 रन) ने अर्धशतकीय पारी खेली थी।

हालांकि, इसके जवाब में पाकिस्तान की टीम सिर्फ 110 रन बनाकर सिमट गई थी। तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड 1-0 से आगे है। इंग्लैंड ने पहले टेस्ट को एक पारी और 103 रनों से जीता था।

हॉकी वर्ल्ड कप 2026: जर्मनी बना चैंपियन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

हॉकी वर्ल्ड कप 2026 का रोमांचक फाइनल मुकाबला स्पेन और जर्मनी के बीच खेला गया। दोनों टीमों मुकाबले में अपनी पूरी ताकत झोंक दी। मिचेल स्ट्रूथॉफ के गोल के दम पर जर्मनी ने विश्व कप पर अपना कब्जा जमा लिया है। जर्मनी ने चौथी बार विश्व कप के खिताब पर अपना कब्जा जमाया है। इसी के साथ उन्होंने हॉकी वर्ल्ड कप सबसे अधिक बार जीतने के पाकिस्तान के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

जर्मनी के खिलाफ स्पेन ने शानदार खेल दिखाया लेकिन तीसरे क्वार्टर में स्ट्रूथॉफ ने गोल कर जर्मनी को बढ़त दिला दिया। इसी के साथ जर्मनी ने विश्व कप को 1-0 से अपने नाम कर लिया। इससे पहले उन्होंने 2023 में विश्व कप जीतने का कारनामा किया था। जर्मनी ने अपना टाइटल डिफेंड कर लिया है।

पहले और दूसरे क्वार्टर में नहीं हुआ कोई गोल - दोनों टीमों ने विश्व कप के फाइनल अपना पूरा जोर लगा दिया। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। हालांकि, दोनों में से कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। पहले क्वार्टर के 9वें मिनट में स्पेन को पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वे इसे गोल में तब्दील नहीं कर सके। जर्मनी को दूसरे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वे भी गोल नहीं सके। उनके पास गोल करने का मौका था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने कोई गलती नहीं की।

इंडियन गोल्फर भाटिया 22वें नंबर पर खिसके, होवलैंड टूर चैंपियनशिप में आगे

विश्व केसरी ■

अटलांटा। अक्षय भाटिया ने बैक नाइन के आखिर में अपनी तीन में से दो बोगी गंवा दीं और टूर चैंपियनशिप के तीसरे राउंड के आखिर में 29 खिलाड़ियों में से टाई-22वें नंबर पर आ गए। दूसरे राउंड के बाद टी-11 पर चल रहे भाटिया के 1-ओवर 71 के स्कोर ने 65-69 और 71 के राउंड के बाद उनका टोटल 5-अंडर कर दिया।

भाटिया ने पांचवें होल पर एक शॉट गंवा दिया, जिसे उन्होंने 12वें होल पर वापस पा लिया, लेकिन 14वें और 15वें होल पर लगातार बोगी के कारण 17वें होल पर बर्डी के बावजूद वह फिर से पीछे हो गए। अभी एक और राउंड बाकी है, लेकिन टूर चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने की वजह से भाटिया अगले सीजन के सभी चार मेजर्स में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं।

विक्टर होवलैंड ने अपने पिछले छह लगातार पुट में सात फीट या उससे ज्यादा के चार बर्डी पुट लगाए और 5-अंडर 65 का स्कोर किया। उन्होंने सीजन के आखिरी मुकाबले में एक शॉट की बढ़त ले ली, जो बहुत मुश्किल था।

होवलैंड ने आखिर में 8-फीट के दो बर्डी पुट लगाए, जिससे उनका स्कोर 15-अंडर 195 हो गया, जो टूर चैंपियनशिप के नए खिलाड़ी रयान जेरार्ड से एक शॉट आगे था, जिन्होंने 66 के लिए बोगी-फ्री खेला।

स्कॉटी शेफलर (66) और क्रिस गॉटरअप (67), जिन्होंने इस साल मिलकर पांच पीजीए टूर टाइटल जीते हैं, 12-अंडर 198 पर तीन शॉट पीछे थे। उनके साथ 46 साल के एडम स्कॉट और लुडविग एबर्ग भी थे। दोनों ने इस साल अपनी पहली जीत की तलाश में 65 का स्कोर किया।

इस रेस में रोरी मैकलरॉय भी थे, जिन्होंने दो बोगी कीं, पार-5 18वें होल पर पार स्कोर किया और फिर भी 63 का स्कोर करके पांच शॉट के अंदर आ गए। उनके साथ कैमरन यंग भी थे, जिनकी 10वें होल पर डबल बोगी ने उन्हें 68 के राउंड में पीछे कर दिया।

आखिरी दिन जीतने वाले के लिए 10 मिलियन डॉलर दांव पर लगे हैं, जो गोल्फ में किसी एक टूर्नामेंट के लिए सबसे बड़ी आधिकारिक राशि है।

इंडियन गोल्फर भाटिया 22वें नंबर पर खिसके, होवलैंड टूर चैंपियनशिप में आगे

विश्व केसरी ■

अटलांटा। अक्षय भाटिया ने बैक नाइन के आखिर में अपनी तीन में से दो बोगी गंवा दीं और टूर चैंपियनशिप के तीसरे राउंड के आखिर में 29 खिलाड़ियों में से टाई-22वें नंबर पर आ गए। दूसरे राउंड के बाद टी-11 पर चल रहे भाटिया के 1-ओवर 71 के स्कोर ने 65-69 और 71 के राउंड के बाद उनका टोटल 5-अंडर कर दिया।

भाटिया ने पांचवें होल पर एक शॉट गंवा दिया, जिसे उन्होंने 12वें होल पर वापस पा लिया, लेकिन 14वें और 15वें होल पर लगातार बोगी के कारण 17वें होल पर बर्डी के बावजूद वह फिर से पीछे हो गए।

अभी एक और राउंड बाकी है, लेकिन टूर चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने की वजह से भाटिया अगले सीजन के सभी चार मेजर्स में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं।

विक्टर होवलैंड ने अपने पिछले छह लगातार पुट में सात फीट या उससे ज्यादा के चार बर्डी पुट लगाए और 5-अंडर 65 का स्कोर किया। उन्होंने सीजन के आखिरी मुकाबले में एक शॉट की बढ़त ले ली, जो बहुत मुश्किल था।

होवलैंड ने आखिर में 8-फीट के दो बर्डी पुट लगाए, जिससे उनका स्कोर 15-अंडर 195 हो गया, जो टूर चैंपियनशिप के नए खिलाड़ी रयान जेरार्ड से एक शॉट आगे था, जिन्होंने 66 के लिए बोगी-फ्री खेला।

स्कॉटी शेफलर (66) और क्रिस गॉटरअप (67), जिन्होंने इस साल मिलकर पांच पीजीए टूर टाइटल जीते हैं, 12-अंडर 198 पर तीन शॉट पीछे थे। उनके साथ 46 साल के एडम स्कॉट और लुडविग एबर्ग भी थे। दोनों ने इस साल अपनी पहली जीत की तलाश में 65 का स्कोर किया।

इस रेस में रोरी मैकलरॉय भी थे, जिन्होंने दो बोगी कीं, पार-5 18वें होल पर पार स्कोर किया और फिर भी 63 का स्कोर करके पांच शॉट के अंदर आ गए। उनके साथ कैमरन यंग भी थे, जिनकी 10वें होल पर डबल बोगी ने उन्हें 68 के राउंड में पीछे कर दिया।

आखिरी दिन जीतने वाले के लिए 10 मिलियन डॉलर दांव पर लगे हैं, जो गोल्फ में किसी एक टूर्नामेंट के लिए सबसे बड़ी आधिकारिक राशि है।

होवलैंड आखिर में ग्रीन्स पर अपना बेस्ट दे रहे थे - 13वें होल पर बर्डी के लिए 11 फीट, 14वें होल पर पार बचाने के लिए 18 फीट, 15वें होल पर पेनिनसुला-ग्रीन पर बर्डी के लिए 11 फीट, 16वें होल पर 7-फुट का पार पुट और उनकी आखिरी बर्डी।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415